E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 204 | गुवाहाटी | सोमवार, 24 फरवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

असम सरकार

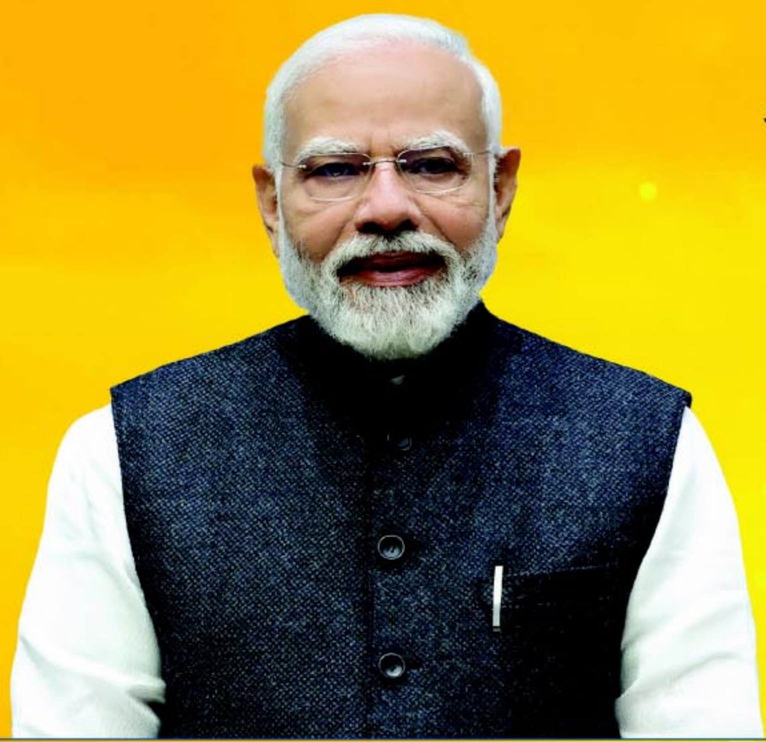

भारत के माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेंद्र मोदी
विदेशी प्रतिनिधियों और वैश्विक निवेशकों का असम में हार्दिक स्वागत है

ADVANTAGE ASSAM 2.0
Investment and Infrastructure Summit

उद्घाटन समारोह
24 फरवरी 2025 | शाम: 7:00 बजे
पशु चिकित्सा महाविद्यालय मैदान
खानापारा, गुवाहाटी

भाग लेने वाले देश

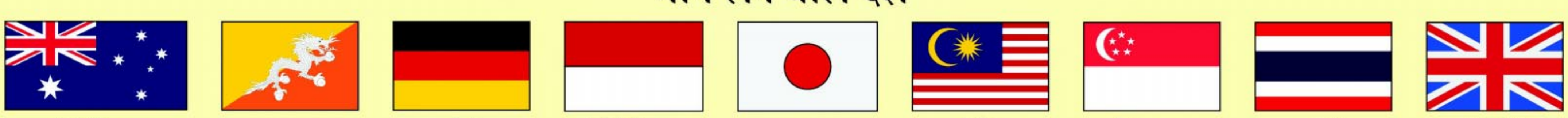

ऑस्ट्रेलिया | भूटान | जर्मनी | इंडोनेशिया | जापान | मलेशिया | सिंगापुर | थाईलैंड | यूनाइटेड किंगडम

गरिमामय उपस्थिति

श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य
राज्यपाल, असम

डॉ. हिमंत विश्व शर्मा
मुख्यमंत्री, असम

श्री बिमल बोरा
उद्योग, वाणिज्य एवं सार्वजनिक उद्यम और सांस्कृतिक कार्य विभाग के मंत्री, असम

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं

उद्घाटन | मंत्रिस्तरीय सत्र | विषयगत सत्र | बी2बी, बी2जी बैठकें | प्रदर्शनी | समापन सत्र

आयोजक aidc Assam Industrial Development Corporation Ltd.

हमारे साथ जुड़ें @aidc_ltd www.aidcltd.com

उद्योग भागीदार FICCI | ज्ञान भागीदार EY

सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय, असम द्वारा प्रचारित
Connect with us @diprassam dipr.assam.gov.in

-- Janasanyog /D/12950/24/24-Feb-25

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

NAME CHANGE

I, Dristi Choudhury, D/O- Lt. Dilip Choudhury & Smt. Alaka Choudhury, resident of Vill / P.O.- Nepali Basti, P.S.- Missamari, Dist- Sonitpur, Assam-784506 by an affidavit before Notary Tezpur, dated- 7/11/2023 declare that my actual and correct name is Dristi Choudhury instead of Dristi in all purposes.

जिला आयुक्तों के साथ मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने की वीडियो कांफ्रेंसिंग

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि *एडवांटेज असम 2.0 इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर समिट,* जो गुवाहाटी में आयोजित होगा, उसे राज्यव्यापी आयोजन बनाया जाएगा। इसके तहत जिला आयुक्तों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने जिलों में पांच लाख रुपए से 50 करोड़ रुपए तक के समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर की प्रक्रिया को सुगम बनाएं। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने आज दिसपुर स्थित अपने कार्यालय से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला आयुक्तों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह समिट भले ही गुवाहाटी में आयोजित हो रहा है, लेकिन इसके लाभ पूरे राज्य को मिलने चाहिए। इसी उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है कि समिट के दौरान होने वाले एमओयू में से कई जिलों में ही निष्पादित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कुल 2590 छोटे एमओयू, जिनका कुल मूल्य 15, 911 करोड़ रुपए होगा, जिला स्तर पर निष्पादित किए जाएंगे। उन्होंने जिला आयुक्तों को निर्देश दिया कि वे एमओयू पर हस्ताक्षर को समिट की भावना और उद्देश्यों के अनुरूप सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने अपनी वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान जिला आयुक्तों को यह भी निर्देश दिया कि वे राज्यभर के 800 से अधिक चाय बागानों में मेगा झुमुर बिनंदिनी के प्रसारण की व्यवस्था करें। उन्होंने कहा कि सरकार सभी उत्साही नृत्य कलाकारों को सरुसजाई स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, गुवाहाटी में आयोजित इस आयोजन में स्थान नहीं दे सकी, जहां प्रधानमंत्री भी मौजूद रहेंगे। इसलिए जिलों में चाय बागानों में इसका प्रसारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि वहां के लोग इस भव्य आयोजन का आनंद अपने स्थान से ही ले सकें। इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री बिमल बोरा, मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. केके द्विवेदी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

समाज परिवर्तन के लिए पंच परिवर्तन आवश्यक : डॉ. मोहन भागवत

गुवाहाटी (हिंस)। नगर के वर्षपाड़ा स्थित साउथ प्वाइंट स्कूल परिसर में कार्यकर्ताओं के लिए एक बौद्धिक में रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने अपने संबोधन में समाज परिवर्तन के लिए पंच परिवर्तन को एक महत्वपूर्ण कुंजी के रूप में रेखांकित किया। इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के गुवाहाटी महानगर ने आयोजित किया। इसमें बड़ीसंख्या में दायित्वधारी कार्यकर्ता उपस्थिति रहे। सरसंघचालक डॉ. भागवत ने समाज परिवर्तन के लिए आवश्यक पांच परिवर्तनों, अर्थात् सामाजिक समरसता, परिवारिक मूल्यबोध, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी और नागरिक कर्तव्य पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने समाज में विभिन्न जातियों, मतों, क्षेत्रों और भाषाओं के बीच मित्रता और एकता को बढ़ावा देने के महत्व पर बल दिया, ताकि एक समरस समाज का निर्माण किया जा सके। डॉ. भागवत ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की, जिसमें उन्होंने कहा कि सभी को हिंदू मंदिरों, जलाशयों और श्मशान भूमि के संरक्षण के लिए आपसी सम्मान और सहयोग के साथ एकजुट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने परिवार में भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देना समाज को सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए मार्ग प्रदान करेगा। डॉ. भागवत ने पर्यावरण संरक्षण में समाज की सामूहिक जिम्मेदारी पर भी प्रकाश डाला, जिसमें जल संरक्षण, पॉलीथिन न्यूनता और वृक्षारोपण जैसी क्रियाओं को महत्व दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक भारतीय परिवार को अपनी भाषा, वस्त्र, भोजन, आवास और भ्रमण में स्वदेशी को अपनाना चाहिए। डॉ. भागवत ने सभी से विदेशी भाषाओं के उपयोग को कम करने और अपनी मातृभाषा में संवाद करने का आह्वान किया। डॉ. भागवत ने कहा कि जहां तक नागरिक कर्तव्यों की बात है, हमें सभी राजकीय नियमों और कानूनों का पालन करना चाहिए।

राज्यपाल आचार्य ने की दो नए *संकल्पों* की घोषणा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज असम राजभवन में महत्वपूर्ण पहल के रूप में दो नए संकल्पों *राज्यपाल असम राष्ट्रीय सुरक्षा प्रोत्साहन संकल्प* एवं *राज्यपाल असम राष्ट्रीय सेवा प्रोत्साहन संकल्प* का शुभारंभ किया। राज्यपाल आचार्य ने इन पहलों को राष्ट्र सेवा और सुरक्षा के प्रति समाज को संकल्पबद्ध करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि ये योजनाएं *राष्ट्र सर्वोपरि* की भावना को और अधिक सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होंगी। उल्लेखनीय है कि राजभवन, असम द्वारा पूर्व में भी समाज के विभिन्न वर्गों के समग्र विकास एवं राष्ट्रहित को ध्यान में रखते हुए आठ योजनाएं प्रारंभ की गई हैं। ये योजनाएं हैं- राज्यपाल असम प्रतिभा प्रोत्साहन योजना, राज्यपाल असम वरिष्ठ शिक्षक सम्मान, राज्यपाल असम भाषा प्रोत्साहन योजना, राज्यपाल असम विश्वकर्मा सम्मान, राज्यपाल असम उत्कृष्टता पुरस्कार, राज्यपाल असम अमृत सरोवर सद्भावना संगत प्रोत्साहन योजना, राज्यपाल असम राष्ट्रीय कृतज्ञता एवं जागरूकता योजना और राज्यपाल असम कर्तव्य से विकास योजना। इन नई योजनाओं का उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं को राष्ट्रीय सुरक्षा एवं समाज सेवा के प्रति प्रेरित करना है। राज्यपाल आचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा केवल सैन्य एवं पुलिस बलों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक, विशेष रूप से युवाओं की इसमें अहम भूमिका होती है। इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए *राज्यपाल असम राष्ट्रीय सुरक्षा प्रोत्साहन संकल्प* को राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के सहयोग से प्रारंभ किया गया है। *राज्यपाल असम राष्ट्रीय सेवा प्रोत्साहन संकल्प* का उद्देश्य भी युवाओं को समाज सेवा के प्रति प्रेरित करना है। इस योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सहयोग से स्वास्थ्य जागरूकता, आपदा राहत, पर्यावरण संरक्षण, डिजिटल साक्षरता एवं ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। यह योजना नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्र-निर्माण की भावना को प्रोत्साहित करने में सहायक होगी। इस अवसर पर राज्यपाल ने युवाओं में समाज और राष्ट्र के प्रति सेवा की भावना जागृत करने की आवश्यकता पर बल दिया।

गुवाहाटी के ससल नामघर में लोगों ने सुनी प्रधानमंत्री के *मन की बात*

गुवाहाटी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के *मन की बात* कार्यक्रम का आयोजन गुवाहाटी के ससल सार्वजनिक नामघर के सभागार में किया गया, जिसमें पूब गुवाहाटी क्षेत्र के विधायक और पूर्व मंत्री सिद्धार्थ भट्टाचार्य की उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ों पुरुष और महिलाएं एकत्रित हुए और इसे उत्साहपूर्वक सुना। इस अवसर पर नामघर समिति के अध्यक्ष डॉ. नव नाहर डेका के साथ ही ससल बिहू सम्मेलन की केंद्रीय समिति के अध्यक्ष पवन बुढ़ागोहाईं, रूपाली जयंती वर्ष बिहू उत्सव आयोजन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. बुधिन सैकिया, सचिव प्रशांत सैकिया और नवनीता बरदलै, सांस्कृतिक सचिव धनंजय तालुकदार, असम सरकार के सेवानिवृत्त संयुक्त सचिव प्रफुल्ल डेका, स्थानीय समाजसेवी हरेण, धर्मेंद्र तेरन और विपुल छेत्री समेत कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विधायक सिद्धार्थ भट्टाचार्य ने कहा कि नकारात्मक विचारों के बढ़ते प्रभाव के बीच *मन की बात* सकारात्मक सोच का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

बांग्लादेश के सीमावर्ती क्षेत्र से दो रोहिंग्या युवतियां गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार जिलांतर्गत काटिगोरा के राजपुर मेनम इलाके में बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत पहुंची दो युवतियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार दोनों युवतियों के पास से बांग्लादेश की विभिन्न सामग्रियां बरामद हुई हैं। इस दौरान दो युवक मौके से भाग जाने में सफल रहे हैं। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया है कि बीती रात राजपुर मेनम इलाके में स्थानीय लोगों ने एक वाहन में दो युवतियां और दो लोगों को देखा। इसके बाद स्थानीय लोगों ने वाहन रोक तो वाहन चालक और एक अन्य व्यक्ति मौके से भाग गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंची और भारतीय सीमा में अवैध रूप से प्रवेश करने वाली दोनों युवतियों कोगिरफ्तार कर लिया। पुलिस मौके से भागे वाहन चालक और एक अन्य व्यक्ति को तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार पूछताछ में पता चला कि दोनों युवतियां रोहिंग्या हैं और दोनों बांग्लादेश के रोहिंग्या शिविर में रह रही थीं।

अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम के स्थापना दिवस पर असम राजभवन का भव्य समारोह

गुवाहाटी (हिंस)। असम राजभवन द्वारा आज अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कृष्णकांत हैंडिक स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी सभागार में आयोजित हुआ, जिसकी राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने अध्यक्षता की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल आचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवसों का उत्सव *एक भारत, श्रेष्ठ भारत* पहल का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने इस ऐतिहासिक पहल को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का प्रमाण बताया और कहा कि यह विभिन्न राज्यों के बीच आपसी सहयोग, सौहार्द और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने का आधार है। उन्होंने कहा कि राज्यों के स्थापना दिवस का उत्सव नागरिकों को अन्य राज्यों की विविध परंपराओं, भाषाओं, लोक कलाओं, विरासत और ऐतिहासिक योगदान को समझने का अवसर प्रदान करता है, जिससे संवाद और सहयोग को बल मिलता है। राज्यपाल ने कहा कि भारत *विविधता में एकता* का जीवंत उदाहरण है। प्रत्येक राज्य की अपनी विशिष्ट पहचान, भाषा, कला, संस्कृति और परंपराएं हैं और यही विविधता भारत की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि *विविधता में एकता* भारत की पहचान है और यही उसे विश्व में विशिष्ट बनाती है। उन्होंने आगे कहा कि यह आयोजन हमें यह स्मरण कराता है कि देश के नागरिक चाहे किसी भी राज्य के हों, वे सभी एक राष्ट्र का अभिन्न अंग हैं।

बंगाईगांव में श्री अग्रवाल समाज सभा, महिला शाखा का महाशिवरात्रि के अवसर पर भजन संध्या का आयोजन

बंगाईगांव। श्री अग्रवाल समाज सभा, महिला शाखा द्वारा महाशिवरात्रि के अवसर पर 22 फरवरी को श्री राम मंदिर के प्रांगण में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें गायक कलाकारों श्रीमती शिप्रा राय एवं विपुल सिंघा ने भोले बाबा के एक से बढ़कर एक भजन गाकर भक्तों को नाचाया। एक तरफ नीलू अग्रवाल, दिपिका बंसल, रिसिका अग्रवाल, राव्या अग्रवाल ने शिव भगवान का सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया तो दूसरी तरफ संस्कृति डांस अकैडमी की संस्थापक प्राचार्य सुसमीता सेन के नेतृत्व में शिव भगवान का मनमोहक नृत्य रूपांतरण प्रस्तुत किया गया। छोटे से तीन वर्षिय मास्टर अगस्त्य बंसल द्वारा गाया गया कंठस्त शिव स्तुति ने सभी भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया एवं सभी ने इसकी सहराना की। इस कार्यक्रम में आर्ट ऑफ लिविंग की तरफ से डॉक्टर सीमा छावछरीया के नेतृत्व में सदस्यों ने हृदयस्पर्शी भजन प्रस्तुत किए। खचाखच भरे हुए राम मंदिर के प्रांगण में उपस्थित सभी भक्तों ने भजनों तथा नृत्यों का भरपूर आनंद लेते हुए भजनों के अन्तिम पड़ाव में धमाल के साथ फूलों की होली का भी आनंद लिया। भजन संध्या के कार्यक्रम का संचालन महेश कुमार अग्रवाल ने किया तथा गायक कलाकारों के साथ सभी म्यूजिशियनों को दुपट्टा ओढ़ा कर सम्मानित किया गया एवं समाज के उन कलाकारों को भी पुरस्कृत किया गया जिन्होंने नृत्य एवं अन्य कार्यक्रमों में भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. एम एल अग्रवाला एवं डॉ. सुधा अग्रवाल के परिवार की तरफ से मेट्रिक में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए विनय-सपना धानुका के पूत्र हर्ष धानुका को ग्यारह हजार रूपए का नगद पुरस्कार दिया गया। इसके पहले श्री अग्रवाल समाज सभा की और से डॉ. सुधा अग्रवाल का स्वागत किया गया। भजन संध्या में महिलाओं एवं पुरुषों की अच्छी उपस्थिति के अलावा समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल करने में अनु अग्रवाल, काजल अग्रवाल, नीलू अग्रवाल, आयुषी बंसल, रीना अग्रवाल, मनोज हरलालका, विकास सुरेका, महेश कुमार अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल के विशेष सहयोग के अलावा अग्रवाल महिला शाखा के सभी सदस्यों का प्रत्यक्ष एवं परोक्ष सक्रिय सहयोग रहा। श्री अग्रवाल समाज सभा, महिला शाखा की अध्यक्षा व सचिव क्रमशः अनु अग्रवाल एवं काजल अग्रवाल ने सभी भक्तों का कार्यक्रम को सफल करने के लिए आभार प्रकट किया। भोले बाबा की महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ भजन संध्या का सफल समापन हुआ। श्री अग्रवाल समाज सभा, महिला शाखा द्वारा महाशिवरात्रि पर्व की पूर्व संध्या पर आयोजित सुव्यवस्थित एवं मनमोहक भजन संध्या की उपस्थित सभी भक्तों ने प्रशंसा की।

रंगिया में लोकनृत्य की कार्यशाला 21 मार्च से

रंगिया (विभास)। रंगिया के सांस्कृतिक शिक्षण संस्थान *लोक कृष्टि कला केंद्र* द्वारा हरवर्ष की तरह इसबार भी रंगाली बिहू के मौके पर लोकनृत्य की कार्यशाला का आयोजन किया गया है। पिछले ग्यारह वर्षो की सफलता के साथ इसबार इसका आयोजन आगामी 21 मार्च से 30 मार्च तक 10 दिवसीय कार्यक्रम के साथ किया जाएगा। रंगिया के बीचों बीच स्थित संगम संघ मैदान प्रांगण में आयोजित होने वाली इस कार्यशाला में आमंत्रित अभिज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा बिहू हुसोरी, बिहू नृत्य और जेंग बिहू का प्रशिक्षण दिया जायेगा जिसमें मुख्य प्रशिक्षक राष्ट्रीय स्तर के लोक कलाकार बोर बिहुआ गौतम दास, बिहुआ रूपम डेका, कंदर्प दास, रंग बसंत रानी-2022 तथा नामोनी बोआरी-2024 अनन्या फूकन, बिहूवती डिंपी हालोई, दीपिका रॉय सहित सह-प्रशिक्षक देवाशीष दास, राहुल नाथ, रक्तिम कश्यप, हेमंत राजवंशी उपस्थित रहेंगे। बताया गया है कि कार्यशाला के अंतर्गत रोजाना दोपहर 3.30 बजे प्रशिक्षण दिया जाएगा जिसमें 6 वर्ष व इससे अधिक आयु के प्रशिक्षार्थी भाग ले सकेंगे। आयोजकों द्वारा कार्यशाला में शामिल होने के लिए इक्षुक प्रशिक्षार्थियों को शीघ्र ही प्र-पत्र संग्रह कर उसे जल्द से जल्द जमा करने का आग्रह किया गया है। जानकारी दी गई है कि प्रपत्र रंगिया बाजार शिव मंदिर के पास स्थित रंगरूप नामक प्रतिष्ठान से सुबह 10 बजे से संग्रह किया जा सकेगा।

श्री गौहाटी गौशाला ने मनाया अपना 110वां स्थापना दिवस

गुवाहाटी। मारवाड़ी समाज की सबसे प्रतिष्ठित संस्था श्री गौहाटी गौशाला का गौरवशाली 110वां स्थापना दिवस आठगांव गौशाला परिसर में आज परंपरागत तरीके से मनाया गया। ट्रस्टी चेयरमैन कैलाश लोहिया, ट्रस्टी इंचार्ज डॉ. अशोक धानुका और अध्यक्ष रमेश गोयनका ने अपने सहयोगी पदाधिकारियों के साथ गौशाला की परंपरा अनुसार झंडोत्तोलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात सभी पदाधिकारियो द्वारा विधिवत गौ माता की पूजा की गई एवं गुड़, घास चाप्पड़ आदि खिलाया गया। इस मौके पर उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने गौशाला के 110वें स्थापना दिवस पर एक-दूसरे को बधाई दी और पुरखों द्वारा स्थापित गौशाला की बेहतरी के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। इस मौके पर श्री गौहाटी गौशाला का औपचारिक फेसबुक पेज भी जारी किया गया, जिसमें गौशाला के कार्यक्रमों व संस्था से संबंधित अन्य जरूरी जानकारी समय-समय पर दी जाएगी। स्थापना दिवस समारोह के पश्चात कार्यकारणी समिति के अध्यक्ष श्री गोयनका ने कहा कि आने वाले समय में गौ संरक्षण एवं संवर्धन के अलावा गौशाला के आधारभूत ढांचे के विकास को अधिक प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि नई कार्यकारिणी के युवा साथियों को साथ लेकर गौमाता के उत्तरोत्तर विकाश पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने दुग्ध वितरण प्रणाली के आधुनिकरण किए जाने की योजना पर काम जारी रखने की बात भी कही। आज के स्थापना दिवस समारोह में ट्रस्टी तथा महामंत्री आरएस जोशी, ट्रस्टी प्रदीप भड़ेच, शरत जैन, कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार जालान, संयुक्त मंत्री रमेश चांडक, कार्यकारिणी सदस्य समित सराफ, सूरज सिंघानिया, अमित जैन, विवेक सांगानेरिया, अरुण अग्रवाल, विजय सांगानेरिया, माखनलाल अग्रवाल, विजय कुमार हरलालका, शिव प्रसाद भीमसरिया, दीपक मित्तल के अलावा विभिन्न उप संयोजक समिति में मनोनीत सदस्य प्रभास पोद्दार, गौरव गोयल आदि उपस्थित थे।

जमलाई में देशी जनगोष्ठीय मंच की नवगठित समिति का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

नगरबेड़ा (विभास)। असम के कामरूप जिले के देशी जनगोष्ठीय मंच की नवगठित समिति का शपथ ग्रहण समारोह आज जिले के जमलाई मॉडल स्कूल के प्रांगण में आयोजित किया गया। संगठन की केंद्रीय समिति के उपाध्यक्ष सैयदुद्दीन अहमद की अध्यक्षता में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में देशी जनजागृति मंच की केंद्रीय समिति के महासचिव शाहिदुल इस्लाम उपस्थित थे और कामरूप जिला मोहिदुल इस्लाम (बाबुल) की नवगठित समिति के अध्यक्ष महामंत्री हबीबुर्रहमान सहित संगठन के सदस्यों को पद की शपथ दिलाई। बैठक में संगठन के केंद्रीय युवा छात्र मंच के अध्यक्ष फिरोजुल आलम ने भाग लिया। केंद्रीय समिति के सहायक सचिव शाहजमाल, सांगठनिक सचिव अब्दुल, जलालउद्दीन, संगठन के केंद्रीय देशी साहित्य सभा के महासचिव उपस्थित थे और उन्होंने संगठनात्मक पहलुओं पर बात की। इस कार्यक्रम में संगठन की जिला समिति के तहत विभिन्न क्षेत्रीय समितियों के कई पदाधिकारियों और सदस्यों ने भाग लिया।

महाराजा अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी गठित

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर में अग्रवाल समाज की सर्वोच्च संस्था महाराजा अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट की एक सभा रविवार को नगर के होटल ओरनेट में आयोजित की गई। गत 19 जनवरी को महाराजा अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट के सभी ट्रस्टीयो की उपस्थिति में आयोजित बैठक में वर्ष 2025-28 के लिए सर्वसम्मति से निर्वाचित हुए अध्यक्ष मनोज जालान की अध्यक्षता में आयोजित आज की सभा में बड़ी संख्या में ट्रस्टियों की उपस्थिति देखी गई। अध्यक्ष श्री जालान ने उपस्थित सभी ट्रस्टियों का स्वागत करते हुए अपनी नई कार्यकारिणी के नामों की घोषणा की, जिसमें अध्यक्ष मनोज जालान, नीवर्तमान अध्यक्ष रामावतार बूडाकिया, उपाध्यक्ष आनंद पोद्दार, पवन अग्रवाला, विनोद क्याल, सचिव सुनील अग्रवाल, संयुक्त सचिव राजेंद्र गुप्ता, गोविंद खेतान, मनोज भजनका, विजय अग्रवाल व अंजय गुप्ता, कोषाध्यक्ष विनोद गोयनका को शामिल किया गया। वहीं संस्था के सलाहकार के रूप में कैलाश लोहिया, डीपी बजाज, अशोक धानुका, रमेश गोयनका, नवीन सिंघल, प्रदीप गुप्ता, प्रदीप भड़ेच, ऋषि गुप्ता, बसंत मित्तल, संजय खेतावत व शरत जैन (अग्रवाल) के नाम की घोषणा की गई। अध्यक्ष श्री जालान ने अपने संबोधन में कहा कि असम सहित पूर्वोत्तर में अग्र वंशज को एकजुट कर एक बैनर तले लाना उनकी प्राथमिकता होगी। श्री जालान ने अपने कार्यकाल के विजन को साझा करते हुए कहा कि पामोही स्थित महाराजा अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट की भूमि पर अन्य समाज की तरह एक ऐसा भवन निर्माण किया जा सके, जो समाज के हर वर्ग के लिए उपयोगी हो एवं अपने मांगलिक एवं अन्य उत्सवों का आयोजन कर सके। इसके लिए वहां पहले से बने करीब 18000 वर्ग फुट के शेड में कुछ कमरों एवं अन्य अंत्य आवश्यक कार्य करने के पश्चात शादी विवाह एवं अन्य मांगलिक कार्यों हेतु बहुत जल्द ही समाज के लिए खोलने का प्रस्ताव उन्होंने सभा के समक्ष रखा। जिस पर उपस्थित सभी ट्रस्टियों ने तालिया की गड़गड़ाहट के साथ इसका स्वागत किया। उनकी इस घोषणा का समर्थन करते हुए सभा में उपस्थित जाने-माने समाजसेवी एवं उद्योगपति आनंद पोद्दार ने सार्थक पहल करते हुए भवन निर्माण हेतु अनुदान देने की घोषणा की, जिसके लिए उन्हें सम्मानित किया गया। आज की सभा में ट्रस्ट से जुड़े कई नए ट्रस्टियों का भी अभिनंदन किया गया। सभा में कार्यकारिणी के अंतर्गत पांच उप कमेटी की घोषणा की गई, जिसमें प्लैनिंग कमिटी, कांस्टीट्यूशनल कमिटी, फंड रेसिंग कमिटी, कल्चरल कमिटी तथा पब्लिकेशन और पीआरओ कमिटी शामिल हैं। साथ ही सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि बहुत ही जल्द गुवाहाटी में मौजूद सभी अग्रवाल परिवार को संस्था से सदस्य के रूप में जोड़ा जाएगा। इसके लिए ट्रस्ट के अंतर्गत सदस्यता अभियान जल्द ही चलाया जाएगा। श्री जालान ने कहा कि पहली बार महाराजा अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट की पहल पर अग्रवाल सभा गुवाहाटी, महाराजा अग्रसेन शिक्षा कोष तथा अग्रवाल युवा परिषद के संयुक्त रूप से आगामी 9 मार्च को पामोही स्थित ट्रस्ट की भूमि पर महाराजा अग्रसेन होली महोत्सव विराट रूप से आयोजित किया जाएगा। इसके लिए संयोजक के रूप में अजय पोद्दार को नियुक्त किया गया। आज आयोजित सभा में उपस्थित गणमान्य ट्रस्टियों ने अपने कई महत्वपूर्ण एवं अहम सुझाव भी दिए। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त सचिव मनोज भजनका ने किया। वहीं धन्यवाद ज्ञापन सचिव सुनील अग्रवाल द्वारा किया गया।

होजाई के श्री विश्वनाथ मंदिर में महाशिवरात्रि का तीन दिवसीय भव्य आयोजन किया जाएगा

होजाई (निसं)। होजाई के शिवबाड़ी रोड स्थित श्री विश्वनाथ मंदिर में तीन दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों के तहत महाशिवरात्रि का भव्य आयोजन किया जाएगा। मंदिर के पुजारी मार्कंडेय तिवारी ने इस संवाददाता को बताया विश्वनाथ मंदिर होजाई का एक ऐतिहासिक मंदिर है। जिसकी स्थापना आजादी से पहले हुई थी। इस मंदिर पर भक्तों की एक अलग ही आस्था और विश्वास है, जो भी भक्त मनसे भगवान शंकर की यहां पूजा करता है उसकी हर मनोकामना पूर्ण होती है। वहीं महाशिवरात्रि के बारे में जानकारी देते हुए पुजारी तिवारी ने बताया की महाशिवरात्रि पर भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना के साथ-साथ महाप्रसाद का भी आयोजन किया जाएगा व भक्तों द्वारा यहां बाबा भोलेनाथ का रुद्राभिषेक किया जाएगा व मंदिर को फूलों से सजाया जाएगा। परिसर में भव्य मेले का आयोजन होगा जिसमें भारी संख्या में लोग दुकान लगाकर अपना व्यापार करते हैं साथ ही फूल, दूध विक्रेता आदि भी यहां पर अपनी दुकान लगाते हैं ताकि भक्तों को भोलेनाथ की पूजा-अर्चना करने के लिए पूजा सामग्री उपलब्ध हो सके। तिवारी ने यह भी बताया की श्री विश्वनाथ मंदिर परिसर में ही श्री राधाकृष्ण मंदिर, बजरंगबली का मंदिर बगल में माता दुर्गा का मंदिर स्थापित है यहां पर पूजा-अर्चना करने वाले लोगों को इन सभी देवताओं का पूजा-अर्चना करने का सौभाग्य प्राप्त हो जाता है। उन्होंने होजाई के धर्म प्रेमी जनों से अनुरोध किया है की महाशिवरात्रि पर सपरिवार मंदिर परिसर में पहुंचकर बाबा भोलेनाथ की पूजा-अर्चना कर पुण्य के भागी बनें।

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 204 | गुवाहाटी | सोमवार, 24 फरवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मन की बात - मोटापे की समस्या गंभीर, 10 प्रतिशत कम करें खाद्य तेल का उपयोग... पेज 4
देश बदल रहा है, युवा राष्ट्रवादी सोच अपनाएं 2047 तक विकसित होगा... पेज 5
दुर्लभ प्रलय की मछली दिखने के बाद लगाई जा रही अटकलें पेज 7
काशी-तमील संगमम काशी और तमिलनाडु के बीच विशेष सदियों पुराने ... पेज 8

असम कैबिनेट ने 1.22 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम मंत्रिमंडल ने राज्य व्यापार शिखर सम्मेलन के दूसरे संस्करण से पहले रविवार को 1.22 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि यह निर्णय लिया गया है कि यहां एडवांटेज असम 2.0 निवेश एवं अवसंरचना शिखर सम्मेलन के दौरान हस्ताक्षरित होने वाले सभी सहमति पत्रों की मंत्रिपरिषद द्वारा उचित जांच की जाएगी और फिर उन्हें मंजूरी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में 45,000 करोड़ रुपए के एमओयू को खारिज कर दिया गया क्योंकि ये *कमजोर आधार* पर पाए गए। उन्होंने कहा कि हम लोगों में अनावश्यक उत्साह पैदा नहीं करना चाहते, हम उचित और तर्कसंगत होना चाहते हैं, उन्होंने कैबिनेट के बारे में कहा कि जिसने अनुमोदन से पहले सभी प्रस्तावों पर विचार किया था। दो दिवसीय एडवांटेज असम 2.0 निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 फरवरी को करेंगे। इस कार्यक्रम में भारत के शीर्ष उद्योगपतियों के साथ-साथ कई देशों के राजदूतों और व्यापारिक -शेष पृष्ठ पांच पर

प्रधानमंत्री के लिए एक दिन पहले ही खुलेगा एडवांटेज असम 2.0

गुवाहाटी (हि.स.)। आगामी 25 और 26 फरवरी को खानापाड़ा में एडवांटेज असम 2.0 का आयोजन होगा, जिसमें सात देशों की भागीदारी होगी। ऑस्ट्रेलिया, भूटान, जर्मनी, जापान, मलेशिया, सिंगापुर और थाईलैंड इस कार्यक्रम में सहयोग देंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 फरवरी को खानापाड़ा में अस्थायी रूप से निर्मित ब्रह्मपुत्र प्रेक्षागृह में एडवांटेज असम 2.0 का उद्घाटन करेंगे। इससे पहले, 24 फरवरी की रात को प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम की प्रदर्शनी का निरीक्षण करेंगे। एडवांटेज असम 2.0 के पहले दिन *असम का संवर्धन और निवेश* विषय पर परिचर्चा होगी। उद्घाटन के बाद मानस प्रेक्षागृह में दोपहर 1:30 बजे से 2:30 बजे तक यह सत्र आयोजित होगा। इसके अलावा, कपिली प्रेक्षागृह में *एमएसएमई और ओडीओपी* पर चर्चा होगी, जिसमें राज्य की आर्थिक प्रगति में जीआई टैग, जैविक कृषि और कृषक उत्पादक संगठनों की भूमिका पर मंथन किया जाएगा। 25 फरवरी को दोपहर 2:30 बजे से 3:30 बजे तक धनशिरी प्रेक्षागृह में *आयुष, चाय और सुगंधित स्वाद* पर चर्चा होगी। वहीं, ब्रह्मपुत्र प्रेक्षागृह में *आई वे टू विकसित असम* विषयक सत्र आयोजित होगा, जिसमें डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और राज्य की विकास रणनीति पर विचार किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, तीन से पांच बजे तक पर्यटन विषय पर *असम: हर ऋतु और हर अवसर के लिए एक गंतव्य* चर्चा मानस प्रेक्षागृह में होगी, जिसे केंद्रीय पर्यटन मंत्री संबोधित करेंगे। इसी दिन शाम चार से पांच बजे तक कपिली प्रेक्षागृह में *स्वास्थ्य दिगंत: स्वास्थ्य क्षेत्र का रूपांतरण* पर चर्चा होगी। भारत-भूटान आर्थिक साझेदारी पर 5:00 से 6:30 बजे तक बराक प्रेक्षागृह में परिचर्चा होगी। शाम 5:30 से 6:30 बजे तक धनशिरी प्रेक्षागृह में *असम की जैव-तकनीकी प्रणाली का रूपरेखा निर्माण* पर चर्चा होगी। पहले दिन रात सात से आठ बजे तक *एक्ट ईस्ट, एक्ट फास्ट, एक्ट फर्स्ट* पर परिचर्चा होगी। वहीं, 26 फरवरी को होने वाली सेमीकंडक्टर पर परिचर्चा 25 फरवरी को ही आयोजित की जाएगी, क्योंकि केंद्रीय आईटी मंत्री 26 फरवरी को दिल्ली में अन्य कार्यक्रमों में व्यस्त रहेंगे।

राज्य में पीएम मोदी के 119वें *मन की बात* में भाजपा कार्यकर्ताओं की बड़ी भागीदारी

गुवाहाटी (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम *मन की बात* के 119वें संस्करण को असम में जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। प्रदेशभर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लाखों कार्यकर्ताओं ने 29,656 बूथ-समिति सभाओं में सामूहिक रूप से इस कार्यक्रम को सुना। भाजपा असम प्रदेश की ओर से किए गए सुव्यवस्थित प्रयास के तहत राज्य के हजारों बूथों को जोश और विचार-विमर्श के केंद्रों में बदला गया, जहां पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना। राज्य की राजधानी में कैबिनेट बैठक से पहले मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में असम सरकार के सभी मंत्री भी इस सत्र में शामिल हुए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया, प्रदेश महासचिव पुलक गोहाई और भारतीय जनता युवा मोर्चा (बीजेवाईएम) के कार्यकर्ताओं का एक समूह भी गुवाहाटी के नरकासुर मंडल के बूथ नंबर 45 पर इस सत्र में -शेष पृष्ठ पांच पर

पीएम मोदी ने राज्य की तस्वीर बदली : अतुल बोरा

महाकुंभनगर (हि.स.)। असम आज कांग्रेस की वोट बैंक राजनीति से मुक्त होकर विकास की ओर बढ़ रहा है। बांग्लादेशी घुसपैठ की समस्या पर अब सख्त कदम उठाए जा रहे हैं जिससे असम की सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान को बचाया जा सके। कांग्रेस की वर्षों की नीतियों ने असम को संकट में डाला था लेकिन अब राज्य आत्मनिर्भरता और सुरक्षा की ओर बढ़ रहा है। असम के लोग अब जागरूक हैं और अपनी संस्कृति, परंपरा और भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह बातें असमगण परिषद् के अध्यक्ष एवं असम सरकार के कैबिनेट मंत्री अतुल बोरा ने हिन्दुस्थान समाचार से एक विशेष वार्ता के दौरान यह बातें कही। तीर्थराज प्रयाग आए असम सरकार के कैबिनेट मंत्री अतुल बोरा ने विशेष बातचीत में कहा कि असम में कांग्रेस ने दशकों तक शासन किया और इस दौरान बांग्लादेशी घुसपैठियों को रोकने की बजाय उन्हें बढ़ावा दिया। इसका मुख्य कारण था-वोटबैंक की राजनीति। कांग्रेस को यह स्पष्ट रूप से पता था कि यदि ये -शेष पृष्ठ पांच पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

यूएसटीएम मालिक महबूबुल हक मामला

मुख्यमंत्री ने 12वीं कक्षा के 209 छात्रों की सूची जारी की

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कक्षा 12 के 209 छात्रों के नाम जारी किए, जिनके बारे में उन्होंने दावा किया कि उन्हें यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी मेघालय (यूएसटीएम) के गिरफ्तार चांसलर और मालिक महबूबुल हक ने सीबीएसई परीक्षा में उच्च अंक दिलाने का वादा किया था। शर्मा ने छात्रों के नाम साझा करते हुए एक्स पर पोस्ट किया कि ये उन छात्रों के नाम हैं, जिन्हें यूएसटीएम के मालिक महबूबुल हक ने सीबीएसई परीक्षा में उच्च अंक दिलाने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि असम पुलिस मामले की जांच कर रही है और मामला दर्ज कर लिया गया है। यह एक गंभीर मामला है और हम सभी संबंधित पक्षों से सहयोग चाहते हैं। वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता हक को पुलिस ने शनिवार सुबह उनके गुवाहाटी -शेष पृष्ठ पांच पर

झुमुर नृत्य प्रामाणिक असमिया संस्कृति है : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि झुमुर नृत्य प्रामाणिक असमिया संस्कृति है। एडवांटेज असम 2.0 से पहले कैबिनेट मीटिंग के बाद प्रेस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि झुमुर देश में कहीं और नहीं किया जाता। भारत के किसी भी अन्य राज्य का नृत्य रूप झुमुर से मेल नहीं खाता। यह प्रामाणिक असमिया संस्कृति है, मुख्यमंत्री ने कहा। नृत्य के नाम के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार *झुमॉयर* नाम उपयुक्त है। इससे पहले फरवरी में संसद के बजट सत्र के दौरान केंद्र ने कहा था कि उसे असम सरकार से ताई आहोम, चुतिया, मटक, मोरान, कोच-राजवंशी और चाय जनजाति को अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी में शामिल करने की सिफारिश मिली है। फरवरी में संसद को सूचित करते हुए जनजातीय मामलों -शेष पृष्ठ पांच पर

पुलिस ने यातायात नियम जारी किए

गुवाहाटी। गुवाहाटी पुलिस ने रविवार, 23 फरवरी को आगामी एडवांटेज असम 2.0 शिखर सम्मेलन के दौरान लोगों की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 24, 25 और 26 फरवरी के लिए यातायात नियम जारी किए। यह निर्णय सरुसजाई स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और खानापाड़ा पशु चिकित्सा क्षेत्र में आयोजित किया जाएगा, ताकि कार्यक्रम के दौरान बच्चों, छात्रों, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग व्यक्तियों सहित सड़क पर आने-जाने वाले लोगों को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। इसके अतिरिक्त, -शेष पृष्ठ पांच पर

सुप्रभात

रचनात्मकता भविष्य में सफलता की कुंजी है और प्राथमिक शिक्षा के दौरान ही शिक्षक बच्चों की रचनात्मकता को उभार सकते हैं।
- अब्दुल कलाम

न्यूज गैलरी

मणिपुर में राज्यपाल की अपील पर समर्पित किए हथियार और विस्फोटक

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर के राज्यपाल की अपील के बाद जिला पुलिस, असम राइफल्स और सीआरपीएफ द्वारा किए गए जन-जागरूकता प्रयासों के तहत चुराचांदपुर और इंफाल ईस्ट जिलों में लोगों ने लगातार दूसरे दिन स्वेच्छा -शेष पृष्ठ पांच पर

विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण : बिरला

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षक ही छात्रों के विचारों में लोकतांत्रिक सिद्धांतों का समावेश करने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। लोकसभा अध्यक्ष बिरला रविवार को संसद भवन परिसर में संसदीय शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) की ओर से आयोजित कार्यक्रम में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) के सदस्यों को संबोधित कर रहे थे। बिरला ने कहा कि शैक्षिक संस्थान, जैसे आईआईटी और एनआईटी न केवल ज्ञान का प्रसार करने में अग्रणी हैं, बल्कि उन्होंने दुनिया की कई -शेष पृष्ठ पांच पर

कुछ नेता हमारे पर्व-परंपरा को गाली देते हैं, विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देती हैं : प्रधानमंत्री

छतरपुर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि नेताओं का एक दल ऐसा है, जो धर्म का मखौल उड़ाता है और लोगों को तोड़ने में जुटा है। ये हमारे पर्व और परंपराओं को गाली देते रहते हैं। हिंदू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी न किसी भेष में रहते रहे हैं। ये हमारी मान्यताओं, संस्कृति और मंदिरों पर हमला करते रहते हैं। विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देकर देश और धर्म को कमजोर करने की कोशिश करती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुलामी की मानसिकता में जकड़े ये लोग हमारे मंदिरों, हमारे संत, संस्कृति और सिद्धांतों पर हमला करते रहे हैं। हमारे समाज को बांटना, उसको तोड़ना इनका एजेंडा है। इस माहौल में मेरे छोटे भाई धीरेंद्र शास्त्री काफी समय से एकता के मंत्र को लेकर लोगों को जागरूक करने का काम कर रहे हैं। अब उन्होंने समाज और मानवता के हित में एक और संकल्प लिया है। अब बागेश्वर धाम में भजन, भोजन और निरोगी जीवन तीनों का आशीर्वाद मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी आज मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित बागेश्वर धाम में बालाजी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर का डिजिटल शिलान्यास के बाद यहां आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने प्रधानमंत्री मोदी को -शेष पृष्ठ पांच पर

अगर पार्टी को मेरी जरूरत नहीं, तो मेरे पास विकल्प हैं : थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ सांसद शशि थरूर को केरल की एलडीएफ सरकार की अर्थव्यवस्था को लेकर की गई टिप्पणी पर अंदरूनी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। थरूर ने पार्टी के भीतर नए मतदाताओं को आकर्षित करने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि केरल कांग्रेस में एक मजबूत नेता की कमी हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि तिरुवनंतपुरम से चार बार सांसद चुने जाने से यह साबित होता है कि लोगों ने उनके स्वतंत्र विचारों को समर्थन दिया है। थरूर ने कांग्रेस के वर्तमान हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि पार्टी को अब अपने पारंपरिक वोटरों से बाहर जाकर और नए लोगों को जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस अपनी अपील बढ़ाने की कोशिश नहीं करती, तो पार्टी को अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में फिर से -शेष पृष्ठ पांच पर

राष्ट्र निर्माण के लिए परंपरा और तकनीक दोनों की जरूरत : डॉ. जयशंकर

वाराणसी (हि.स.)। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि ऐतिहासिक चुनौतियों पर काबू पाने के बाद भारत अब वैश्विक मंच पर अपना स्थान पुनः प्राप्त कर रहा है। साथ ही दुनिया भर में सकारात्मक संबंधों को बढ़ावा दे रहा है। भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की शक्ति का इस्तेमाल करने की अपार क्षमता है। भारत की ताकत परंपरा और प्रौद्योगिकी, स्वतंत्रता और सहयोग, तथा राष्ट्रीय हित को वैश्विक सद्भावना के साथ संतुलित करने की क्षमता है। विदेश मंत्री रविवार को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के ओंकार नाथ ठाकुर सभागार में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (आईआईटी बीएचयू) के मेधावी छात्रों से संवाद कर रहे थे। इसी सभागार में काशी तमिल संगमम के तीसरे संस्करण में तमिलनाडु से आए प्रतिनिधियों और विदेशी राजनयिकों के साथ संवाद के बाद विदेश मंत्री ने विद्यार्थियों को देश की विदेश नीति से अवगत कराया। उन्होंने पेरिस शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी का खास तौर पर उल्लेख किया। कहा कि भारत -शेष पृष्ठ पांच पर

आवाज लगाने पर नहीं मिल रहा कोई रिस्पॉन्स

टनल के अंदर बचाव अभियान जारी

नई दिल्ली। तेलंगाना सुरंग हादसे में राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। इस टनल में 8 मजदूर फंसे हैं, जिनको निकालने के लिए प्रयास जारी है। सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर मौजूद हैं। रेस्क्यू के काम में कई प्रकार की चुनौतियां सामने आ रही हैं। इस बीच थोड़ी राहत भरी जानकारी सामने आई है। बताया जाता है रेस्क्यू टीम टनल के 13 किलोमीटर अंदर तक पहुंच गई है, इसी जगह पर सुरंग का हिस्सा ढहा है। हालांकि, कीचड़ और पानी की वजह से राहत और बचाव कार्य में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि शनिवार को तेलंगाना के नागरकुरनूल में एक सुरंग का हिस्सा ढह गया था। इस सुरंग में 8 मजदूर फंस गए थे। इसके बाद उनको निकालने का प्रयास लगातार जारी है। इस बीच सुंरग के कुछ दूर अंदर जाकर बचावकर्मी सुरंग के अंदर जाते समय फंसे हुए श्रमिकों के नाम पुकार रहे हैं। सुरंग में फंसे मजदूरों को निकालने के लिए बचाव कार्य में तेजी से किया जा रहा है और इसमें और तेजी लाने के लिए शीर्ष बचाव एजेंसियों को तैनात किया गया है। साथ ही सुरंग खोदने वाली मशीन लाई जा रही है। बता दें कि एनडीआरएफ के एक अधिकारी ने कहा कि बचाव दल कल रात सुरंग के अंदर गया, जिसने एक लोकोमोटिव -शेष पृष्ठ पांच पर

मन की बात- मोटापे की समस्या गंभीर, 10 प्रतिशत कम करें खाद्य तेल का उपयोग : प्रधानमंत्री

महिला दिवस: एक दिन के लिए महिलाओं के हवाले करेंगे सोशल मीडिया अकाउंट
विज्ञान दिवस पर एक दिन वैज्ञानिक बनकर गुजारें, बढ़ायें इसके प्रति अपनी जिज्ञासा

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम ह्यमन की बातह्ण में आधुनिक जीवन शैली से बढ़ती जा रही स्वास्थ्य समस्या के तौर पर मोटापे का विषय उठाया। उन्होंने इस संबंध में आमजन से अपने भोजन में खाद्य तेल के उपयोग में 10 प्रतिशत की कमी लाने की अपील की। उन्होंने इस संबंध में सोशल मीडिया पर जागरूकता पैदा करने के माध्यम के तौर पर 10 लोगों को खाद्य तेल में कटौती से जुड़ी चुनौती देने की बात भी कही। प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात के 119वें एपिसोड में आज मोटापे के विषय पर ओलंपिक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा, निखत जरीन तथा स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. देवी शेट्टी से हुई बातचीत सुनाई। उन्होंने कहा कि खाने में तेल के कम उपयोग और मोटापे से निपटना केवल व्यक्तिगत विषय नहीं है बल्कि यह परिवार के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। खानपान में तेल का अधिक इस्तेमाल दिल की बीमारियों, शुगर और उक्त रक्तचाप जैसी ढेर सारी बीमारियों की वजह बनता है। उन्होंने कहा कि खानपान में छोटे-छोटे बदलाव से हम हमारे भविष्य को मजबूत, सशक्त और रोग मुक्त बना सकते हैं। उन्होंने कहा, आप तय कर लीजिए कि हर महीने 10 प्रतिशत तेल कम उपयोग करेंगे। आप तेल की खरीद में 10 प्रतिशत की कमी लायेंगे। यह मोटापा कम करने की दिशा में अहम कदम होगा। प्रधानमंत्री मोदी मन की बात में पर्यावरण संरक्षण और वन्य जीव संरक्षण जैसे विषयों को लगातार उठाते रहे हैं। इसी क्रम में आज उन्होंने भारत के जीवंत पारिस्थितिक तंत्र की बात की। उन्होंने उन परंपराओं की जानकारी दी जिसके

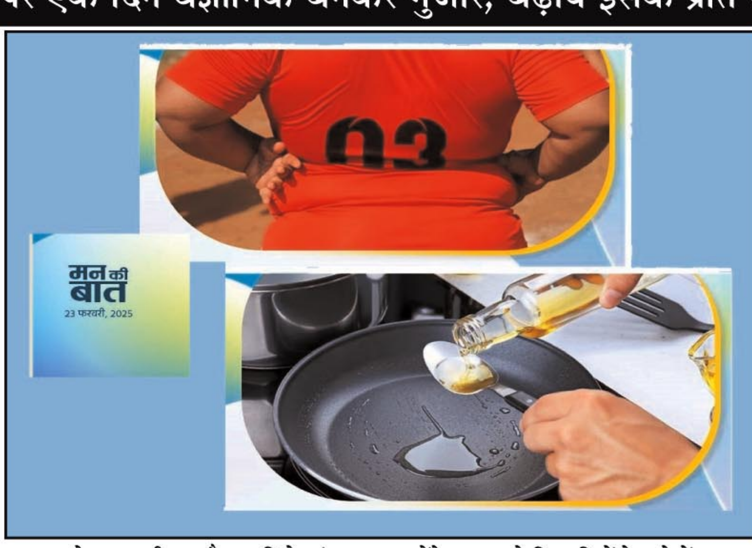

जुड़कर लोग वन्य जीवन और प्रकृति के संरक्षण को प्रेरित होते हैं। उन्होंने कहा कि एशियाई शेर, हंगुल, पिग्मी हॉग और शेर-पूंछ वाला मकाक सारी दुनिया में कहीं और नहीं पाए जाते, यह सिर्फ हमारे देश में ही पाए जाते हैं। हमारे यहां वनस्पति और जीव-जंतुओं का एक बहुत ही जीवंत इको-सिस्टम है और ये हमारे यहां के जीव-जंतु, हमारे इतिहास और संस्कृति में रचे-बसे हैं। हर बार की तरह इस बार भी प्रधानमंत्री ने खेलों को प्रोत्साहित करते हुए ह्यमन की बातह्ण में इस क्षेत्र में भारत के बढ़ते कद का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक खेल पावर हाउस बनने जा रहा है और इसमें हमारे खिलाड़ियों और खेलो इंडिया जैसे अभियान की बड़ी भूमिका है। इस संबंध में उन्होंने नए उभरते खिलाड़ियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इस बार के राष्ट्रीय खेलों में किशोर चैंपियन की संख्या हैरान करने वाली है। उन्हें खुशी है कि भारत का युवा एथलीट समर्पण और अनुशासन के साथ भारत को वैश्विक स्पोर्टिंग पावर हाउस बनाने में तेजी से बढ़ रहा है। हर बार की तरह इस बार भी ह्यनारी शक्तिह्ण को सम्मान देते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि आने वाले महिला दिवस पर वह अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स (एक्स, इंस्टा, फेसबुक एवं अन्य) को देश की कुछ प्रेरणादायक काम करने वाली कुछ महिलाओं को एक दिन के लिए सौंपेंगे। 8 मार्च को ये महिलाएं अपने कार्य और अनुभव को देशवासियों के साथ साझा करेंगी। उन्होंने कहा कि यह मंच भले ही उनका होगा लेकिन इसमें बात उनके अनुभव, चुनौतियों और उपलब्धियों की होगी। डिजिटल क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने मन की बात में कहा कि भारत अब कृत्रिम मेधा में भी अपना एक स्थान बना रहा है। उन्होंने तेलंगाना के आदिलाबाद के सरकारी स्कूल के टीचर थोडासम कैलाश के जनजातीय भाषाओं को बचाने की दिशा में एआई के माध्यम से किए गए महत्वपूर्ण कार्य की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एआई के माध्यम से उन्होंने कोलामी भाषा में गाना कंपोज कर कमाल कर दिया है। वह एआई का उपयोग कोलामी के अलावा भी कई भाषाओं में गीत तैयार करने के लिए कर रहे हैं। मन की बात कार्यक्रम में उन्होंने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर लोगों से एक दिन वैजानिक की तरह बिताने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोग एक दिन एक वैज्ञानिक के रूप में बिता कर देखें। इसके लिए किसी भी दिन को चुना जा सकता है। उस दिन वह किसी शोध लैब, प्लैनेटेरियम या फिर स्पेस सेंटर में जा सकते हैं। इससे विज्ञान को लेकर उनकी जिज्ञासा और बढ़ेगी। उन्होंने पिछले महीने इसरो के 100वें रॉकेट की लॉन्चिंग का भी कार्यक्रम में उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इसरो की सफलताओं का दायरा लगातार बढ़ रहा है। बीते 10 वर्षों में करीब 407 सैटेलाइट लॉन्च की गई है। इसमें से बहुत से सैटेलाइट अन्य देशों के हैं। आज अंतरिक्ष क्षेत्र युवाओं के लिए पसंदीदा बन गया है। कुछ साल पहले तक किसी ने सोचा भी नहीं था कि स्टार्टअप और निजी क्षेत्र की अंतरिक्ष से जुड़ी कंपनियां की संख्या सैकड़ों में हो जाएगी।

नारायणा विहार में भाजपा अध्यक्ष और दिल्ली की मुख्यमंत्री ने सुनी प्रधानमंत्री की मन की बात

अजय त्यागी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को नारायणा विहार सनातन धर्म मंदिर के एक पार्क में आयोजित सभा में सुना। मन की बात कार्यक्रम को सुनने के लिए यहां दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज और पार्टी कार्यकताओं के साथ स्थानीय लोग शामिल हुए।

इस बार के मन की बात एपीसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आधुनिक जीवन शैली से बढ़ती जा रही स्वास्थ्य समस्या के तौर पर मोटापे का विषय उठाया। उन्होंने इस संबंध में आमजन से अपने भोजन में खाद्य तेल के उपयोग में 10 प्रतिशत की कमी लाने की अपील की। उन्होंने इस संबंध में सोशल मीडिया पर जागरूकता पैदा करने के माध्यम के तौर पर 10 लोगों को खाद्य तेल में कटौती से जुड़ी चुनौती देने की बात भी कही। यह मन की बात कार्यक्रम का 119वें एपिसोड था। सोमवार से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र से पहले आज भारतीय जनता पार्टी के विधायक दल की बैठक भी होगी। इस बार भाजपा 48 सीटों के बहुमत के साथ सत्ता पर काबिज हुई है।

सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी चार दिवसीय फ्रांस यात्रा पर रवाना

-फ्रांस के वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व के साथ कई बैठकों में सैन्य संबंधों पर चर्चा करेंगे

नई दिल्ली, (हि.स.)। थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी भारत-फ्रांस रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने के मकसद से रविवार को फ्रांस की यात्रा पर रवाना हो गए हैं। चार दिवसीय दौरे पर जनरल द्विवेदी फ्रांस के वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व के साथ कई बैठकें करेंगे, जिनका उद्देश्य दोनों देशों के बीच मजबूत सैन्य संबंधों को बढ़ावा देना होगा। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की फ्रांस यात्रा के बाद सेनाध्यक्ष की यह यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि राष्ट्रपति मैक्रों के साथ मुलाकात में उन्होंने द्विपक्षीय सहयोग और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी के लिए फ्रांस के साझा दृष्टिकोण को सराहा था। सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी यात्रा के पहले दिन 24 फरवरी को पेरिस के लेस इनवैलिड्स में फ्रांस के वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व के साथ बातचीत करेंगे। दिन की शुरूआत गार्ड ऑफ ऑनर से होगी, जिसके बाद फ्रांसीसी सेना प्रमुख जनरल पियरे शिलके साथ चर्चा होगी। बैठक का उद्देश्य दोनों देशों के बीच मजबूत सैन्य संबंधों को

बढ़ावा देना होगा। यात्रा कार्यक्रम में पेरिस में प्रतिष्ठित सैन्य स्कूल और संस्थान परिसर इकोले मिलिटेयर का दौरा भी शामिल है, जहां सीओएएस को फ्यूचर कॉम्बैट कमांड के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके अतिरिक्त जनरल द्विवेदी को फ्रांसीसी सेना के तकनीकी अनुभाग में जानकारी दी जाएगी और वे वर्सेल्स में बैटल लैब टेरे का दौरा करेंगे। जनरल द्विवेदी 25 फरवरी कोमार्सिले जाएंगे, जहां वे फ्रांसीसी सेना की तीसरी डिवीजन का दौरा करेंगे और उन्हें तीसरी डिवीजन के मिशन और भूमिका, द्विपक्षीय अभ्यास शक्ति, भारत-फ्रांस प्रशिक्षण सहयोग और फ्रांसीसी सेना आधुनिकीकरण कार्यक्रम (स्कॉर्पियन) के बारे में जानकारी दी जाएगी। अगले दिन जनरल द्विवेदी कार्पियाग्ने का दौरा करेंगे और लाइव फायरिंग अभ्यास के साथ स्कॉर्पियन डिवीजन के गतिशील प्रदर्शन को देखेंगे। सीओएएस 27 फरवरी कोप्रथम विश्व युद्ध में भाग लेने वाले शहीद भारतीय सैनिकों के सम्मान में पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए न्यूवेचैपल भारतीय युद्ध स्मारक का दौरा करेंगे। बाद में वे फ्रांसीसी संयुक्त स्टाफ कॉलेज इकोले डे गुएरे में एक व्याख्यान देंगे, जिसमें आधुनिक युद्ध की उभरती प्रकृति और भारत की रणनीतिक दृष्टि पर प्रकाश डाला जाएगा। जनरल द्विवेदी की यात्रा का उद्देश्य भारत और फ्रांस के बीच सैन्य सहयोग को मजबूत करना, सहयोग के नए रास्ते तलाशना और दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाना है।

हिमाचल प्रदेश में भूकंप के झटके, मंडी में कांपी धरती

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर भूकंप के झटके लगे हैं। रविवार सुबह मंडी जिले में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए जिससे कुछ देर के लिए लोगों में भय का माहौल बन गया। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.7 मापी गई और इसका केंद्र मंडी जिले में 31.48 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 76.95 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। भूकंप के झटके सुबह 8 बजकर 42 मिनट पर आए और कुछ सेकंड तक महसूस किए गए। इसका केंद्र मंडी में जमीन की सतह से 7 किलोमीटर नीचे रहा। हालांकि इसकी तीव्रता कम होने के कारण जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। मंडी जिला से सटे इलाकों में भी झटके महसूस

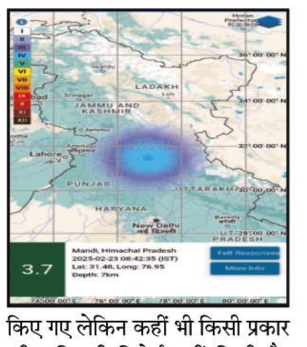

किए गए लेकिन कहीं भी किसी प्रकार की क्षति की रिपोर्ट नहीं मिली है। हिमाचल के पहाड़ी जिलों में लगातार भूकंप के हल्के झटके महसूस किए जा रहे हैं। इससे पहले इसी माह 2 फरवरी को मंडी से सटे कुल्लू जिला में 3.4 की तीव्रता का भूकम्प आया रहा। इसके अलावा शिमला, चम्बा, लाहौल-स्पीति और किन्नौर जिलों में भी कई बार हल्के भूकंप आ चुके हैं। हालांकि इन घटनाओं में किसी तरह का जानी नुकसान नहीं हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार हिमाचल प्रदेश भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र में आता है और यह जोन 4 व 5 के अंतर्गत आता है। यही कारण है कि यहां समय-समय पर भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं।

इतिहास में दर्ज है विनाशकारी भूकंप - हिमाचल प्रदेश में भूकंप का खतरा हमेशा बना रहता है। वर्ष 1905 में कांगड़ा और चंबा जिलों में आए विनाशकारी भूकंप ने भारी तबाही मचाई थी, जिसमें करीब 10 हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद से अब तक कई छोटे-बड़े भूकंप यहां आ चुके हैं, लेकिन कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

निकोल में कंस्ट्रक्शन साइट पर मिट्टी धंसी, एक की मौत

अहमदाबाद, (हि.स.)। अहमदाबाद के निकोल क्षेत्र में स्थित मनमोहन पार्क के पास कंस्ट्रक्शन साइट पर र-विवार सुबह मिट्टी धसने से दो श्रमिक दब गए। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम 3 दमकल गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंच गई। रेस्क्यू ऑपरेशन कर श्रमिकों को बाहर निकालते हुए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां एक श्रमिक को मृत घोषित कर दिया। वहीं दूसरे का इलाज जारी है। अहमदाबाद फायर ब्रिगेड के कंट्रोल रूम में आज एक मैसेज आया कि निकोल-विराटनगर रोड पर मनमोहन पार्क चौराहे के पास नई कंस्ट्रक्शन साइट पर खुदाई के दौरान काम कर रहे श्रमिकों पर मिट्टी का ढेर आ गिरा है। मिट्टी के ढेर के नीचे दो श्रमिक दबे हैं। जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की 3 गाड़ियां रेस्क्यू टीम के साथ मौके पर पहुंची। फायर विभाग ने एक श्रमिक को होश में बाहर निकाला और उसे तत्काल निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं दूसरे व्यक्ति को मिट्टी के ढेर से

कुछ समय के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद निकाला जा सका। उसे बेहोशी की हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। निकोल फायर स्टेशन के ऑफिसर विष्णुभाई देसाई के अनुसार मनमोहन पार्क चौराहे पर किंगस्टोन के पास निमार्णाधीन नई बिल्डिंग की कंस्ट्रक्शन साइट पर मिट्टी का ढेर गिरने से दो श्रमिक दब गए थे। घटनास्थल पर एक व्यक्ति के सिर के बाल दिखाई दिए, जिसके चलते उसे शीघ्र ही बाहर निकाल लिया गया। दूसरे व्यक्ति को 10 से 15 मिनट के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद निकाला जा सका। जिसकी हालत गंभीर थी। उसे तत्काल 108 एम्बुलेंस की सहायता से अस्पताल ले जाया गया। घटना की पुलिस को भी जानकारी दे दी गई है।

किसान मोर्चा व केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल की छठी बैठक भी रहीं बेनतीजा

-केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा- बैठक अच्छे माहौल में हुई

चंडीगढ़,(ईएमएस)। न्यूनतम समर्थन मूल्य और अन्य मांगों को लेकर शंभू और खनौरी बॉर्डर पर जारी किसानों के आंदोलन के बीच रविवार को संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) गैर राजनीतिक की केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल के साथ चंडीगढ़ में छठी बैठक भी बेनतीजा रही। ढाई घंटे चली इस बैठक में कोई हल नहीं निकल सका। अब अगली बैठक 19 मार्च को होना तय हुआ है। बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और पीयूष गोयल मौजूद थे। पंजाब सरकार की ओर से वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा, कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां और फूड प्रोसेसिंग मंत्री लालचंद कतरूचक भी शामिल थे। किसान नेताओं के 28 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में सरवन सिंह पंधेर, अभिमन्यु कोहाड़, काका सिंह कोटडा, सुखजीत सिंह, अरुण सिन्हा, लखविंदर सिंह, जसविंदर लोंगोवाल, एमएस राय, नंद कुमार, बलवंत सिंह बेहरामके और इंद्रजीत सिंह कोटबुढ़ा मौजूद रहे। किसान 23 फसलों पर एमएसपी देने की बात पर अड़े हुए हैं जबकि मोदी सरकार दो-तीन और फसलों पर एमएसपी देने

की बात कह रही है। सरकार अभी 18 फसलों पर एमएसपी दे रही है। बैठक के बाद केंद्रीय कृषि मंत्री शि-ावराज सिंह चौहान ने कहा कि बैठक अच्छे माहौल में हुई। कुछ आंकड़े मांगे गए हैं। किसानों के पास अपने आंकड़े हैं और केंद्र सरकार के पास अपने। दोनों आंकड़ों को मिलाया जाएगा। केंद्रीय मंत्रियों ने किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल से अनशन खत्म करने की अपील की। डल्लेवाल ने कहा कि जब तक सभी फसलों पर एमएसपी की गारंटी नहीं मिल जाती तब तक उनका अनशन जारी रहेगा। शिवराज सिंह चौहान बैठक में आते ही डल्लेवाल के पास पहुंचे। उन्होंने डल्लेवाल से उनकी सेहत के बारे में पूछा। इसके बाद वह दूसरे किसान नेताओं से मिले। मोदी सरकार के साथ होने वाली बैठक को लेकर खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन पर बैठे डल्लेवाल को चंडीगढ़ के सेक्टर-26 पहुंचाया गया है। उन्हें एंबुलेंस के जरिए सरकार के साथ बैठक के लिए लाया गया था। उधर बैठक से पहले किसान नेता सरवन पंधेर ने कहा था कि उनका 25 फरवरी को दिल्ली कूच का कार्यक्रम है। बैठक में पॉजिटिव रिस्पॉन्स नहीं मिला तो 25 फरवरी को 101 किसानों का जत्था वरिष्ठ किसान नेताओं की अगुवाई में दिल्ली कूच करेगा। इससे पहले चंडीगढ़ में 14 फरवरी को हुई केंद्र और किसानों की बैठक बेनतीजा रही। साढ़े 3 घंटे चली बैठक में कोई हल नहीं निकला।

टनल हादसे पर राहुल गांधी ने की सीएम रेड्डी से बात

नई दिल्ली,(ईएमएस)। तेलंगाना में टनल का हिस्सा धंसने के बाद 8 मजदूरों को बचाने की जद्दोजहद जारी है। सेना के साथ-साथ एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें ऑपरेशन में जुटी हुई हैं। ऐसे में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सीएम रेड्डी से बात कर सभी को सकुशल बाहर निकालने को कहा है। इस हादसे को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता और सीनियर कांग्रेस लीडर राहुल गांधी ने रविवार को तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी से फोन पर बात की। बातचीत में सीएम रेड्डी ने राहुल गांधी को रेस्क्यू ऑपरेशन के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान राहुल गांधी ने फंसे हुए श्रमिकों को बचाने के लिए सभी जरूरी प्रयास करने के लिए कहा है। जानकारी के मुताबिक तेलंगाना के नागरकुरनूल जिले में एसएलबीसी सुरंग में शनिवार सुबह 200 मीटर लंबी टनल बोरिंग मशीन के साथ पहली शिफ्ट में 50 से ज्यादा लोग सुरंग के अंदर गए थे। वह टनल के अंदर 13.5 किलोमीटर तक गए।

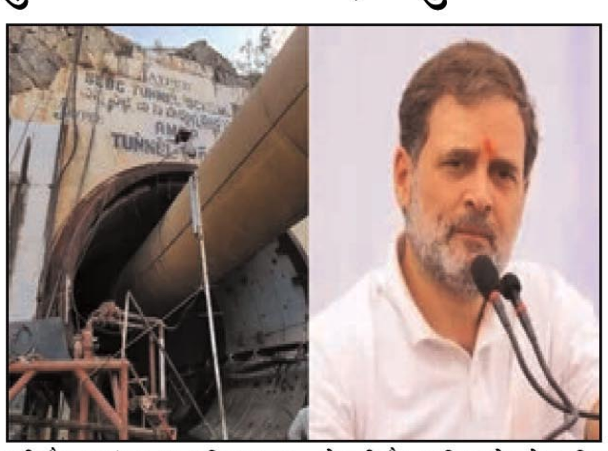

इसी दौरान सुरंग का एक हिस्सा ढह गया। मशीन के आगे चल रहे 2 इंजीनियर सहित 8 लोग वहीं फंस गए। जबकि 42 कर्मचारी सुरंग के बाहरी गेट की ओर भागे और बाहर निकल आए। बताया जा रहा है कि अचानक पानी के साथ मिट्टी बहकर आने लगी और सुरंग का ऊपरी हिस्सा बैठ गया। बचाव टीमों को 14 किलोमीटर अंदर मलबा जमा होने की वजह से रास्ता साफ करने में कठिनाई हो रही है। इसलिए ड्रोन के जरिए हालात का जायजा लिया जा रहा है। मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी के मुताबिक यह दुनिया की सबसे लंबी सुरंग (44 किमी) होने वाली है, जिससे श्रीशैलम प्रोजेक्ट का पानी नलगोंडा जिले की 4 लाख एकड़ कृषि भूमि तक पहुंचाया जाएगा। अभी 9.5 किमी सुरंग का काम बाकी है। बता दें कि टनल हादसे में फंसे मजदूर इस प्रोजेक्टर पर ही कम कर रहे थे।

एक्सपायरी बियर बेचने पर हंगामा, आबकारी अधिकारी ने आरोप को ठहराया गलत

लखनऊ, (हि.स.)। लखनऊ में मे-डिकल कॉलेज रोड स्थित बियर शॉप पर दुकानदार ने एक्सपायरी बियर बेची तो वहां खरीदारों ने जमकर हंगामा किया। एक्सपायरी बियर की सूचना पर जिला आबका-री की टीम ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद लखनऊ के जिला आबकारी अधिकारी करूणेन्द्र सिंह ने आरोप को गलत ठहराया है। जिला आबकारी अधिकारी ने करूणेन्द्र सिंह ने रविवार को घटना के सम्बंध में कहा कि आबकारी निरीक्षक सेक्टर-8 द्वारा विवाद वाली जगह बीयर की दुकान पर आकस्मिक जांच की है। तलाशी में दुकान पर उपलब्ध स्टॉक में कोई भी एक्सपा-इरी बीयर नहीं पाई गई। वहां से मिली शिकायत पूरी तरह से निराधार निकली। वहीं बीयर खरीदने वाले ग्राहकों ने कहा कि शिप्स बर्न कालेज के बगल में बियर शॉप पर एक्सपायरी बियर खरीदने के बाद उन्होंने वीडियो बनायी है। वीडियो में स्पष्ट दिखता है कि किस तरह पुरानी बियर बेचकर दुकानदार डबल मुनाफा कमा रहा है। आबकारी विभाग को दुकानदार के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए, लेकिन विभागीय निरीक्षक तो दुकानदार को बचाने में जुटे हैं।

चंडीगढ़-शिमला मार्ग पर हादसा, चार की मौत

शिमला से लौट रहे थे कार सवार चारों दोस्त

चंडीगढ़, (हि.स.)। चंडीगढ़-शिमला मार्ग पर पंचकूला के पास रविवार की सुबह एक भीषण सड़क हादसे में चार दोस्तों की मौत हो गई। मृतकों में दो पंचकूला के नाबालिग हैं। जबकि एक हिसार और एक मोहाली का रहने वाला है। पंचकूला पुलिस ने बताया कि दो कारों में 7 दोस्त रविवार सुबह परवाणु से पंचकूला की तरफ आ रहे थे। आगे वरना कार चल रही थी, जिसमें 4 दोस्त सवार थे। इनके पीछे वाली दूसरी गाड़ी में 3 दोस्त सवार थे। जैसे ही वे चंडीगढ़-शिमला हाईवे पर पहुंचे तभी सोलन-शिमला बाईपास पर आगे चल रही वरना कार का बायां टायर अचानक फट गया, जिससे ब्रेक फेल हो गए और कार बेकाबू होकर पहले हाईवे किनारे लगे एंगल से टकराई। इसके बाद सड़क किनारे खड़े ट्रक के पीछे जा घुसी। हादसे में कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहूंचे। हादसे के

चलते दो लोग सड़क पर आ गिरे, तीसरा छत से उछला, चौथा युवक कार के भीतर ही फंस गया। जब तक आसपास के लोग व पुलिस मौके पर पहुंची तब तक चारों की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने कार में फंसे युवक के शव को काफी प्रयास के बाद बाहर निकाला और चारों शवों को पोस्टमॉ-र्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान पंचकूला का वैभव यादव (16) और अध्यान बंसल (17), हिसार का रहने वाले चिराग मलिक और मोहाली का अदीप अंसारी हैं। पिंजौर पुलिस थाने के जांच अधिकारी याद-विंदर सिंह ने कहा कि हादसे की जांच की जा रही है। इस मामले में जिसकी भी लापरवाही की होगी, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सभी के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। शवों का पोस्टमार्टम करवाने के परिजनों को सौंप दिया जाएंगे।

दिल्ली मेट्रो ने हैदरपुर बादली मोड़ के पास अपने नेटवर्क पर अब तक के सबसे ऊंचे प्वाइंट का निर्माण किया

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने हैदरपुर बादली मोड़ मेट्रो स्टेशन के पास दिल्ली मेट्रो नेटवर्क पर अब तक के सबसे ऊंचे प्वाइंट का निर्माण कार्य पूरा कर लिया है। डीएमआरसी के अनुसार मेट्रो फेज-क्ष मैजेंटा लाइन एक्सटेंशन (जनकपुरी पश्चिम - आर.के. आश्रम मार्ग) कॉरिडोर में इंजीनियरिंग क्षेत्र की एक नई उपलब्धि हासिल की है। आउटर रिंग रोड के पास 490 मी. लंबा सेक्शन येलो लाइन (समयपुर बादली - मिलेनियम सिटी सेंटर गुरुग्राम) के हैदरपुर बादली मोड़ मेट्रो स्टेशन के खंबा नंबर 340 पर 28.362 मी. की प्रभावशाली रेल लेवल ऊंचाई को पार करते हुए अब डीएमआरसी नेटवर्क का सबसे ऊंचा प्वाइंट बन गया है।

डीएमआरसी द्वारा मिली जानकारी के अनुसार इस योजना की पिंक लाइन के धौला कुआं पर बने 23.6 मी. ऊंचाई के पिछले रिका-र्ड को पीछे छोड़ दिया है। प्रमुख निर्माण कार्यों, जैसे स्ट्रक्चर को मजबूती से स्थापित करना, खंबों की ढलाई और पूर्व- निर्मित कॉम्पोनेंट को

स्थापित करने के लिए सावधानी पूर्वक योजना बनाने की आवश्यकता थी। इस परियोजना के एक महत्वपूर्ण कार्य के रूप में मौजूदा परिचालित येलो लाइन के ऊपर स्टील स्पैन का निर्माण किया जाना था। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और निर्माण कार्यों में व्यवधान न पड़े, इसके लिए इंजीनियरों ने चरणबद्ध तरीके से कार्य को पूरा किया। खंबों का निर्माण तीन चरणों में किया गया, जिसमें श्रमिकों की सुरक्षा और कार्य में स्थिरता बनाए रखने के लिए सुरक्षा उपाय किए गए थे। चूंकि स्थान सीमित था, इसलिए पारंप-रक जमीनी सपोर्ट के बजाय मैकॉले बार्स का उपयोग करके एक वैकल्पिक सपोर्ट सिस्टम तैयार किया गया था। फेज-क्ष में मैजेंटा लाइन एक्सटेंशन का दूसरा सबसे ऊंचा एलिवेटेड स्ट्रेच भी पूरा हुआ। डीएमआरसी ने हैदरपुर बादली मोड़ मेट्रो स्टेशन के पास रेलवे क्रॉसिंग पर 52.288 मी. लंबे स्टील स्पैन का चुनौतीपूर्ण निर्माण कार्य भी पूरा किया, जो 27.610 मी. की प्रभावशाली ऊंचाई पर है। दिल्ली मेट्रो में इस दूसरे सबसे ऊंचे स्थान पर मेट्रो वायडक्ट और चालू रेलवे ट्रैक के बीच स्थान की कमी के कारण भी सटीक रूप से कार्य करने की आवश्यकता थी। ओवरहेड इलेक्ट्रिकल वायर से बहुत कम दूरी बनाए रखकर, दो भारी-भरकम क्रेनों के उपयोग से वायाडक्ट का इंस्टालेशन किया गया, सटीकता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक क्रेन द्वारा 142-मीट्रिक-टन सेगमेंट के स्टील गर्डर उठाए गए। मौजूदा मेट्रो और रेल सेवाओं में न्यूनतम व्यवधान हो, इसलिए रात्रि के समय संचालन अवधि के बाद के समय में निर्माण की योजना बनाई गई थी। इससे यात्री सेवाएं नियमित रूप से जारी रख पाना संभव हो सका। एक बार लाइन चालू होने के बाद मेट्रो फेज-क्ष की मैजेंटा लाइन एक्सटेंशन से कनेक्टिविटी में काफी सुधार होगा और यात्रियों के लिए यात्रा का समय भी कम होगा।

देश बदल रहा है, युवा राष्ट्रवादी सोच अपनाएं 2047 तक विकसित होगा भारत : देवनानी

जयपुर (हिंस)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक भारत एक विकसित राष्ट्र बनने जा रहा है। देश बदल रहा है। युवाओं को राष्ट्रवादी सोच को अपनाकर आगे बढ़ना होगा। देश में गुलामी के प्रतीक चिन्हों के लिए कोई हमदर्दी या जगह नहीं होनी चाहिए। इसी सोच के साथ काम किया जा रहा है। प्रदेश में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में काम हो रहा है। राजस्थान तेजी से तरक्की की सीढ़ियां चढ़ रहा है। महर्षि दयानंद सरस्वती जैसे राष्ट्र संत और स्वतंत्रता सेनानी के नाम पर भवन का नामकरण होना अपने आप में एक महत्वपूर्ण निर्णय है। यह पूरे समाज के लिए गौरव की बात है। अजमेर में 113 साल पुराने किंग एडवर्ड मेमोरियल गेस्ट हाउस का नाम बदल कर रविवार को महर्षि दयानंद विश्रांति गृह कर दिया गया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के नेतृत्व में आयोजित भव्य समारोह में नाम बदलने की औपचारिक प्रक्रिया सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में जिला कलक्टर लोक बंधु सहित सहकारिता, किसान संघ एवं आर्य समाज से जुड़े प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए देवनानी ने कहा कि आजादी के इतने सालों के बाद भी अजमेर में गुलामी के प्रतीक नामों का होना पीड़ादायक था। अजमेर के आम लोगों को इस बात की पीड़ा थी की अजमेर अब भी गुलामी के प्रतीक नामों को ढो रहा है। अब इन नामों को बदलने की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने जा रहा है। पूरी दुनियां में आज भारत का डंका बज रहा है। हम एक सशक्त राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ रहे है। अजमेर में केईएम का नाम बदलकर महर्षि दयानंद विश्रांति गृह किया गया है। इसी तरह फॉयसागर का नाम बदलकर वरूण सागर और होटल खादिम का नाम बदलकर होटल अजयमेरू किया गया है। नामों का बदलाव हमें हमारी सनातन और विपुल संस्कृति की और आगे बढ़ाएगा। यह आवश्यक है कि हम हमारी संस्कृति और राष्ट्र नायकों को अच्छे से जानें। देवनानी ने कहा कि युवाओं को तेजी से आगे बढ़ कर सशक्त भारत में अपनी भूमिका मजबूती से निभानी होगी। उन्हें राष्ट्रवादी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा। देश तेजी से बदल रहा है। हमें भी इस बदलाव को अपनाकर भारत की प्रगति में अपना योगदान देना होगा। भारत विश्व गुरू था, है और रहेगा। विश्व के पास ज्ञान- विज्ञान में जो भी महत्वपूर्ण उपलब्धियां है, वे भारत की देन है। वेद ज्ञान के भण्डार हैं और पूरे विश्व को यह भारत की अनूठी देन है। उन्होंने कहा कि नेशन फर्स्ट की भावना के साथ सभी को काम करना होगा। देवनानी ने गेस्ट हाउस का नाम परिवर्तन किया। कार्यक्रम में परोपकारिणी सभा के ओम मुनि, ओमानंद सरस्वती, सीसीबी के मदनगोपाल चौधरी सहित अन्य वक्ताओं ने विचार व्यक्त किए।

केएमपी पर पलटा महाकुंभ जा रहे श्रद्धालुओं का टैंपो, त्रिपुरा व असम के 14 श्रद्धालु घायल

पलवल (हिंस)। पलवल में केएमपी एक्सप्रेस-वे पर महाकुंभ स्नान के लिए जा रहे श्रद्धालुओं से भरा टेंपो ट्रैवलर डिवाइडर से टकराकर पलटने से उसमें सवार 14 श्रद्धालु घायल हो गए। घटना की जानकारी देते हुए त्रिपुरा के पानी सागर निवासी विद्युत दास ने बताया कि वह बहादुरगढ़ में काम करता है। त्रिपुरा और असम से उनके परिचित कुंभ स्नान के लिए आए थे। उन्होंने बहादुरगढ़ की जून ट्रैवलिंग कंपनी से टेंपो ट्रैवलर बुक किया था। शनिवार देर रात को यात्रा शुरू हुई। केएमपी एक्सप्रेस-वे पर पहुंचते ही उनका वाहन डिवाइडर से टकराकर पलट गया। राहगीरों की मदद से घायलों को एंबुलेंस से जिला नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों में 6 लोगों की स्थिति गंभीर है। हादसे में त्रिपुरा के पानी सागर के तपन कुमार दास, खेलारानी दास, लिटन देव, काजल दास, शोर्शका, निरंजन, विजन कुमार दास, राजोन दास, शेखर दास, ज्योतिरमोहन, विश्वजीत और असम के करीमगंज के तपन दास सहित 14 यात्री घायल हुए हैं। मिंडकोला पुलिस चौकी प्रभारी के अनुसार हादसे के बाद चालक फरार है। पुलिस ने गाड़ी को कब्जे में लेकर अगली कार्रवाई शुरू कर दी है।

ट्रिपल इंजन की सरकार से फरीदाबाद के विकास को मिलेगी गति : नायब सिंह सैनी

फरीदाबाद (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने फरीदाबाद में रविवार को चार रोड शो निकालते हुए जनता से निकाय चुनावों में भाजपा प्रत्याशियों को जीताने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ट्रिपल इंजन की सरकार से जिले के विकास को गति मिलेगी और सभी वार्डो का समान रुप से विकास किया जाएगा। रोड शो के दौरान हुए लोगों द्वारा फूल बरसाकर किए गए स्वागत और सम्मान के लिए मुख्यमंत्री ने सभी लोगों का आभार जताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2 मार्च को प्रदेश की जनता-जनार्दन भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार बनाकर रिकॉर्ड मतों से खुशहाली और समृद्धि का कमल खिलाने जा रही है। उन्होंने कहा कि लोगों से मिल रहा प्यार और आशीर्वाद ने स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा की एकतरफा जीत होगी और नॉन स्टॉप विकास के लिए हरियाणा में ट्रिपल इंजन की सरकार बनेगी। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त होते हुए कहा कि जो अपार भीड़ रोड शो में उमड़ रही है वो 2 मार्च को वोट के रूप में तब्दील होगी और भाजपा मेयर प्रत्याशी प्रवीण जोशी ट्रिपल इंजन की सरकार में सबसे ज्यादा वोटों से जीतकर मेयर बनेगी और सभी वार्डों में कमल खिलेगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश की नॉन स्टॉप सरकार और क्षेत्र की ट्रिपल इंजन की सरकार प्रदेश के विकास को नई ऊंचाईयों पर पहुंचाने का काम करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निकाय चुनाव प्रदेश को और अधिक मजबूत बनाने का चुनाव है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि आप लोग एकजुट होकर कमल खिलाएं,आपके क्षेत्र का विकास और तरक्की की जिम्मेदारी मेरी होगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बल्लभगढ़ विधानसभा से रोड शो का शुभारंभ किया, इसके बाद एनआईटी, बडखल व तिगांव में रोड शो निकाला और मेयर उम्मीदवार प्रवीण बत्रा जोशी सहित भाजपा प्रत्याशियों को जिताने की अपील की। इस मौके पर उनके साथ मुख्य रुप से मेयर प्रत्याशी प्रवीण बत्रा जोशी, पूर्व कैबिनेट मंत्री मूलचन्द शर्मा, जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा, जिला प्रभारी नरेंद्र वत्स, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सोहनपाल सिंह, राष्ट्रीय परिषद सदस्य संदीप जोशी, पूर्व जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, पूर्व जिला महामंत्री मूलचंद मित्तल, वरिष्ठ भाजपा नेता टीपरचंद शर्मा, सुरेन्द्र जांगड़ा, सुखबीर मलेरना, विनोद गुप्ता, राज मदान उपस्थित रहे।

अब भी मेरा फोन टैप हो रहा, अब तो यह बंद होना चाहिए : किरोड़ी

जयपुर/सांचौर (हिंस)। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने रविवार को एक बार फिर दोहराया कि अब भी उनके फोन टैप हो रहे हैं। उनकी जासूसी की जा रही है। उन्होंने कहा कि अब भी कह रहा हूं कि मेरा फोन टैप हो रहा है, उसे सुधारो। मेरे पीछे सीआईडी लगी हुई है। रविवार को सांचौर में माहेश्वरी धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में किरोड़ी ने कहा कि मेरे को नोटिस मिला। मैंने कहा कि पहले राज के जो अधिकारी थे, जब मैं आंदोलन करता था तो मेरी सीआईडी करते थे। कहां जा रहा है, क्या कर रहा है, कौनसा आंदोलन करेगा। मेरा फोन टैप करते थे। किरोड़ी ने कहा कि मैंने यही कहा था कि मेरे फोन टैप किए जा रहे हैं। मेरे पीछे सीआईडी लगाई जा रही है। पिछले राज के अधिकारी ज्यों के त्यों बैठे हैं। जो पहले मेरे फोन टैप करते थे, मेरा पीछा करते थे। पुलिस आ जाती थी, कभी सीआईडी आ जाती थी। मैंने कभी उसकी परवाह नहीं की, लेकिन अब तो वह बंद होना चाहिए। किरोड़ी ने कहा कि मेरे से गलती हुई। मुझे पार्टी के उचित मंच पर बात करनी चाहिए थी, लेकिन कई बार मामला ऐसा उलझ जाता है, तो मैंने कहा था और मैं सही हूं। अब भी कह रहा हूं कि मेरा फोन टैप बराबर हो रहा है, उसे सुधारो। मेरे पीछे सीआईडी लगी हुई है। किरोड़ी ने कहा कि पिछले राज में घोटाले हुए। जल जीवन मिशन का बहुत बड़ा घोटाला हुआ। बीस हजार करोड़ के काम तो अपने चहेते को बिना टेंडर के दिए। 900 करोड़ के काम तो ऐसी फर्म को दे दिए, जो कोई योग्यता नहीं रखती थी। मैंने मामला उठाया तो कुछ इंजीनियर सस्पेंड हुए। कुछ अफसर गिरफ्तार हुए। एक ठेकेदार भी गिरफ्तार हो गया। लेकिन उस समय सरकार का मंत्री महेश जोशी बच गया। जिस ठेकेदार ने 900 करोड़ का घोटाला किया। उसे सुप्रीम कोर्ट ने इसलिए छोड़ दिया कि जब आपने मंत्री को छोड़ दिया तो ठेकेदार पदम जैन को भी हम छोड़ रहे हैं। बस मेरी यही लड़ाई है। किरोड़ी ने कहा कि बीसलपुर में बजरी निकलती है। मैंने कहा कि सात-आठ करोड़ की रोज बजरी निकलती है। इतनी चोरी सरकार के खजाने की हो रही है। सरकारी खजाने पर ठेकेदार डाका डाल रहे हैं। 20 साल का ठेका दिया है। 20 साल में ठेकेदार 20 लाख 70 हजार करोड़ कमा कर बीसलपुर से ले जाएगा।

ठेका दिया गाद निकालने का और बजरी निकाल रहा है। सात-आठ करोड़ की रोज बजरी निकले और गांव का गरीब आदमी मकान के लिए बजरी ले जाए तो उसे उठाकर पुलिस बंद कर देती है। यह भेदभाव ठीक नहीं है। विधानसभा में गुरुवार को ही सरकार की तरफ से दिए गए जवाब में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा था कि किरोड़ीलाल मीणा का फोन टैप नहीं हुआ। अब किरोड़ी ने सरकार के जवाब के चौथे ही दिन फिर फोन टैप होने का दावा कर जवाब पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सरकार ने गुरुवार को ही विधानसभा में किरोड़ी के फोन टैपिंग मुद्दे पर जवाब देते हुए कहा था कि किरोड़ी का फोन टैप नहीं किया। सात फरवरी से लेकर कई मंत्री और नेता फोन टैपिंग पर बयान दे चुके हैं। सबका स्टैंड एक जैसा है। किरोड़ी के ताजा बयान के बाद यह मामला फिर सियासी विवाद खड़ा कर सकता है। विधानसभा में किरोड़ी के फोन टैपिंग के आरोपों के बाद खूब विवाद हो चुका है। फोन टैपिंग के मुद्दे पर सरकार से सदन में जवाब की मांग को लेकर कांग्रेस ने मुख्यमंत्री के अभिभाषण पर बहस के जवाब के दौरान जमकर हंगामा किया था। मुख्यमंत्री को हंगामे के बीच ही जवाब देना पड़ा था। बजट से पहले स्पीकर ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर इस मुद्दे पर सरकार से जवाब देने पद सहमति बनवाई, इसके बाद बजट भाषण बिना हंगामे के हुआ। बाद में बजट भाषण के अगले दिन विधानसभा में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने पहली बार सदन में फोन टैपिंग विवाद पर जवाब देते हुए कहा था कि जिम्मेदारी से कह रहा हूं, किरोड़ीलाल मीणा का फोन टैप नहीं हुआ। अब कांग्रेस फिर इस मुद्दे को उठाएगी। कांग्रेस इंदिरा गांधी पर टिप्पणी को लेकर पहले से सदन में धरने पर है, अब उसे एक और मुद्दा मिल गया है।

पृष्ठ तीन का शेष

असम कैबिनेट ने 1.22...

प्रतिनिधिमंडलों के भी शामिल होने की उम्मीद है। यहां शिखर सम्मेलन में निवेश प्रस्तावों को अंतिम रूप दिए जाने के साथ-साथ, दो दिवसीय विशाल आयोजन के दौरान जिला आयुक्तों (डीसी) कार्यालयों में 50 करोड़ रुपए तक के निवेश के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। शर्मा ने कहा कि शिखर सम्मेलन के दौरान जिलों में 5 लाख रुपए से 50 करोड़ रुपए के बीच के निवेश प्रस्तावों वाले कुल 2,590 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाने की पुष्टि की गई है। उन्होंने कहा कि इन समझौता ज्ञापनों में कुल 15,911 करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव है।

राज्य में पीएम मोदी ...

शामिल हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर भारत की आदिवासी समुदायों की पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने पारंपरिक ज्ञान और पर्यावरण संरक्षण की सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से असम में एक सींग वाले गैंडे की सुरक्षा में मिली उल्लेखनीय सफलता का भी उल्लेख किया, जो कभी शिकार के कारण गंभीर खतरे में था। इस संस्करण में भाजपा कार्यकर्ताओं की अभूतपूर्व भागीदारी पार्टी के विचारधारा-सामंजस्य और संगठन की शक्ति को दर्शाती है। यह कार्यक्रम केवल प्रधानमंत्री और कार्यकर्ताओं के बीच मजबूत संबंधों को ही नहीं दर्शाता, बल्कि राष्ट्र निर्माण के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है।

पीएम मोदी ने राज्य ...

घुसपैठिए असम में बस जाएंगे तो उन्हें एक नए राजनीतिक समर्थन समूह के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। 1979 से 1985 के बीच जब असम के लोगों ने घुसपैठ के खिलाफ आवाज उठाई तो कांग्रेस ने उनका समर्थन करने की बजाय इस आंदोलन को कमजोर करने की कोशिश की। 1985 में असम आंदोलन के बाद असम समझौता किया गया, लेकिन कांग्रेस सरकार ने इसे लागू करने में कोई गंभीरता नहीं दिखाई। ...जब खतरे में पड़ गई थी असम की पहचान जब असम के मूल निवासियों को यह महसूस हुआ कि उनकी भूमि, संस्कृति और पहचान खतरे में है तो उन्होंने घुसपैठ के खिलाफ आंदोलन छेड़ दिया। 1979 से 1985 के बीच चले इस आंदोलन में 160 लोगों ने अपने प्राणों की आहुति दी। आंदोलन का मुख्य उद्देश्य असम को अवैध घुसपैठ से मुक्त कराना। बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें बाहर निकालना। राज्य की सांस्कृतिक पहचान को बचाना था, लेकिन कांग्रेस सरकार ने इस आंदोलन को दबाने का प्रयास किया। असम के लोगों की मांगों को लंबे समय तक अनसुना किया गया और असम समझौते को लागू करने में लगातार देरी की गई। कांग्रेस की नीति से नुकसान, मोदी सरकार की नीति से सुधार 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद स्थिति बदलनी शुरू हुई। केंद्र सरकार ने असम और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में घुसपैठ को रोकने के लिए कई ठोस कदम उठाए। सीमा सुरक्षा को मजबूत किया गया। कई संवेदनशील इलाकों में सीमा पर बाड़ लगाई गई और अत्याधुनिक उपकरणों से निगरानी बढ़ाई गई। एनआरसी (नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स) लागू किया गया। इससे यह तय किया गया कि केवल वास्तविक भारतीय नागरिक ही असम में रह सकें। सीएए (नागरिकता संशोधन कानून) लाया गया। इस कानून के तहत उन शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता दी गई जो धार्मिक प्रताड़ना के शिकार थे, लेकिन अवैध घुसपैठियों को बाहर करने की प्रक्रिया को तेज किया गया। असम का नया दौर, बढ़ रहे निवेश और रोजगार के अवसर कैबिनेट मंत्री अतुल बोरा ने बताया कि आज असम में पहले की तुलना में शांति का माहौल है। बांग्लादेशी घुसपैठ पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है और राज्य में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हुई है। जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों के निवेशक असम में आ रहे हैं जिससे रोजगार के नए अवसर खुल रहे हैं। पर्यटन में भी उछाल आया है।

मुख्यमंत्री ने 12वीं ...

स्थित आवास से गिरफ्तार कर लिया और दक्षिणी असम की बराक घाटी के श्रीभूमि ले जाया गया। इस मामले में श्रीभूमि के पथारकांदी स्थित सेंट्रल पब्लिक स्कूल के पांच शिक्षकों को भी गिरफ्तार किया गया है। हक इस स्कूल के मालिक हैं। सभी छह आरोपियों को स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पिछले एक साल में हक को असम के मुख्यमंत्री द्वारा *बाढ़ जिहाद* के आरोपों सहित कई घृणा अभियानों का सामना करना पड़ा है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि हक के विश्वविद्यालय ने नई संरचनाओं के निर्माण के लिए पहाड़ियों को समतल कर दिया, जिससे मेघालय का पानी गुवाहाटी में बह गया और बाढ़ आ गई, उन्होंने इसे बाढ़ जिहाद नाम दिया। हाल ही में, मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय पर फर्जी डिग्री जारी करने का भी आरोप लगाया था, जिसके बाद मेघालय सरकार को जवाबी बयान जारी करना पड़ा था। मेघालय के मुख्य सचिव डीपी वाहलांग ने कहा कि यूएसटीएम एक राज्य विश्वविद्यालय है, जिसे मेघालय विधानसभा द्वारा अधिकृत किया गया है। डिग्रियों को यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त है। इसलिए, इसके फर्जी होने का कोई सवाल ही नहीं है। विपक्षी दलों और राजनेताओं ने हक की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए इसे *राजनीतिक प्रतिशोध* बताया है। कांग्रेस नेता डॉ. मस्कूर उस्मानी ने एक्स पर लिखा कि यह गिरफ्तारी असम के मुख्यमंत्री द्वारा अपने निहित स्वार्थों से प्रेरित होकर महीनों से किए जा रहे लक्षित हमलों का परिणाम है। असम के मुख्यमंत्री इसे व्यक्तिगत और राजनीतिक प्रतिशोध क्यों बना रहे हैं? वे यूएसटीएम जैसे एक प्रमुख एनएएसी-ए ग्रेड संस्थान को कमजोर करने और उसे खत्म करने का प्रयास क्यों कर रहे हैं, जो मेघालय सरकार के अधिकार क्षेत्र में संचालित होता है और यूजीसी के शैक्षणिक नियमों द्वारा शासित होता है। इस बीच, असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने आरोप लगाया कि कक्षा 12 की सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में अनुचित लाभ हासिल करने के लिए कई छात्रों को रणनीतिक रूप से सेंट्रल पब्लिक स्कूल में रखा गया था।

झुमुर नृत्य प्रामाणिक ...

के राज्य मंत्री दुर्गादास उइके ने कहा था कि भारत सरकार ने अनुसूचित जाति (एससी) और एसटी सूचियों को निर्दिष्ट करने वाले आदेशों में शामिल करने, बहिष्कृत करने और अन्य संशोधनों के दावों पर निर्णय लेने के लिए तौर-तरीके निर्धारित किए हैं। हालांकि, राज्य की ओर से इन छह समुदायों को एसटी का दर्जा दिए जाने की नवीनतम स्थिति पर अधिक स्पष्टता दिए बिना उइके ने कहा कि राज्य सरकार ने इन छह समुदायों के विकास के लिए कई कदम उठाए हैं। उइके ने कहा कि असम सरकार ने मटक स्वायत्त परिषद, मोरन स्वायत्त परिषद और कामतापुर स्वायत्त परिषद, आदिवासी कल्याण और विकास परिषद, तथा अहोम और चुतिया समुदायों के लिए विकास परिषदों का गठन किया है, ताकि इन समुदायों का सर्वांगीण सामाजिक-आर्थिक विकास हो सके। इन परिषदों को अपने-अपने समुदायों के लिए विकास योजनाएं शुरू करने के लिए वार्षिक बजट में पर्याप्त धनराशि आवंटित की गई है। उल्लेखनीय है कि छह समुदायों - ताई आहोम, चुतिया, मतक, मोरान, कोच-राजवंशी और चाय जनजाति - ने अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी में शामिल किए जाने के लिए राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया है। इससे पहले, अक्तूबर में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) सरकार ने असम सहित कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में झारखंड से आने वाले चाय समुदाय का व्यापक सामाजिक और आर्थिक सर्वेक्षण करने के लिए एक विशेष समिति गठित करने की मंजूरी दी थी। यह कदम झारखंड सरकार द्वारा इन राज्यों में चाय बागान जनजातियों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिलाने के प्रयासों को तेज करने के लिए उठाया गया।

पुलिस ने यातायात ...

नियम अब एम्बुलेंस और दमकल जैसी आपातकालीन सेवाओं के लिए बिना किसी बाधा के मार्ग की अनुमति देंगे। सरुसजाई स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में झुमोर बिनंदिनी कार्यक्रम के लिए, गोल्ड वाहन पास वाले दर्शक गेट नंबर 1बी से प्रवेश करेंगे, जिसकी पार्किंग इंडोर स्टेडियम के पास निर्धारित की गई है। ड्रॉप-ऑफ पास वाले लोग भी गेट नंबर 1बी का उपयोग करेंगे, लेकिन यात्रियों के उतरने के बाद उन्हें परिसर खाली करना होगा। कार्यक्रम के दौरान भीड़भाड़ से बचने के लिए विशिष्ट प्रवेश बिंदु और पार्किंग क्षेत्र निर्धारित किए गए हैं। अधिकारियों ने लोगों से दिशा-निर्देशों का पालन करने और यातायात कर्मियों के साथ सहयोग करने का आग्रह किया है ताकि वाहनों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित हो सके।

विकसित भारत के ...

समस्याओं के समाधान भी दिए हैं। यही कारण है कि हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे छात्र वैश्विक संदर्भ और तेजी से बदलती तकनीकों के साथ तालमेल बैठाने की क्षमता विकसित करें। इस सन्दर्भ में उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि अपने अनुभवों और विचारों को साझा करके छात्रों को एक नई दिशा दिखाते हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने भारत को दुनिया का सबसे बड़ा प्रौद्योगिकी और नवाचार हब बनाने के प्रयासों के परिप्रेक्ष्य में नवाचार और अनुसंधान में राष्ट्रीय क्षमताओं को और बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने संसद के कामकाज में तकनीकी नवाचारों के सक्रिय उपयोग का भी जिक्र किया। 22 भारतीय भाषाओं में समानांतर भाषांतरण और संसद में 1947 से लेकर अब तक सभी बहसों के डिजिटलीकरण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इन कदमों ने न केवल संसदीय कार्य की दक्षता को बढ़ाया है, बल्कि भारत की संसद को एक तकनीकी रूप से उन्नत संस्थान बना दिया है।

कुछ नेता हमारे पर्व-परंपरा ...

बालाजी का विग्रह भेंट कर उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने सनातन धर्म पर लिखी किताब और स्मृति चिह्न भी प्रधानमंत्री को भेंट किया। प्रधानमंत्री ने जय जटाशंकर धाम की जय से अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि बहुत ही कम दिनों में मुझे दूसरी बार वीरों की इस धरती बुंदेलखंड पर आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस बार तो बालाजी का बुलावा आया है। ये हनुमानजी की कृपा है कि आस्था का केंद्र आरोग्य का केंद्र बनने जा रहा है। अभी यहां बागेश्वर धाम मेडिकल साइंस सेंटर का भूमिपूजन किया है। यहां 10 एकड़ में बनेगा। पहले चरण में 100 बेड की सुविधा तैयार होगी। इस कार्य के लिए धीरेंद्र शास्त्री का अभिनंदन करता हूं। बुंदेलखंड के लोगों को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि दूसरों की सेवा, दूसरों की पीड़ा का निवारण ही धर्म है। इसलिए नर में नारायण, जीव में शिव इस भाव से जीव मात्र की सेवा, यही हमारी परंपरा रही है। आजकल हम देख रहे हैं। महाकुम्भ की हर तरफ चर्चा हो रही है। हमारे मंदिर एक ओर पूजा के केंद्र रहे हैं तो दूसरी ओर सामाजिक चेतना के भी केंद्र रहे हैं। हमारे ऋषियों ने हमें आयुर्वेद और योग का वो विज्ञान दिया, जिसका परचम आज पूरी दुनिया में लहरा रहा है। हमारे ऋषियों ने ही हमें वो विज्ञान दिया, जिसका परचम पूरी दुनिया में लहरा रहा है। हमारी तो मान्यता ही है कि परहित सरिस धर्म नहीं भाई। आजकल हम देख रहे हैं, महाकुंभ की हर तरफ चर्चा हो रही है। महाकुंभ अब पूर्णता की ओर है। अब तक करोड़ों लोग वहां पहुंच चुके हैं। करोड़ों लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि महाकुम्भ में नेत्र महाकुम्भ चल रहा है, इस तरफ मीडिया का ध्यान जाना मुश्किल है। इसकी ज्यादा चर्चा भी नहीं हुई है। इसमें देशभर से आए हुए लोगों की आंखों की जांच मुफ्त में होती है। यहां अब तक दो लाख से ज्यादा भाई-बहनों की आंखों की जांच हो चुकी है। डेढ़ लाख लोगों को नि:शुल्क दवाई और चश्मे दिए गए हैं। कुछ लोगों के मोतियाबिंद के ऑपरेशन की जरूरत थी, तो यहां से अच्छे अस्पतालों में भेजकर करीब 16 हजार ऑपरेशन के लिए भेजा गया। एक भी पैसा खर्च किए बिना इनके ऑपरेशन किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मैं आप सबकी तरह गरीब परिवार से निकला हूं। मैंने तकलीफों को देखा है, इसलिए संकल्प लिया कि मैं इलाज का खर्च कम करूंगा और आपकी जेब में ज्यादा से ज्यादा पैसा बचाऊंगा। पांच लाख रुपए तक का इलाज बिना किसी खर्च के किसी बेटे को अपने माता-पिता का नहीं करवाना है। दिल्ली में आपका बेटा बैठा है। इसके लिए आपको आयुष्मान कार्ड बनवाना है।

राष्ट्र निर्माण के लिए...

एआई से जुड़े सांस्कृतिक पूर्वाग्रह के मुद्दे का प्रभावी रूप से हल कर सकता है। उन्होंने छात्रों से सवाल जबाब के क्रम में विकासशील देशों को पारंपरिक विकास मॉडल से आगे निकलने में सक्षम बनाने में प्रौद्योगिकी की भूमिका को बताया। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के साथ आए 45 देशों के राजदूतों ने भी छात्रों के सवालों के जवाब दिए। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत हमेशा वैश्विक आदान-प्रदान, बातचीत के लिए तत्पर है। उन्होंने छात्रों से अपने दैनिक जीवन में विदेश नीति के महत्व को पहचानने का आग्रह किया। छात्रों को अपनी सांस्कृतिक विरासत और तकनीकी प्रगति दोनों को अपनाकर खुद को वैश्विक प्रतियोगिता के लिए तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया। *विश्व को जोड़ना - विश्व बंधु* थीम वाले इस कार्यक्रम में छात्रों ने वैश्विक मामलों में भारत की भूमिका पर पर बातचीत की। संवाद में आईआईटी बीएचयू के चौथे वर्ष के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के छात्र मानव मेहता ने वैश्विक स्तर पर *विश्व बंधु* अवधारणा के प्रचार के बारे में जानना चाहा। डॉ. जयशंकर ने जवाब दिया कि भारतीय संस्कृति में गहराई से निहित इस विचार को मीडिया, कूटनीति और सबसे महत्वपूर्ण रूप से कार्रवाई के माध्यम से बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने अफ्रीकी संघ को जी—20 में शामिल कराने में भारत की भूमिका को भी बताया। कहा कि *विश्व का मित्र* बनने के लिए केवल घोषणाएं पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि ठोस प्रयास आवश्यक हैं। औद्योगिक इंजीनियरिंग की मुस्कान प्रियकांत रावत ने युवाओं में भाईचारे की भावना को बढ़ावा देने से जुड़ा सवाल उठाया।

आवाज लगाने पर ...

पर 11 किलोमीटर और एक कन्वेयर बेल्ट पर शेष 2 किलोमीटर की दूरी तय की। उन्होंने यह भी कहा कि जब हम सुरंग बोरिंग मशीन के अंत में पहुंचे, तो हमने उनके (श्रमिकों के) नाम पुकारे, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। अधिकारी ने कहा कि अधिकारी ने कहा कि सुरंग में आखिरी 2 किलोमीटर का हिस्सा पानी से भरा हुआ है और जब तक मलबा साफ नहीं हो जाता, तब तक काम का पता नहीं लगाया जा सकता है। बचाव दल अभी तक फंसे हुए मजदूरों से संपर्क नहीं कर पाए हैं, जबकि आंतरिक संचार तंत्र कल विफल हो गया था। वे अब श्रमिकों को उनके नाम से पुकार रहे हैं, उम्मीद है कि कोई जवाब मिलेगा, जिससे यह सुनिश्चित हो जाएगा कि वे ठीक हैं। गौरतलब है कि यह सुरंग 44 किलोमीटर लंबी है, जो श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) के निर्माणाधीन हिस्से पर स्थित है। ये सुरंग परियोजना नागरकुरनूल और नलगोंडा जिलों को पानी उपलब्ध कराने के लिए है। इस बीच एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि जब सुरंग ढह गई, तो कई श्रमिक भागने में सफल रहे, लेकिन सुरंग बनाने वाली मशीन पर काम कर रहे आठ लोग फंस गए। निर्माण कार्य जेपी एसोसिएटेड ग्रुप द्वारा किया जा रहा है।

अगर पार्टी को मेरी ...

विपक्ष में बैठना पड़ेगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि उनकी तिरुवनंतपुरम में अपील पार्टी से कहीं ज्यादा है। यहां तक कि जो लोग आमतौर पर कांग्रेस के खिलाफ थे, उन्होंने भी उन्हें वोट दिया। थरूर ने यह भी कहा कि कांग्रेस को अब अपने पुराने वोटर्स के अलावा 26-27 प्रतिशत और वोट प्राप्त करने की जरूरत है ताकि सत्ता में आ सके। उन्होंने बताया कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से जो समर्थन मिला, वह इसका एक उदाहरण है। थरूर ने यह साफ किया कि अगर पार्टी उनके विचारों को नहीं मानती तो वह पार्टी के लिए उपलब्ध रहेंगे, लेकिन उनके पास और भी विकल्प हैं। उनके अनुसार, यदि पार्टी को उनका योगदान चाहिए, तो वह हमेशा पार्टी के लिए तैयार हैं। उनके हालिया बयानों पर जो विवाद हुआ, जैसे कि पहले नरेंद्र मोदी और अब पिनाराई विजयन की सरकार की सराहना करना, थरूर ने कहा कि वे हमेशा निडर होकर अपने विचार व्यक्त करते हैं। वे मानते हैं कि अगर कोई सरकार अच्छा काम करती है, तो उसकी सराहना करनी चाहिए, भले ही वह कांग्रेस का विरोधी क्यों न हो। थरूर ने पार्टी बदलने की अफवाहों को भी खारिज करते हुए कहा कि वह पार्टी से बाहर जाकर स्वतंत्र रहने में विश्वास नहीं रखते। उन्होंने कांग्रेस के भीतर संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि पार्टी भाजपा की तरह राज्यों में अपनी पकड़ बना सके। हालांकि, थरूर ने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के बारे में भी अपनी राय व्यक्त की और कहा कि जब वह सदस्य बने, तो उन्होंने किसी खास निर्णय को नहीं देखा। इसके बावजूद, उन्होंने यह स्वीकार किया कि यह पार्टी में एक सम्मानजनक पद है।

मणिपुर में राज्यपाल की ...

से हथियार और गोला-बारूद समर्पित किए। पुलिस ने रविवार को बताया कि चुराचांदपुर जिले में कुल 16 हथियार और गोला-बारूद समर्पित किए गए, जिनमें 01 एम-16 राइफल, 01 सात .62 मिमी एसएलआर राइफल, 02 एके-47 राइफल, 03 इंसास राइफल, 02 एम-79 अंडर बैरल ग्रेनेड लांचर, 01 नौ एमएम कार्बाइन मशीन गन, 01 पचपन एमएम मोर्टार, 03 .303 राइफल, 02 सिंगल बैरल राइफल, 64 जिलेटिन स्टिक्स, 10 राउंड 60 मिमी पंपी (आत्मनिर्मित मोर्टार) गोला-बारूद, 17 राउंड एके गोला-बारूद, 40 राउंड 5.56 मिमी राइफल गोला-बारूद और 03 राउंड 9 एमएम कैलिबर गोला-बारूद शामिल हैं। वहीं, इंफाल ईस्ट जिले में 01 हथियार और भारी मात्रा में गोला-बारूद समर्पित किया गया, जिसमें 01 सीएमसी कार्बाइन विद मैगजीन, 06 दो इंच मोर्टार शेल, 1200 राउंड 5.56म30 मिमी गोला-बारूद और 2200 राउंड .22 कैलिबर गोला-बारूद शामिल हैं।

संपादकीय

उम्मीद के पथ पर

बड़े संकल्पों से निकले उम्मीद के पथ आखिर शिक्षा के हिस्से में आए और 67 शिक्षक सिंगापुर निकल पड़े। इससे पहले कुछ छात्र इन्हीं राहों से होकर लौटे, तो इस सफर की कहानी में शिक्षा एक बड़ा पात्र होगी। बेशक आंखें खोलने के लिए विदेश के भ्रमण एक ताज की तरह होंगे, लेकिन किसी चांदनी को तोडक़र लाने के लिए यह कारवां छोटा है। आखिर हम शिक्षा से बतौर शिक्षक, बतौर अभिभावक, बतौर समाज और बतौर छात्र चाहते क्या हैं। जो बच्चों को चाहिए, उससे कब पूछा गया। जो मां-बाप को चाहिए, उससे स्कूलों का वर्गीकरण हो गया और जो शिक्षा को चाहिए, उसके भीतर रोजगार घुस गया। कोई टीचर इसलिए है क्योंकि वहां रोजगार के अत्यधिक अवसर मिले। हम ढंग से पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम के बीच ढंग से अध्ययन का माहौल नहीं दे सकते, लेकिन बच्चों को तोता बना सकते है। हैरानी यह कि शिक्षा में सफलता के फार्मूले अब बाजार में बिकते हैं। ले लो कोई दुकान चलाकर बता रहा है कि उसकी अकादमी से सीधे निकल कर डाक्टर बनोगे और कोई आईआईटी तक ले जा रहा है। जब ये अध्यापक सिंगापुर से लौटेंगे, तब भी हिमाचल शिक्षा बोर्ड के वार्षिक प्रश्नपत्र पर वास्तविक मूल्यांकन का खतरा मंडरा रहा होगा और तब भी शिक्षा की खोज में कोई बच्चा सीबीएसई या आईसीएसई स्कूल के बाहर अपना प्रवेश पा रहा होगा। शिक्षा के भीतर देशीपन है कहां जो हम विदेशी फार्मूलों में अपना सपना पूरा करेंगे। अंततः सारा हिमाचल तो शिमला की विभागीय कसरतों में शिक्षा विभाग का दस्तूर देखता है, जिसकी कसौटियों में अभी तक यह भी तय नहीं कि पूरे हिमाचल के स्कूल कब छुट्टियां मनाएं और कब खेल का मैदान सजाएं। शिक्षा विभाग तो माथापच्ची का पाठ्यक्रम है और आजादी के बाद से शिक्षा सिर्फ अलग-अलग आयोगों की दासी बनी रही। अब पुनः नई शिक्षा नीति आजमाई जा रही है और जहां मातृ या क्षेत्रीय भाषा के सिंदूर में ज्ञान का टीका लगाने की उत्कंठा जाहिर है। हो सकता है पंजाबी भाषा में पंजाब के बच्चे ज्यादा समझ जाएं या गुजराती भाषा में भविष्य का अर्थ निकल आए, लेकिन हिमाचल के पास तो कोई हिमाचली भाषा नहीं। ऐसी कोशिश नहीं कि एकलव्य को संबोधित करने के लिए पूरा परिवेश अपनी मातृभाषा में बोले और अनुगूंज शाबाशी दे। बहरहाल, सिंगापुर जा रहे शिक्षकों को कम से कम व्यवस्था से शाबाशी तो मिल ही रही है। यह एक सौगात की तरह, पुरस्कार की तरह और इत्मीनान की तरह अगर सिद्ध हो तो शायद हमारे स्कूल फिर से सांस ले सकते हैं वरना पढ़ाई का जादुई आंकड़ा सरकारी परिसरों में घट रहा है। स्कूलों से कहीं अधिक सचिवालय में अध्यापकों को अपना परिचय देना पड़ता है। उनकी सरकारी सेवा की वरीयता शिक्षण से कहीं अधिक स्वयं को मनपसंद की पोस्टिंग में स्थापित बनाए रखना है। अगर कल कांगड़ा निवासी शिक्षक शिमला और सिरमौर के बच्चों के अध्ययन का चरित्र बदलता है, तो बात बनेगी, वरना विदेश यात्रा में तमगे का एहसास शिरकत करने लगेगा। आज ये गए, तो कल वे जाने का तिकड़म बैठाएंगे और इस तरह कारवां पहले स्थानांतरण में सुविधा खोजता था, तो आइंदा विदेश भ्रमण में खुद को तराशता रहेगा। दरअसल शिक्षा में शिक्षक की संवेदना का प्रभाव बच्चों की दृष्टि, उपलब्धि का तापमान और ज्ञान की परिभाषा बदल सकता है। पाठ्यक्रम के फैलते दायरे और परीक्षा परिणामों की योग्यता में सफलता के नुस्खे इतने प्रभावशाली हो गए हैं कि छात्र सिर्फ कठपुतली हैं। कुछ कठपुतलियां इन धागों में खुद को बेहतर बना लेती हैं, बाकी उलझ जाती हैं। छात्रों की उलझन, छात्रों की शिकायत और शिक्षा की वकालत, आखिर कब कहने और सुनने का अवसर मिलेगा। बेशक सरकारी क्षेत्र में अच्छे व गुणी अध्यापक होते हैं, लेकिन शिक्षा की गुणवत्ता में उनका योगदान दर्ज नहीं होता। पूरी शिक्षा को बदलना है तो अभिभावकों का भ्रमण सरकारी स्कूल में कराएं।

बेशक आंखें खोलने के लिए विदेश के भ्रमण एक ताज की तरह होंगे, लेकिन किसी चांदनी को तोडक़र लाने के लिए यह कारवां छोटा है। आखिर हम शिक्षा से बतौर शिक्षक, बतौर अभिभावक, बतौर समाज और बतौर छात्र चाहते क्या हैं। जो बच्चों को चाहिए, उससे कब पूछा गया। जो मां-बाप को चाहिए, उससे स्कूलों का वर्गीकरण हो गया और जो शिक्षा को चाहिए, उसके भीतर रोजगार घुस गया। कोई टीचर इसलिए है क्योंकि वहां रोजगार के अत्यधिक अवसर मिले। हम ढंग से पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम के बीच ढंग से अध्ययन का माहौल नहीं दे सकते, लेकिन बच्चों को तोता बना सकते है। हैरानी यह कि शिक्षा में सफलता के फार्मूले अब बाजार में बिकते हैं। ले लो कोई दुकान चलाकर बता रहा है कि उसकी अकादमी से सीधे निकल कर डाक्टर बनोगे और कोई आईआईटी तक ले जा रहा है। जब ये अध्यापक सिंगापुर से लौटेंगे, तब भी हिमाचल शिक्षा बोर्ड के वार्षिक प्रश्नपत्र पर वास्तविक मूल्यांकन का खतरा मंडरा रहा होगा और तब भी शिक्षा की खोज में कोई बच्चा सीबीएसई या आईसीएसई स्कूल के बाहर अपना प्रवेश पा रहा होगा। शिक्षा के भीतर देशीपन है कहां जो हम विदेशी फार्मूलों में अपना सपना पूरा करेंगे।

भगदड़ प्रायः भीड़ भरे इलाको में किसी अफवाह के कारण भी पैदा हो सकती है

विकसित हो भीड़ नियंत्रण का प्रभावी तंत्र

रमेश सर्राफ

देश में भगदड़ में मरने वालों की सूची बहुत लंबी है। सभी को पता है कि जहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होगी वहां कभी भी भगदड़ मचने की स्थिति पैदा हो सकती है। मगर अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बन पाई है जिससे भगदड़ की स्थिति ही उत्पन्न नहीं होने पाए। सरकारी भी भगदड़ होने के बाद उसको रोकने के ढोल पीट कर कुछ समय बाद शांत बैठ जाती है। मगर ऐसा कोई स्थाई तंत्र विकसित नहीं किया जाता है। जिससे भगदड़ की स्थिति होने से पहले ही सुरक्षा कर्मियों को अलर्ट मिले और वह उन पर नियंत्रण कर सके। भगदड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है।

देश में हम आए दिन भीड़ में भगदड़ मचने से कई लोगों के मरने की खबरें पढ़ते रहते हैं। हाल ही में महाकुंभ स्नान के दौरान प्रयागराज में भीड़ में भगदड़ के चलते 37 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। इस घटना के कुछ दिनों बाद ही नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वालों की भीड़ में अचानक भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह दोनों ही दुर्घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद है। देश में भगदड़ में मरने वालों की सूची बहुत लंबी है। सभी को पता है कि जहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होगी वहां कभी भी भगदड़ मचने की स्थिति पैदा हो सकती है। मगर अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बन पाई है जिससे भगदड़ की स्थिति ही उत्पन्न नहीं होने पाए। सरकारी भी भगदड़ होने के बाद उसको रोकने के ढोल पीट कर कुछ समय बाद शांत बैठ जाती है। मगर ऐसा कोई स्थाई तंत्र विकसित नहीं किया जाता है। जिससे भगदड़ की स्थिति होने से पहले ही सुरक्षा कर्मियों को अलर्ट मिले और वह उन पर नियंत्रण कर सके। भगदड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है। भगदड़ प्रायः भीड़ भरे इलाको में किसी अफवाह के कारण भी पैदा हो सकती है। इसके अलावा प्राकृतिक आपदाएं एवं प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण भी यह आपदा पैदा होती है। इसमें संपत्ति से अधिक जान की क्षति होने की संभावना रहती है। भीड़ दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के वैश्विक डेटाबेस के मुताबिक सन 2000 के बाद से भारत में 50 से ज्यादा विनाशकारी सामूहिक समारोहों में दो हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। इन दुर्घटना को देखते हुए प्रभावी भीड़ प्रबंधन तंत्र विकसित करने की बहुत जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर कुंभ जैसे बड़े आयोजनों में इसकी काफी जरूरत महसूस होती है। भगदड़ बेहद खतरनाक और घातक स्थिति होती है। किसी भी जगह पर जब भीड़ उसकी क्षमता से अधिक हो जाती है और लोगों के पास निकलने का रास्ता नहीं होता है। भीड़ की वजह से लोगों को पैर रखने की जगह नहीं मिलती है। ऐसी स्थिति में किसी तरह की अफवाह या दुर्घटना होने पर भीड़ बेकाबू हो जाती है। इसे भीड़ में हलचल भी कहा जाता है। इसकी वजह से ही भगदड़ की स्थिति बनती है। इसी तरह भीड़ में हलचल का मतलब भीड़ का बेतरतीब तरीके से एक से ज्यादा दिशाओं में एक ही समय में आगे बढ़ना है। ऐसे

में लोगों को चलने के लिए जगह कम होती है वो एक-दूसरे के बीच दब जाते हैं। जब लोग एक-दूसरे से बहुत नजदीक होते हैं तो 'फोर्सेज का ट्रांसमिशन' यानी बल का संचरण हो सकता है। इस फोर्स ट्रांसमिशन को आपने भी कभी न कभी तब महसूस किया होगा जब आप एक बहुत भीड़-भाड़ वाली किसी लाइन में खड़े हुए होंगे। जब पीछे से अचानक धक्का लगता है तो व्यक्ति खुद भी उस धक्के को अपने से आगे खड़े व्यक्ति को ट्रांसफर कर देते हैं। ऐसे में अपना संतुलन बनाए रखना और अपने पैरों पर खड़े रहना लोगों के लिए बहुत मुश्किल हो जाता है। ये पहली बार नहीं था जब किसी धार्मिक कार्यक्रम के दौरान भगदड़ मची हो। इसके पहले भी समय-समय पर भगदड़ मचने की खबरें सामने आती रही हैं। इन घटनाओं में कई लोगों की जान भी चली गई। 27 अगस्त 2003 महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में स्नान के दौरान भगदड़ मचने से 39 लोगों की मौत हो गई थी। 25 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर में भगदड़ मच गई थी। जिसमें 340 से ज्यादा श्रद्धालु कुचले गए थे। 3 अगस्त 2008 हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर में मची भगदड़ में 162 लोगों की मौत हो गई थी। 30 सितंबर 2008 राजस्थान के जोधपुर शहर में चामुंडा देवी मंदिर में मची भगदड़ में लगभग 250 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 4 मार्च 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ में 63 लोगों की मौत हो गई थी. ।14 जनवरी 2011 को केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में सबरीमाला मंदिर में एक जीप की टक्कर से मची भगदड़ में 104 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 8 नवंबर 2011 को हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे हर की पौड़ी घाट पर मची भगदड़ में लगभग 20 लोगों की मौत हो गई थी। 19 नवंबर 2012 को पटना में गंगा नदी पर छठ पूजा के दौरान एक अस्थायी पुल के ढह जाने से भगदड़ मच गई थी जिसमें 20 लोगों की मौत हो गयी थी। 13 अक्टूबर 2013 मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि के जश्न के दौरान भगदड़ मचने से 115 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। 3 अक्टूबर 2014 को दशहरे का जश्न समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में भगदड़ मच गई जिसमें 32 लोगों की मौत हो गई थी। 14 जुलाई 2015 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में पुष्करम उत्सव के पहले दिन गोदावरी नदी के तट पर भगदड़ मचने से 27 लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। 1 जनवरी 2022 को जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ मचने से 12 लोगों की मौत हो गई थी। 31 मार्च 2023 को इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के मौके पर एक प्राचीन बावड़ी के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से 36 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। इसी तरह रेलवे स्टेशनों पर भी भगदड़ के कारण कई बड़ी दुर्घटना हो चुकी है। 28 सितंबर 2002 को लखनऊ में बसपा की रैली से वापस घर लौटते समय ट्रेन की छत पर चढ़ने से चार लोगों की करंट लगने से मौत हो गई थी। 13 नवंबर 2004 को नई दिल्ली स्टेशन पर छठ पूजा के दौरान बिहार जाने वाले ट्रेन का प्लेटफार्म अचानक बदलने से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए ओवरब्रिज पर मची भगदड़ में चार यात्रियों की मौत हुई थी। 03 अक्टूबर 2007 को मुगल सराय जंक्शन पर भगदड़ मचने के कारण 14 महिलाओं की मौत हो गई थी। 10 फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुंभ मेला के दौरान रेलवे जंक्शन पर भगदड़ मचने से 38 लोगों की मौत हो गई थी। 29 सितंबर 2017 के दिन मुंबई के एलफिंस्टन रेलवे स्टेशन में बने फुटओवर ब्रिज पर भगदड़ मचने के कारण 22 लोगों की मौत हुई थी। हमारे देश में आए दिन जगह-जगह बड़े-बड़े धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक व अन्य कई प्रकार के आयोजन होते रहते हैं। जिनमें हजारों-लाखों लोग शामिल होते हैं। ऐसे ही कार्यक्रमों में जरा सी लापरवाही भगदड़ का कारण बन सकती है। ऐसे में यदि कार्यक्रम के आयोजक सावधानी बरतते हुए भीड़ नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम करें तभी किसी तरह की दुर्घटना होने से बचा जा सकता है।

दृष्टि कोण

प्रदेश में वित्तीय अनुशासन की जरूरत

वर्तमान में हिमाचल प्रदेश एक छोटा सा पहाड़ी राज्य, जिसके पास आय के बहुत सीमित साधन हैं, देश के सबसे ज्यादा कर्ज लेने वाले राज्यों में शुमार हो चुका है। यह स्थिति राज्य के गंभीर आर्थिक संकट को उजागर करती है, जहां पिछले कुछ वर्षों में लिया गया कर्ज केवल प्रदेश के विकास के लिए नहीं, बल्कि चुनावी लाभ प्राप्त करने के लिए खर्च किया गया है। यह एक ऐसी समस्या बन चुकी है, जिसका समाधान न तो सत्ता और विपक्ष के राजनीतिक टकरावों में है, न ही कर्ज के आंकड़ों को बढ़ाकर राजनीतिक फायदा हासिल करने में। प्रदेश के वित्तीय असंतुलन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हिमाचल अब एक कर्जदार राज्य नहीं, बल्कि कर्ज के जाल में फंसा हुआ राज्य बन चुका है। विधानसभा के बजट सत्र में सरकार और विपक्ष के बीच हो रहे आरोप-प्रत्यारोप से कहीं अधिक महत्वपूर्ण यह सवाल है कि हम अपनी वित्तीय स्थिति को कैसे सुधारें और राज्य की आर्थिक प्रगति के लिए स्थायी उपाय क्या हो सकते हैं। वर्तमान में, राज्य का राजकोषीय उत्तरदायित्व और कर्ज की सीमा दोनों ही बढ़ रही हैं। अगर इस कर्ज को चुकाने की क्षमता में वृद्धि नहीं होती, तो यह स्थिति प्रदेश के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकती है। इसके आलावा राज्य सरकारों को चुनावी राजनीति के लिए फ्रीबीज से बचना चाहिए। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव के वक्त की जाने वाली मुफ्त की योजनाओं पर सख्त टिप्पणी की, जो कि कहीं न कहीं सरकारों के लिए एक चेतावनी है। हमारे मार्गदर्शक और हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री शांता कुमार भी कई बार सरकारों द्वारा फ्रीबीज और मुफ्त की रेवडियां बांटने की संस्कृति से होने वाले नुकसान पर अपनी चिंता व्यक्त कर चुके है। पिछले दो वर्षों में राज्य ने 25000 करोड़ का कर्ज लिया है और पुराने कर्ज को चुकाने के लिए लगभग 7000 करोड़ की अतिरिक्त उधारी उठानी पड़ी है। अब तक हिमाचल ने लगभग 98000 करोड़ का ऋृण लिया है, और कर्ज लेने की प्रक्रिया में निरंतरता बनी हुई है। यह कर्ज न केवल एक भारी आर्थिक बोझ बन चुका है, बल्कि भविष्य में यह हमारे आर्थिक संतुलन को और भी बिगाड़ सकता है। कर्ज का बढऩा असमानता और आर्थिक असंतुलन को बढ़ावा देगा, जो प्रदेश के विकास में रुकावट पैदा करेगा। राज्य के बोर्ड और निगम घाटे में चल रहे हैं, और इसके बावजूद सरकार का ध्यान कर्ज जुटाने पर केंद्रित है। सुधार की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि अब कर्मचारियों के वेतन के लिए भी कर्ज लिया जा रहा है। यह स्थिति दर्शाती है कि क्या राज्य सरकार के पास खर्चों को नियंत्रित करने और वित्तीय अनुशासन लागू करने का कोई उपाय नहीं है। राज्य सरकार को चाहिए कि वह केंद्र सरकार की विनिवेश नीति से कुछ सीखें और घाटे में चल रहे बोर्ड और निगमों से अपनी हिस्सेदारी खत्म करे। केंद्र सरकार कई सरकारी उपक्रमों की बिक्री करके अपने बजट घाटे को पूरा कर रही है, वहीं हिमाचल को भी अपने घाटे को कम करने के लिए ऐसे कदम उठाने चाहिए। लेकिन अफसोस, राज्य सरकार की प्राथमिकताएं फिजूलखर्ची और नए कार्यालयों के निर्माण पर केंद्रित हैं, जबकि प्रदेश की वित्तीय स्थिति को सुधारने के लिए कोई गंभीर प्रयास नहीं हो रहे हैं। हिमाचल के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि वह अपनी आर्थिक नीति को निष्ठा और अनुशासन के साथ लागू करे। कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करना आवश्यक है। साथ ही, पर्यटन क्षेत्र में भी हमें अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। सैलानियों की संख्या बढ़ाकर इस क्षेत्र से अधिक राजस्व जुटाया जा सकता है। हवाई सेवाओं को सुधारकर और पर्यटन को बढ़ावा देकर राज्य की आय में वृद्धि हो सकती है। इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश को अपने प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग करना चाहिए, विशेषकर जलविद्युत क्षेत्र में। हिमाचल में जलविद्युत उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं, लेकिन उनका पूर्ण उपयोग नहीं किया जा रहा है। यदि सरकार इस क्षेत्र में निवेश बढ़ाए और निजी क्षेत्र को साथ लेकर चले, तो यह राज्य के लिए एक बड़ा राजस्व स्रोत बन सकता है। इसके साथ ही स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहित करना और रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में भी ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। यदि सरकार इन ठोस कदमों को उठाती है, तो आने वाले समय में राज्य की आर्थिक स्थिति में सुधार संभव है। लेकिन यह तभी संभव है जब हम राजनीतिक गुटबंदी और आरोप-प्रत्यारोप की बजाय राज्य की समृद्धि के लिए ठोस और प्रभावी निर्णय लें। कुल मिलाकर, हिमाचल प्रदेश को अपने वित्तीय संकट से उबारने के लिए एक ठोस, पारदर्शी और दीर्घकालिक वित्तीय नीति की आवश्यकता है। केवल कर्ज लेकर हम न तो प्रदेश का विकास कर सकते हैं और न ही आने वाली पीढियों के लिए एक स्थिर आर्थिक ढांचा बना सकते हैं।

कुछ अलग

जादुई छड़ी कहां है...

मसला बहुत सीरियस है। आतंकवाद, भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी से भी सीरियस। सरकार कह रही है कि 'मंहगाई रोकने के लिए उसके पास कोई जादुई छड़ी नहीं है।' विपक्ष कह रहा है कि जादुई छड़ी सरकार के पास ही है, लेकिन सरकार इस छड़ी को इस्तेमाल नहीं कर रही। सरकार और विपक्ष के बयानों में विरोधाभास से पूरे मुल्क में कन्फ्यूजन पैदा हो गई है। गली, मोहल्लों, कूचों से लेकर सरकारी दफ्तरों और दारू के ठेकों तक में अगर किसी करंट टापिक को लेकर चर्चा है तो बस यही कि जादुई छड़ी आखिर गई कहां? मुल्क में बाहर से कोई लुटेरा भी नहीं आया और न ही किसी थाने में जादुई छड़ी गुम होने की एफआईआर दर्ज है। फिर कहां गई जादुई छड़ी? क्या सरकार में बैठी किसी पुण्यात्मा ने इसे अपने लॉकर में छिपा दिया है या फिर आतंकवादियों ने जादुई छड़ी किडनैप कर ली है? चर्चाएं तरह-तरह की हैं। जितने मुंह, उतनी बातें। अब कहने वालों का कोई मुंह थोड़े ही पकड़ा जा सकता है? कोई कह रहा है कि जादुई छड़ी गायब या किडनैप नहीं हुई, बल्कि सरकार ने मल्टीनेशनल कंपनियों व देश के बड़े औद्योगिक घरानों के पास इसे गिरवी रखकर लोन लिया हुआ है ताकि सरकार चलाई जा सके। कोई कह रहा है कि सरकार ने जादुई छड़ी गिरवी नहीं रखी बल्कि मुनाफाखोरों और जमाखोरों को बेच दी है। बातों-बातों में कुछ लोग यह कहने से भी नहीं चूक रहे कि इस सरकार के पास ले-देकर एक जादुई छड़ी ही थी, जिसकी हिफाजत भी सरकार नहीं कर पाई। लिहाजा यह खेद का विषय है। इन तमाम चर्चाओं के बीच एक सज्जन सरकार का पक्ष लेते हुए कह रहे हैं कि 'सरकार का काम जादुई छड़ी की हिफाजत करना नहीं बल्कि सरकार में बैठे अपने लोगों के हितों की हिफाजत करना होता है।' सरकार के हिमायती एक और सजन फरमा रहे हैं कि 'सरकार बहुत बड़ी पावर होती है। वह अपने पास कोई छड़ी-वड़ी नहीं बल्कि लाठी रखती है जिससे गरीब आदमी को हांका जाता है।' एक अन्य सज्जन उसकी बात काटते हुए कहते हैं, 'लाठी सरकार के पास नहीं बल्कि गुंडों, लठैतों और बाहुबलियों के पास होती है जिससे वे मुल्क को हांकते हैं।' तीसरे सज्जन की दलील है कि लाठी सरकार और बाहुबलियों दोनों के पास होती है क्योंकि दोनों का काम हांकना है। एक चौथे सज्जन फरमाते हैं कि सरकार के पास छड़ी या लाठी नहीं बल्कि चाबुक होता है, जिसके दम पर वह लोकतंत्र के छकड़े को ठेलती है। विषय से विषयांतर कर रहे लोगों को हडक़ाते हुए पांचवें सज्जन ने कहा- 'बात जादुई छड़ी को लेकर हो रही थी, इसमें लाठी और चाबुक जैसी दो कौड़ी की आइटमें कहां से आ गई?' छठे सज्जन का कहना है कि महंगाई लाठी या चाबुक से नहीं बल्कि जादुई छड़ी से ही रुक सकती है और जादुई छड़ी चूंकि सरकार के पास है नहीं, इसलिए महंगाई पर हाय-तौबा मचाना फिजूल है। सातवें सज्जन ने सुझाव दिया कि मुल्कवासियों को अपने सारे धंधे छोडक़र जादुई छड़ी ढूंढने में लग जाना चाहिए। इस पर तैश में आकर आठवें सज्जन ने कहा कि लोग अपने धंधे क्यों छोड़ें? सरकार को अपने धंधे छोडक़र जादुई छड़ी ढूंढनी चाहिए। नौवें सज्जन का कहना है कि सरकार को यह काम सीबीआई को सौंप देना चाहिए। दसवें सज्जन की दलील है कि सीबीआई पहले ही सैकड़ों केसों को सुलझाने के काम में लगी है, इसलिए जादुई छड़ी ढूंढने का जिम्मा किसी इंटरनेशनल जांच एजेंसी को सौंपा जाना चाहिए। एक और उत्साही सज्जन ने सुझाव दिया, 'सरकार को एक आयोग गठित करना चाहिए जो यह पता लगाए कि जादुई छड़ी आखिर गई कहां?' उन्होंने कहा, 'ऐसा आयोग बनाने से दो फायदे होंगे।

देश दुनीया से

वैश्विक तनाव में सोने की कीमतों में उछाल

चौदह फरवरी, 2025 को 24 कैरेट वाले 10 ग्राम सोने की कीमत 86,360 रुपये के स्तर पर पहुंच गई, जो अब तक का उच्चतम स्तर था। 1 जनवरी से 13 फरवरी तक की अवधि यानी महज 44 दिनों में 10 ग्राम वाले 24 कैरेट सोने की कीमत में 9,092 रुपये का इजाफा हुआ। प्रतिशत में देखें तो इसकी कीमत में लगभग 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और अब 1 लाख रुपए के स्तर को छूने के लिए इसमें केवल 16 प्रतिशत की वृद्धि होनी शेष है। देखने से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि इस साल के अंत तक इसकी कीमत आसानी से 1 लाख रुपये के स्तर को पार कर सकती है। सोने की कीमत में बढ़ोतरी में प्रमुख कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अपनाई जा रही आर्थिक नीतियां हैं। वैश्विक स्तर पर कारोबारी जंग होने की संभावना बढ़ रही है। दूसरी तरफ, अमेरिकी नीतियों और वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण डॉलर के मुक़ाबले रुपया लगातार कमजोर हो रहा है। महंगाई का डर भी देश एवं विदेश में अभी भी बरक़रार है। हालांकि, भारत में सब्जियों एवं अन्य खाद्य वस्तुओं की कीमत में कमी आने की वजह से खुदरा महंगाई दर जनवरी महीने में कम होकर 4.31 प्रतिशत के स्तर पर आ गई, जो पिछले 5 महीनों में सबसे कम है। अमेरिका और इंग्लैंड द्वारा नीतिगत ब्याज दरों में कटौती करने और विश्व के कुछ भागों में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के कारण भी सोने की चमक चमकीली हो रही है। गोल्ड ईटीएफ में निवेश बढ़ने से भी सोने की मांग बढ़ रही है। इधर, शेयर बाजार में हाल में आई गिरावट की वजह से निवेशकों का रुझान सोने की तरफ बढ़ रहा है। दूसरी तरफ, भारत में शादी का सीजन शुरू हो चुका है। इसलिए, सोने की कीमत बढ़ने के बावजूद इसकी मांग और कीमत में लगातार इजाफा हो रहा है। आजादी के 75 सालों में सोने की कीमत आसमान पर पहुंच गई है। इस तरह, सोने की कीमत 78 सालों में चंद रुपयों से आगे बढ़ते हुए 86 हजार रुपये के स्तर को पार कर गई है। भारत में सोना इतना ज्यादा सोणा इसलिए है, क्योंकि भारत में महिलायें सोने के प्रति दीवानी हैं और यह दीवानगी अनादिकाल से बदस्तूर बनी हुई है। प्राचीनकाल में तो स्त्रियों के साथ-साथ पुरुष भी सोने के गहने पहना करते थे। भारत में किसी भी शुभ मुहूर्त में, शादी, त्योहार या फिर मृत्यु के समय सोने की खरीददारी की जाती है, जबकि पश्चिमी देशों में ऐसा नहीं होता है। वहां के लोग शादी में बहुत सारे गहने नहीं पहनते हैं। न ही वहां, गिफ्ट में सोने के जेवर या सोना देने का चलन है। अमेरिका और यूरोप में शादी में सिर्फ सोने की रिंग दी जाती है, जो 9 या 12 कैरेट की होती है, जबकि भारत में शादी में 22 या 24 कैरेट

1 जनवरी से 13 फरवरी तक की अवधि यानी महज 44 दिनों में 10 ग्राम वाले 24 कैरेट सोने की कीमत में 9,092 रुपये का इजाफा हुआ। प्रतिशत में देखें तो इसकी कीमत में लगभग 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और अब 1 लाख रुपए के स्तर को छूने के लिए इसमें केवल 16 प्रतिशत की वृद्धि होनी शेष है। देखने से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि इस साल के अंत तक इसकी कीमत आसानी से 1 लाख रुपये के स्तर को पार कर सकती है। सोने की कीमत में बढ़ोतरी में प्रमुख कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अपनाई जा रही आर्थिक नीतियां हैं।

का सोना जेवर के रूप में लड़की और लड़के को दिया जाता है। आजकल शादी में सोने की बिस्किट भी सौगात में दी जाती है। भारत में फिल्मों की नायिकायें, बड़े कारोबारी या कॉर्पोरेट्स घराने या फिर राजे-रजबाड़ों के वारिसों की बहू-बेटियां शादी या किसी भी त्योहार या किसी भी पार्टी या कार्यक्रम में महंगे सोने के जेवरात पहनना पसंद करती हैं। इसी वजह से आज शादी-विवाह में अरबों-खरबों रुपये सोने के जेवर खरीदने में खर्च किये जा रहे हैं। शादी के मौसम में या दिवाली में या फिर अक्षय तृतीया में सोने या सोने के गहनों की जमकर खरीददारी की जाती है, क्योंकि आजकल सौगात में सोना या सोने के जेवर देने का चलन बहुत ज्यादा बढ़ गया है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) की वर्ष 2024 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में वर्ष 2024 में सोने की मांग में सबसे ज्यादा तेजी आई। डब्ल्यूजीसी ने 2025 के लिए जारी आउटलुक में कहा कि केंद्रीय बैंक सोने में ज्यादा निवेश कर रहे हैं और गोल्ड ईटीएफ में भी बड़ी मात्रा में निवेश किया जा रहा है, जिससे सोने की मांग में लगातार तेजी बनी हुई है। डब्ल्यूजीसी की 2024 की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत के मंदिरों में 2000 से 4000 टन सोना रखा हुआ हो सकता है। भारत सोने की मांग की घरेलू आपूर्ति खुद से करने में असमर्थ है, इसलिए इसे इसके लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता है। वर्ष 2024 के 11 महीनों में भारत ने कुल 47 बिलियन अमेरिकी डॉलर का सोना आयात किया था, जो अब तक का उच्चतम स्तर है, जबकि वर्ष 2023 में भारत ने कुल 42.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर का सोना आयात किया था। इसमें स्विट्ज़रलैंड से 40 प्रतिशत, यूनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) से 16 प्रतिशत, दक्षिण अफ्रीका से 10 प्रतिशत और शेष आस्ट्रेलिया, गिनी, पेरू आदि देशों से सोना आयात किया था। दुनिया में सबसे ज्यादा सोना चीन खरीदता है। इस समय देश में शादी का सीजन चल रहा है, जिससे आने वाले दिनों भारत में सोने की मांग में और भी इजाफा होने की संभावना है। दूसरी तरफ, मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं, विश्व के कुछ भागों में भू-राजनीतिक तनाव के बने रहने, अमेरिकी नीतियों, रुपये का डॉलर की तुलना में लगातार कमजोर होना, शेयर बाजार में हालिया गिरावट आदि कारणों से भी सोने की कीमत में निरंतर वृद्धि हो रही है।

आप का नजरीया

हिंदी-तमिल लड़ाई

तमिलनाडु और उससे पहले मद्रास प्रांत में हिंदी भाषा का विरोध बहुत पुराना है। सबसे पहले ब्रिटिश भारत में 1937 में हिंदी-विरोधी आंदोलन छेड़ा गया। भारत में जब कांग्रेस की प्रथम सरकार थी, तब भी सी. राजगोपालाचारी के नेतृत्व में आंदोलन सुर्ख हुआ। बाद में पेरियार (ईवी रामासामी) और विपक्षी न्यायमूर्ति पार्टी (बाद में द्रविड़ कषगम) ने आधिकारिक भाषा के तौर पर हिंदी का विरोध किया। संविधान निर्माण के दौरान भी यह गरम बहस का मुद्दा बना रहा। जब 26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू हुआ और हिंदी को देश की आधिकारिक भाषा तय कर दिया गया, तो 1965 के बाद कुछ गैर-हिंदी राज्यों ने उसे स्वीकार नहीं किया। वे राज्य अंग्रेजी के ही उपयोग के पक्षधर थे और अपनी क्षेत्रीय भाषाओं को लेकर दुराग्रही थे। 1967 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार ने आधिकारिक भाषा हिंदी और अंग्रेजी के अनिश्चित उपयोग के मद्देनजर आधिकारिक भाषा अधिनियम में संशोधन किए। जब केंद्र में जनता पार्टी की सरकार बनी, तो तत्कालीन प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई और द्रमुक नेता अन्नादुरई के बीच त्रि-भाषा फॉर्मूले पर संवाद तो हुआ, लेकिन हिंदी-विरोध के पूर्वाग्रह आक्रामक ही रहे। करीब 88 साल लंबा वक्त गुजर चुका है। शीर्षस्थ नेता दिवंगत होकर अतीत बन चुके हैं। अब विवाद केंद्र की मोदी सरकार और तमिलनाडु में स्टालिन की द्रमुक सरकार तक आ पहुंचा है, लेकिन तमिलनाडु में प्रचारित किया जा रहा है कि हिंदी को राष्ट्रभाषा, राजभाषा और उसके अध्ययन के लिए थोपा जा रहा है। तमिलनाडु को यह स्वीकार्य नहीं है। वोट बैंक का भी सवाल है। केरल, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना सरीखे दक्षिणी राज्यों में हिंदी-विरोध के आंदोलन और पूर्वाग्रह अपेक्षाकृत कम हैं। वे उग्र भी नहीं हैं। अब केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन के बीच यह मुद्दा सुलगता जा रहा है। हालात टकरावपूर्ण हैं, क्योंकि 2026 में विधानसभा चुनाव भी हैं। भारत सरकार का सहज आग्रह है कि तमिलनाडु को संवैधानिक व्यवस्था को स्वीकार करना चाहिए। लड़ाई छात्रों के नाम पर लड़ी जा रही है, लेकिन उनके शैक्षिक भविष्य और बाद में कौशलपूर्ण रोजगार पर विमर्श शून्य है। केंद्र ने 'समग्र शिक्षा योजना' के तहत तमिलनाडु के हिस्से के आर्थिक संसाधन फिलहाल रोक दिए हैं। यह रोक तब तक जारी रहेगी, जब तक तमिलनाडु भारत सरकार की भाषायी व्यवस्था को स्वीकार नहीं करता। तमिल सरकार हिंदी के अध्ययन को छात्रों पर अतिरिक्त मानसिक बोझ और 'सांस्कृतिक आक्रमण' करार दे रही है, लिहाजा समग्र शिक्षा के बजट को रोकना संघीयवाद का उल्लंघन मान रही है। शायद राज्य सरकार सर्वोच्च अदालत की चौखट भी खटखटाए! हालांकि हम बजट को रोकना 'असंसदीय' मानते हैं और इसे अनधिकार चेष्टा भी करार देते हैं। इस संदर्भ में शैक्षणिक योग्यता ही मानदंड होना चाहिए। एक हालिया रपट में खुलासा किया गया है कि तमिलनाडु में सरकारी स्कूल की 5वीं कक्षा के 36 फीसदी छात्र कक्षा 2 के स्तर के पाठ्य को ही पढ़ पाते हैं, जबकि 21 फीसदी छात्र ही भाग का सवाल कर पाते हैं। ऐसे छात्रों का राष्ट्रीय औसत क्रमशः 49 फीसदी और 31 फीसदी है।

उड़ीसा घटना के बाद अब तक केआईआईटी के 300 से अधिक छात्र नेपाल लौटे

काठमांडू

उड़ीसा के भुवनेश्वर में कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय (केआईआईटी) में एक नेपाली छात्रा की आत्महत्या के बाद अब तक वहां अध्ययनरत 300 से अधिक छात्र नेपाल लौट चुके हैं। इन छात्र-छात्राओं का विश्वविद्यालय प्रशासन पर नेपाली छात्रों के साथ दुर्व्यवहार करने और उन्हें हॉस्टल से निलंबित किए जाने का आरोप हैं। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता रामचंद्र तिवारी ने रविवार को बताया कि एक हफ्ते के भीतर पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और बिहार की सीमा से 301 छात्र-छात्राओं के नेपाल वापस आने की खबर है। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल की सीमा काकड़भिट्टा की सीमा से 20, उत्तर प्रदेश की भैरहवा सुनौली सीमा से 36, बिहार के रक्सौल बीरगंज सीमा से 162 तथा बिहार के ही जोगबनी विराटनगर सीमा से 83 छात्रों की वापसी हुई है। वापस आने वाले छात्रों ने स्वीकार किया है कि विश्वविद्यालय प्रशासन और भुवनेश्वर पुलिस की तरफ से उनके पास लगातार फोन और मैसेज आ रहे हैं कि वो वापस आकर अपना हॉस्टल में आकर अपनी पढ़ाई जारी रख सकते हैं। वापस होने वाले छात्रों ने यह भी बताया कि भुवनेश्वर पुलिस ने उनकी पूरी सुरक्षा की जिम्मेवारी भी ली है। उड़ीसा से काठमांडू लौट कर आई केआईआईटी में कम्प्यूटर इंजीनियरिंग की चौथे सेमेस्टर की छात्रा सौम्या झा ने बताया कि नेपाली छात्रा की मौत के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से नेपाली छात्रों के साथ जिस तरह की मारपीट, गाली गलौज और दुर्व्यवहार किया गया, उसके कारण कई छात्र मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं और दोबारा वापस नहीं जाना चाहते हैं। हालांकि, उड़ीसा सरकार ने इस घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। प्रदेश के गृहमंत्रालय के अतिरिक्त सचिव के नेतृत्व एक तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया है और जांच भी शुरू कर दी है। पुलिस ने नेपाली छात्रों के साथ मारपीट करने वाले दो निजी गार्डों को गिरफ्तार कर लिया है। प्रशासन ने छात्रों के साथ दुर्व्यवहार करने वाले दो प्रशानिक अधिकारियों को निलंबित कर दिया है।

न्यूज ब्रीफ

जनजातीय मामलों के चीनी मंत्री चार दिनों के नेपाल भ्रमण पर काठमांडू पहुंचे

काठमांडू। चीन के जनजातीय मामलों के मंत्री पान यूए चार दिनों के नेपाल भ्रमण पर रविवार को काठमांडू पहुंचे हैं। नेपाल और चीन के बीच बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव समझौते के कार्यान्वयन दस्तावेज पर हस्ताक्षर होने बाद चीन की तरफ से नेपाल में यह पहला मंत्री स्तरीय दौरा है। आदिवासी जनजाति आयोग के अध्यक्ष के निमंत्रण पर चीनी मंत्री पान का यह नेपाल दौरा हो रहा है। आयोग के अध्यक्ष राम बहादुर थापामगर ने बताया कि जनजातीय मामलों के मंत्री पान चार दिनों तक नेपाल में रहेंगे और यहां आयोग के कुछ कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। थापामगर ने कहा कि दिसंबर, 2024 में उनके चीन भ्रमण के दौरान उन्होंने जनजातीय मामलों के मंत्री को नेपाल आने का निमंत्रण दिया था। कोलंबो यात्रा पूरी करके चीनी मंत्री के सुबह काठमांडू पहुंचने पर आदिवासी जनजाति आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों उनका स्वागत किया। अपने काठमांडू भ्रमण के दौरान चीनी मंत्री का नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल, उपराष्ट्रपति राम सहाय यादव, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, सामाजिक कल्याण मंत्री नवलकिशोर शाह से मुलाकात करने का कार्यक्रम है।

पोप फ्रांसिस की हालत बेहद खराब, डॉक्टरों ने बताया जान को खतरा

रोम। पोप फ्रांसिस की हालत शनिवार को गंभीर हो गई और उन्हें लंबे समय तक दमा संबंधी सांस की समस्या बनी रही, जिसकी वजह से उन्हें अधिक मात्रा में ऑक्सीजन की जरूरत हुई। वेटिकन ने एक बयान में कहा कि फ्रांसिस फेफड़ों के संक्रमण के कारण एक सप्ताह से अस्पताल में भर्ती हैं और जांच में पता चला कि उनमें एनीमिया की स्थिति है। फ्रांसिस (88) को 'ब्रोंकाइटिस' की समस्या के बाद 14 फरवरी को रोम के जेमेली अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था और मंगलवार को डॉक्टरों ने उनके दोनों फेफड़ों में निमोनिया का इलाज किया। इसके साथ ही उनकी सांस नली में 'पॉलीमाइक्रोबियल' संक्रमण भी पाया गया था। वेटिकन ने शनिवार को कहा कि डॉक्टरों को उनकी सांस लेने की समस्या के कारण ऑक्सीजन का हाई फ्लो देना पड़ा। इसमें कहा गया कि ब्लड ट्रांसफ्यूजन जरूरी था क्योंकि टेस्ट्स से पता चला कि उनके प्लेटलेट काउंट कम थे, जो एनीमिया से संबंधित है। पोप की मेडिकल टीम ने कहा कि शुक्रवार तक किसी भी तरह के 'सेप्सिस' का कोई संकेत नहीं मिला तथा विभिन्न दवाओं के सेवन का फ्रांसिस पर असर हो रहा है। वेटिकन ने दिन में पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह रविवार को तीर्थयात्रियों के साथ प्रार्थना का नेतृत्व करने के लिए सार्वजनिक रूप से उपस्थित नहीं होंगे, यह लगातार दूसरा सप्ताह है जब वह इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे।

जर्मनी में हो रही वोटिंग, सवाल- ओलाफ शोल्ज क्या बचा पाएंगे कुर्सी

बर्लिन। जर्मनी में रविवार को चुनाव हो रहे हैं। चांसलर ओलाफ शोल्ज की सरकार से गठबंधन के सहयोगियों ने समर्थन वापस ले लिया है, जिस कारण समय से पहले चुनाव कराने पड़ रहे हैं। सर्वे से संकेत मिलता है कि सत्ता में बदलाव होने वाला है। पिछले चुनावों के विपरीत इस बार नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला है। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता चांसलर ओलाफ शोल्ज को पिछले नवंबर में अपने वित्त मंत्री को बर्खास्त कर दिया था, जिसके बाद उन्हें एक बड़ा राजनीतिक झटका लगा। वित्त मंत्री को हटाने के बाद विश्वास मत हुआ, जिसमें वह हार गए और समय से पहले चुनाव कराना पड़ रहा है। इस चुनाव में अरबपति एलन मस्क सार्वजनिक रूप से धुर दक्षिणपंथी अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी (एफडी) का समर्थन कर रहे हैं। एफडी अब इतिहास बनाने की स्थिति में हैं। सर्वे दिखाते हैं कि यह देश की दूसरी सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत बन सकती है। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद किसी धुर दक्षिणपंथी पार्टी के लिए पहली बार ऐसी कामयाबी होगी। ओलाफ शोल्ज की पार्टी एसपीडी ने 2021 का चुनाव जीता था। लेकिन अब उसे एक बड़ी हार का सामना करना पड़ सकता है। सर्वे में गिरावट साफ दिख रही है।

दुर्लभ 'प्रलय की मछली' दिखने के बाद लगाई जा रही अटकलें

मैड्रिड

स्पेनिश शहर लास पालमास के समुद्र तट पर एक दुर्लभ ओरफिश देखी गई। इस मछली को आमतौर पर 'डूम्सडे फिश' यानी 'प्रलय की मछली' कहा जाता है। ओरफिश प्रजाति की मछलियां गहरे समुद्र में पाई जाती हैं और पानी की सतह पर बहुत कम देखी जाती हैं।

इस दुर्लभ मछली के दिखने के बाद कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह मछली अचानक समुद्र किनारे आकर तड़पने लगी और कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। जापानी लोककथाओं और अन्य प्राचीन मान्यताओं में ओरफिश को प्राकृतिक आपदाओं का संकेत माना जाता है। कहा जाता है कि जब यह मछली समुद्र किनारे आती है, तो किसी बड़े भूकंप या सुनामी की आशंका बढ़ जाती है। 2011 में जापान के फुकुशिमा भूकंप से पहले भी समुद्र तटों पर ओरफिश देखी गई थी। आरटी इंडिया ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें यह मछली समुद्र के किनारे तड़पती नजर आ रही है।

इस वीडियो में दिख रहा है कि कुछ लोग इसे वापस पानी में छोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन मछली कुछ ही देर में दम तोड़ देती है। आमतौर पर ओरफिश का आकार काफी बड़ा होता है, लेकिन इस मछली की लंबाई अन्य ओरफिश की तुलना में कम थी। इसकी पहचान इसके अनोखे शरीर और सिर पर मौजूद लाल हड्डी से की गई। ओरफिश के अचानक सतह पर आने और भूकंप के बीच संबंध को लेकर वैज्ञानिकों की अलग राय है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह मछली गहरे समुद्र में 200 से 1,000 मीटर की गहराई में पाई जाती है और जब किसी कारणवश बीमार या कमजोर हो जाती है, तो सतह के पास आ जाती है। 2019 में हुए एक अध्ययन में यह निष्कर्ष निकाला गया कि जापान में ओरफिश के देखे जाने और भूकंप के आने के बीच कोई वैज्ञानिक संबंध नहीं है। कई विशेषज्ञ इसे केवल एक संयोग मानते हैं और दावा करते हैं कि ओरफिश के तट पर आने का कारण उसका बीमार या रास्ता भटक जाना होता है।

अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में अस्पताल के अंदर गोलीबारी, बंदूकधारी की मौत

वाशिंगटन। अमेरिकी राज्य पेंसिल्वेनिया के यॉर्क में स्थित यूपीएमसी मेमोरियल मेडिकल फैसिलिटी में एक शूटर ने फायरिंग कर दी। शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार हमलावर को मौके पर ही सुरक्षा बलों ने मार गिराया। अस्पताल प्रशासन ने पुष्टि की कि सभी मरीज सुरक्षित हैं। अन्य घायलों की स्थिति को लेकर तुरंत कोई जानकारी नहीं मिली। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है और सुरक्षा बढ़ा दी गई है। यूपीएमसी की वाइस प्रेसिडेंट ऑफ पब्लिक रिलेशंस सुसान मैनको ने ईमेल के जरिए जानकारी दी कि गनमैन को काबू कर लिया गया है, और किसी भी मरीज को चोट नहीं आई है। अस्पताल अब सुरक्षित है। यह स्थिति अभी भी विकसित हो रही है। कानून प्रवर्तन एजेंसियां मौके पर हैं और स्थिति को संभाल रही हैं। घटना के दौरान इलाके के लोगों को एक अलर्ट भेजा गया। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने इस अलर्ट की तस्वीरें साझा कीं। एक यूजर ने लिखा, ऐसा अलर्ट जिसे कोई भी अपनी स्क्रीन पर देखना नहीं चाहता, खासतौर पर तब जब आप काम पर हों। यॉर्क, पेंसिल्वेनिया के यूपीएमसी मेमोरियल अस्पताल में फायरिंग, वहीं, एक अन्य यूजर ने पोस्ट किया, यह घटना मेरे अपार्टमेंट से महज पांच मिनट की दूरी पर हुई। दो पुलिस अधिकारियों को गोली लगी है, एक संदिग्ध को मार गिराया गया है।

मस्क ने धमकाया कहा- वर्क रिपोर्ट दो नहीं तो नौकरी से कर देंगे छुट्टी

वॉशिंगटन

डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डोजी) के प्रमुख एलन मस्क ने सरकारी कर्मचारियों एक हफ्ते का कामकाजी ब्यौरा मांगा है। साथ उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर काम का ब्यौरा नहीं देते हैं तो मान लिया जाएगा कि उन्हेंने इस्तीफा दे दिया है और उन्हें नौकरी से बाहर कर दिया जाएगा।

मस्क ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, राष्ट्रपति के निर्देशों के मुताबिक सभी सरकारी कर्मचारियों को एक मेल मिलेगा। आपसे निवेदन है कि बात को समझें और पिछले सप्ताह के कामकाज का ब्यौरा दें। ऐसा ना करने पर उनका इस्तीफा मान लिया जाएगा।

मस्क ने एक्स पर की गई पोस्ट में यह नहीं बताया कि इसकी डेडलाइन क्या है। बता दें कि शुक्रवार को ही रक्षा विभाग में सिविलियन वर्कफोर्स कम किया गया था। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप की सरकार में उन्हें सरकार का आर्थिक बोझ कम करने की जिम्मेदारी दी गई है। नई सरकार बनने के बाद कई विभागों मे छंटनी हो चुकी है।

एलन मस्क ने हाल ही में भारत में टेस्ला की फैक्ट्री लगाने का भी ऐलान किया है। इस मामले में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर मस्क ऐसा करते हैं तो यह अमेरिका के प्रति अन्याय होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में 13 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक से कुछ घंटे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की थी। ट्रंप प्रशासन ने कई अन्य विभागों में भी लोगों को नौकरियां छीन ली हैं।

बता दें कि डीओजीई नाम का नया विभाग डोनाल्ड ट्रंप ने बनाया है जो कि स्वतंत्र रूप से काम करता है। चुनाव के दौरान डोनाल्ड ट्रंप की खुलकर मदद करने वाले एलन मस्क को बड़ी जिम्मेदारी भी दे दी गई। डोनाल्ड ट्रंप ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि वह बहुत अच्छा काम कर रहे हैं और उन्हें और भी आक्रामक होना पड़ेगा।

बर्लिन में बेस्ट लीडिंग अवार्ड

बर्लिन में बेस्ट लीडिंग अवार्ड का अवार्ड इंटरनेशनल फिल्म फैस्टीवल में दिखाती हुई अभिनेत्री रोस बायरनी।

इटली की पीएम मेलोनी का तंज- ट्रम्प की जीत से लेफ्ट बुरी तरह हताश और परेशान

वॉशिंगटन

इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने शनिवार को लेफ्टिस्ट लीडर्स पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए उनकी कड़ी आलोचना की है। मेलोनी ने कहा कि जब 90 के दशक में बिल क्लिंटन और टोनी ब्लेयर ने ग्लोबल लेफ़्टिस्ट लिबरल नेटवर्क बनाया तो उन्हें स्टेट्समैन कहा गया लेकिन जब ट्रम्प, मेलोनी, माइली (अर्जेंटीना के राष्ट्रपति) या मोदी बात करते हैं तो उन्हें लोकतंत्र के लिए खतरा बताया जाता है।

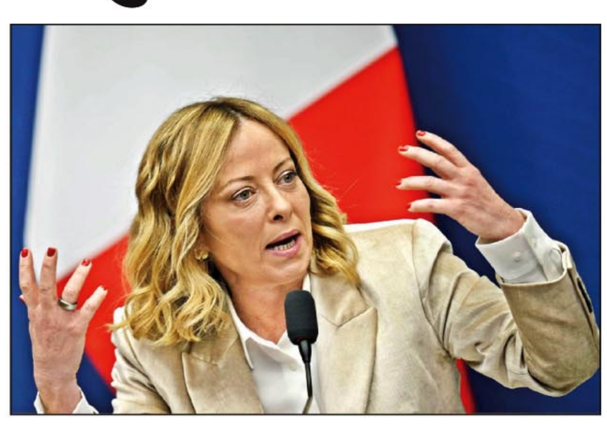

वॉशिंगटन के कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस (सीपीएसी) में एक वीडियो लिंक के माध्यम से जुड़ी इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि ट्रम्प की जीत से लेफ्ट बुरी तरह हताश और परेशान है। ऐसा इसलिए नहीं है कि कंजर्वेटिव्स जीत रहे हैं, बल्कि कंजर्वेटिव्स अब वैश्विक स्तर पर एक साथ आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज जब ट्रम्प, मेलोनी, माइली या मोदी बात करते हैं तो इसे लोकतंत्र के लिए खतरा बताया जाता है। उन्होंने इसे दोहरा मानदंड बताते हुए कहा कि उन्हें अब इसकी आदत पड़ चुकी है और जनता भी इस झूठ पर यकीन नहीं करती। जनता हमें वोट कर रही है। उन्होंने कहा कि हम शासन नहीं, बल्कि जनता की सेवा कर रहे हैं।

मेलोनी ने कहा कि हमारी सरकार इटली को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर स्थान दिलाने के लिए लगातार काम कर रही है। हम दुनिया में अपनी भूमिका को एक बार फिर वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करने के लिए इटली को बेहतर बना रहे हैं।

इजराइल ने फलस्तीनी कैदियों की रिहाई रोकी कहा- हमारे बंधकों का अपमान किया

तेलअवीव

इजराइल ने कहा है कि सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों की रिहाई तब तक नहीं की जाएगी जब तक कि गाजा में बंधक बनाकर रखे गए और लोगों की रिहाई सुनिश्चित नहीं हो जाती तथा बंधकों को अपमानजनक तरीके से सौंपना बंद नहीं किया जाता। बता दें कि हमास ने छह इजराइली बंधकों को शनिवार को रिहा कर दिया था। इसके तुरंत बाद 620 फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाना था लेकिन अभी तक ऐसा नहीं किया गया है। शनिवार को रिहा किए गए छह बंधकों में से पांच को नकाबपोश सशस्त्र चरमपंथी, भीड़ के सामने मंच पर लाए जिसके बाद उन्हें रिहा किया गया। बंधकों को सौंपे जाने के इस तरीके की संयुक्त राष्ट्र और अन्य संगठनों ने निंदा की है।प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने यह बयान रविवार को उस समय दिया जब कैदियों को ले जा रहे वाहन 'ऑफर जेल' के मुख्य द्वार से बाहर निकलने के बाद अंदर लौट गए।

हमास ने जीवित बचे संभवत: अंतिम छह बंधकों को युद्ध विराम के प्रथम चरण के तहत रिहा कर दिया है। कैदियों की रिहाई में देरी की इजराइल की घोषणा ने युद्धविराम समझौते के भविष्य को

लेकर अचानक और संदेह पैदा कर दिया है। हमास द्वारा छोड़े गए छह बंधकों में से तीन इजराइली पुरुष हैं, जिन्हें नोवा संगीत समारोह से उस समय कैद किया गया था, जब सात अक्टूबर 2023 को हमास के चरमपंथियों ने हमला किया था। इस हमले के बाद इजराइल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ युद्ध छेड़ा था। बंधकों में से दो को हमास ने लगभग एक दशक तक बंधक रखा। वे दोनों अकेले ही गाजा में घुसे थे। पांचों को मंच पर लाया गया और इसके बाद बचावकर्ताओं को सौंपा गया। इस तरीके को 'रेड क्रॉस' और इजराइल ने क्रूर और अपमानजनक बताते हुए इसकी निंदा की है। ओमर वेंकर्ट, ओमर शेम टोव और एलिया कोहेन को हमास के लड़ाकों के साथ खड़ा किया गया।

मस्क ने चौंकाने वाली तस्वीर शेयर कर कहा- जब बच्चे युद्ध में मर रहे थे तब जेलेंस्की पत्नी संग...

वाशिंगटन। अरबपति एलन मस्क सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर यूक्रेन राष्ट्रपति जेलेंस्की पर हमला कर रहे हैं। टेस्ला के सीईओ ने अपने एक्स सोशल नेटवर्क पर ज़ेलेंस्की पर 'यूक्रेनी सैनिकों की लाशों से पैसे कमाने वाली एक बड़ी भ्रष्टाचार मशीन' चलाने का आरोप लगाया है। एक्स पर पोस्ट में, उन्होंने फैशन मैग्जीन वैगू का कवर शेयर किया है। इसमें ज़ेलेंस्की और उनकी पत्नी ओलेना ज़ेलेंस्का दिख रहे हैं। यह तस्वीर जुलाई 2022 की है। फैशन मैग्जीन ने यूक्रेन की पहली महिला पांच तस्वीरें छापी थीं। इनमें से दो तस्वीरों में खुद ज़ेलेंस्की भी थे। कवर का शीर्षक था, पोरट्रेट ऑफ ब्रेवरी: यूक्रेंस फस्ट लैडी, ओलेना जेलेंस्की। मस्क ने इन तस्वीरों को एक्स पर शेयर किया है। साथ ही उन्होंने जेलेंस्की पर इतने दिनों से चुनाव न कराने और विपक्षी पार्टियों को बैन को पर 'तानाशाह' करार दिया है। मस्क ने एक्स पर जेलेंस्की की तस्वीरों को शेयर करते हुए कहा, 'उन्होंने यह तब किया, जब बच्चे युद्ध के मोर्चे पर मर रहे थे।' मस्क ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, उन्हें पता था कि वे सभी यूक्रेनी मीडिया पर नियंत्रण करने के बावजूद भारी मतों से हारेंगे, इसलिए उन्होंने चुनाव रद्द कर दिया। वास्तव में, यूक्रेन के लोग उनसे नफरत करते हैं। बता दें कि ज़ेलेंस्की को 2019 में पांच साल के कार्यकाल के लिए चुना गया था। हालांकि, हाल ही में यूक्रेन ने रूस समर्थक राजनीतिक दलों द्वारा हस्तक्षेप का दावा करते हुए चुनाव स्थगित कर दिए हैं।

कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य ने संगम में लगायी पुण्य की डुबकी, सीएम योगी ने लिया आशीर्वाद

महाकुम्भ नगर, (हि.स.)। कांची कामकोटि पीठाधीश्वर शंकराचार्य विजयेन्द्र सरस्वती रविवार को प्रयागराज पहुंचे। शंकराचार्य ने दक्षिण भारत से आये वैदिक विद्वानों के साथ संगम में डुबकी लगाकर मां गंगा की पूजा अर्चना की। बता दें, शंकराचार्य विजयेन्द्र सरस्वती दक्षिण भारतीय विद्वान ब्राह्मणों के एक दल के साथ तिरुचिरापल्ली हवाई अड्डे से विशेष विमान से चलकर 10:30 बजे बमरौली एयरपोर्ट पहुंचें। संगम स्नान के बाद उन्होंने बड़े हनुमान मंदिर में दर्शन-पूजन किया। शंकराचार्य अपने साथ 50 किलो सोने का मंदिर भी लाये हैं, जिसे शिविर में रखकर विशेष पूजन व अनुष्ठान किया जाएगा। शंकराचार्य शंकर विमान मंडपम में भी पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री योगी करेंगे आध्यात्मिक चर्चा : महाकुम्भ पहुंचे कांची कामकोटि पीठाधीश्वर शंकराचार्य विजयेन्द्र सरस्वती से मुलाकात करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रयागराज पहुंच चुके हैं। सेक्टर 20 स्थित शंकराचार्य शिविर में सीएम योगी शंकराचार्य से भेंट की और उनका आशीर्वाद लिया। शंकराचार्य ने माला पहनाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री शंकराचार्य से आध्यात्मिक चर्चा करेंगे। शंकराचार्य से मुलाकात के बाद सीएम डीपीएस हेलीपैड पहुंचेंगे और वहां से लखनऊ के लिए रवाना होंगे। कुम्भ भूमि पर 57वें प्राकट्य महोत्सव की हुई शुरूआत : श्रीकांची कामकोटि पीठाधीपति जगद्गुरू शंकराचार्य विजयेन्द्र सरस्वती महाराज का 57वां प्राकट्य महोत्सव का शुभारम्भ महाकुम्भ मेला क्षेत्र में 21 फरवरी से शुरू हो गया। सात दिवसीए प्राकट्य महोत्सव समारोह के दौरान प्रतिदिन अलग-अलग प्रकार के हवन यज्ञ किये जायेंगे। समस्त कार्यक्रम महाकुम्भ मेला क्षेत्र के सेक्टर 20 स्थित श्री कांची कामकोटि के शिविर में संपन्न होंगे। कांची कामकोटि के प्रतिनिधि वी.एस.सुब्रमण्यम मणि ने बताया कि प्राकट्य महोत्सव के दौरान 21 फरवरी को परमेश्वरी हवन,वेद पारायण और कृष्ण सहस्रनाम पारायण होगा। इसके बाद 22 फरवरी को महासुदर्शन हवन, 23 फरवरी को विष्णु यज्ञ, गरूड़ मंत्र होगा। 24 फरवरी को महालक्ष्मी होगा। वहीं 25 फरवरी को गो पूजा, अवन्ती होम, मृत्युंजय होम किया जायेगा। 26 फरवरी को आदि रूद्र महायज्ञ, विघ्नेश्वर पूजा व चण्डी पूजा होगी। 27 फरवरी को पूणार्हुति के साथ महोत्सव संपन्न होगा।

काशी-तमिल संगमम काशी और तमिलनाडु के बीच विशेष सदियों पुराने जुड़ाव का उत्सव : एस. जयशंकर

-विदेश मंत्री ने पचास देशों के राजदूत और डिप्लोमेट्स के साथ संगमम में लिया भाग
-तमिल प्रतिनिधियों और विदेशी राजनयिकों के साथ किया संवाद

वाराणसी, (हि.स.)। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि काशी-तमिल संगमम काशी और तमिलनाडु के बीच विशेष सदियों पुराने जुड़ाव का उत्सव है। प्राचीन नगरी काशी दुनिया के सबसे पुराने शहरों में से एक है। पूरे भारत के लिए काशी एक तरह से सांस्कृतिक मैग्नेट की तरह है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने काशी-तमिल संगमम आयोजित करने का जब फैसला किया था, तो इसका उद्देश्य यह था कि भारत संस्कृतियों, भाषाओं और परंपराओं का संगम बने। विदेश मंत्री रविवार को काशी तमिल संगमम के तीसरे संस्करण में तमिलनाडु से आए प्रतिनिधियों और विदेशी राजनयिकों के साथ संवाद कर रहे थे। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के ओंकार नाथ ठाकुर सभागार में ह्लपरंपरा, प्रौद्योगिकी और विश्व, विषय पर आयोजित अकादमिक सत्र में विदेश मंत्री ने तमिल भाषा में वणक्कम काशी कहकर प्रतिनिधियों का स्वागत किया। काशी की प्राचीनता और आध्यात्मिकता का जिक्र कर विदेश मंत्री ने कहा कि देश की आध्यात्मिक राजधानी वाराणसी में विदेशी राजदूतों के साथ जुड़कर, संगमम में भाग लेते हुए प्रतिनिधियों के साथ बातचीत कर बेहद प्रसन्नता हो रही है । विदेश मंत्री ने तमिलनाडु और काशी के बीच गहरे सांस्कृतिक संबंधों का भी उल्लेख किया। कहा कि काशी तमिल संगमम में तमिलनाडु से बड़ी संख्या में प्रतिनिधि आए हैं। तमिल महाकवि सुब्रमण्यम भारती का उल्लेख कर विदेशमंत्री ने कहा कि भारती जी काशी में रहते थे और उनकी बहुत सी रचनाएं काशी में ही हुई थीं। विदेश मंत्री ने काशी तमिल संगमम की थीम ऋषि अगस्त्य का उल्लेख कर बताया कि वे भारत के सात बड़े ऋषियों में से एक थे। तमिल व्याकरण वास्तव में मुनि अगस्त्य की ओर से रचित था और उन्हें चिकित्सा के स्कूल- सिद्धि की स्थापना का श्रेय भी जाता है। गौरतलब हो कि काशी तमिल संगमम के इस अकादमिक सत्र में 45 देशों के राजदूत और डिप्लोमेट्स ने भी भाग लिया।

विदेश मंत्री आईआईटी बीएचयू के छात्रों से भी करेंगे संवाद - विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर आईआईटी बीएचयू के विभिन्न विभागों और अनुसंधान प्रयोगशालाओं का दौरा करेंगे। इस दौरान वह छात्रों, संकाय सदस्यों और शोधकताओं से बातचीत कर भारत की विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रगति पर चर्चा करेंगे। संवाद के दौरान विदेश मंत्री छात्रों को विदेश नीति से अवगत करा नए शोध और अनुसंधान के लिए प्रेरित भी करेंगे।

जैविक खेती कर आकर्षण का केन्द्र बने बीटेक युवा किसान दुष्यंत सिंह

बलिया, (हि.स.)। खेती को दोयम दर्जे का काम मानकर कुछ युवा जहां नौकरी की तलाश में भटक रहे हैं, वहीं बीटेक करने के बाद बड़े पैकेज की नौकरी छोड़ बलिया के युवा ने खेती किसानी को चुना है। हैरत की बात तो यह है कि युवा किसान ने कामयाबी की ऐसी इबारत लिखी है कि देश के शीर्ष नेता भी उनकी सराहना कर रहे हैं।

जिले के बसन्तपुर निवासी बीटेक डिग्रीधारी युवा दुष्यंत सिंह ने इस बार 65 बीघे में काला नमक धान की आर्गेनिक खेती की है। जिसमें कुल नौ लाख की लागत आयी है। उनके अनुसार अभी तक 26 लाख रुपए की बिक्री कर चुके हैं। दुष्यंत धान की चर्चित प्रजाति के साथ ही आलू की भी प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। इसे कुफरी सिंदूरी प्रजाति के नाम से जाना जाता है। आलू की खेती कुल साढ़े तीन बीघे में की गई है। दुष्यंत खेती के लिए बाजार से गुड़ के अलावा कुछ भी नहीं खरीदते हैं।

खास बात यह है कि उनकी खेती गाय पर आधारित है। गाय के गोबर से ही अपनी खेती को लहलहा रहे हैं। उन्होंने बताया कि खेती में बाजारू खाद का उपयोग नहीं किया जाता है। बावजूद इसके बंपर पैदावार के साथ शुद्ध अनाज मिलता है। इधर, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश सिंह जो इन दिनों गृह जनपद के प्रवास पर हैं। उन्होंने युवा किसान शहर से सटे बसन्तपुर निवासी दुष्यंत सिंह की खेती किसानी में कामयाबी को देखने पहुंच गए। हरिवंश सिंह ने दुष्यंत के कृषि कार्य को बारीकी से देखा। साथ ही जमकर सराहना की। युवा किसान दुष्यंत सिंह की कहानी हर युवा के लिए प्रेरणा बन सकती है। उन्होंने न केवल खेती को एक अलग आयाम दिया बल्कि 10 लोगों के लिए रोजगार का बड़ा साधन भी बने हैं। गाय पर आधारित यह कृषि हर किसी के लिए प्रेरणास्रोत बन गई है। यहां तक की आसपास के लोग भी खेती की तरफ रुख करते दिखाई दे रहे हैं।

श्रवण कुम्भ में वरिष्ठजनों को उपलब्ध कराया 1847 उपकरण

-प्रदेश भर के निराश्रित वरिष्ठजनों को विभाग करा रहा है संगम स्नान

लखनऊ, (हि.स.)। समाज कल्याण विभाग की पहल पर कुम्भ क्षेत्र के सेक्टर- सात में वरिष्ठजनों के लिए श्रवण कुम्भ का आयोजन हो रहा है। इसमे वरिष्ठजनों के स्वास्थ्य परिक्षण के उपरान्त उन्हें विभिन्न उपकरण निःशुल्क दिए जा रहे हैं। समाज कल्याण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने रविवार को बताया कि अभी तक 1847 उपकरण वरिष्ठजनों को निःशुल्क प्रदान किया गया है। इसमें कान की मशीन, कमर की बेल्ट, घुटने की बेल्ट, छड़ी, व्हील चेयर, स्पाइनल सपोर्ट, कॉलर सर्फिकल शामिल हैं। कुम्भ क्षेत्र में तैनात समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक एके सिंह ने बताया कि एम्स दिल्ली, झारखण्ड के अतिरिक्त पीजीआई लखनऊ और चंडीगढ़ के डॉक्टर श्रवण कुम्भ में अपनी सेवाएं दे रहे है। इसके साथ ही केरल, राजस्थान, कर्नाटक, राजस्थान, पंजाब से आये डॉक्टर भी मरीजों का निःशुल्क परीक्षण कर रहे हैं। स्वास्थ्य परीक्षण के लिए समाज कल्याण विभाग के पंडाल में ओपीडी का संचालन किया जा रहा है। समाज कल्याण विभाग कुम्भ क्षेत्र में एक सौ बेड के अस्थायी वृद्धाश्रम का संचालन कर रहा है। इसमें विभाग द्वारा संचालित वृद्धाश्रमों में निवास करने वाले निराश्रित वरिष्ठजनों को लाकर संगम स्नान कराया जाता है।

किसानों के समृद्धि के लिए भाजपा की सरकारें कटिबद्ध : भूपेन्द्र चौधरी

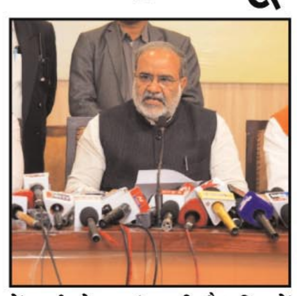

लखनऊ, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने बजट पर पत्रकार वार्ता में कहा कि किसानों के विकास एवं समृद्धि के बगैर भारत का विकास अधूरा है। भाजपा की सरकारें किसानों की समृद्धि के लिए कटिबद्ध हैं। केन्द्र सरकार ने विकास कार्यों का बजट बनाते हुए किसानों का पहला ध्यान रखा है। भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सदैव ही देश के किसानों का ध्यान रखा है। सरकार ने किसानों के हित में कई योजनाएं लायी है। जिसमें किसान क्रेडिट कॉर्ड योजना भी है। अभी किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा भी तीन लाख रूपयों से बढ़ाकर पांच लाख कर दी गई है। भाजपा के प्रदेश कार्यालय पर अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी ने कहा कि भारत का विकसित राष्ट्र बनना तय है। निवेश बढ़ाकर भारत को आर्थिक शक्ति बनाने की ओर भी अग्रसर है। बजट आने के बाद देश में करदाताओं और मध्यम वर्ग को बड़ा लाभ मिला है। बारह लाख रूपयों तक टैक्स नहीं भरने के निर्णय से मध्यम वर्ग के चेहरों पर प्रसन्नता आयी है। सबका साथ सबका विकास की सोच का बजट में भी ध्यान रखा गया।

72 डीएवी स्कूलों में विधिक साक्षरता क्लब शुरू

रांचीर, (हि.स.)। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से राज्य के सभी डीएवी स्कूलों में विधिक साक्षरता क्लब का वर्चुअल उद्घाटन रविवार को किया गया। इस कार्यक्रम की शुरूआत हाई कोर्ट के न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद, और कार्यकारी अध्यक्ष, झालसा और न्यायाधीश प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, न्यायाधीश, झारखंड उच्च न्यायालय ने किया। कार्यक्रम में झारखंड के सभी 72 डीएवी स्कूलों में विधिक साक्षरता क्लबों का वर्चुअल उद्घाटन किया गया। साथ ही राज्य स्तरीय चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता के विजयी विद्यार्थियों एवं अन्य को सम्मानित किया गया।

साथ ही झालसा के प्रोजेक्ट सुरक्षा का शुभारंभ किया गया, जो डायन प्रथा और जादू-टोने के शिकार महिलाओं एवं पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए प्रभावी पहल है। कार्यक्रम में हाई कोर्ट के न्यायाधीश प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि विधिक साक्षरता को जगाने का काम हाई कोर्ट के न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद ने किया। उन्होंने कहा कि विधिक साक्षरता क्लब का उदेश्य वंचित बच्चों को एक मंच उपलब्ध कराना एवं उन्हें मुख्य धारा में लाना है। इस मंच के माध्यम से बच्चे अपने आसपास की समस्याओं को रख सकते हैं और उनका समाधान प्राप्त कर सकते हैं।

मौके पर हाई कोर्ट के - न्याायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद ने कहा की स्कूलों में विधिक साक्षरता क्लब की स्थापना करना नालसा का उदेश्य है जिसे झालसा ने आगे बढ़ाया है और हमने न केवल एक या दो बल्कि, सभी डीएवी स्कूलों में इसकी स्थापना करने के बारे में सोचा। इसका मुख्य उदेश्य है सुदूर क्षेत्रों में भी विधिक साक्षरता क्लब की स्थापना करना। उन्होंने कहा की राज्य तब तक विकास नहीं कर सकता जब तक की सुदूर क्षेत्रों का विकास न हो। अगर लोगों को जागरूक नहीं किया जाएगा तो उन्हें सशक्त नहीं बनाया जा सकता है। इस अवसर पर हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्री के अन्य पदाधिकारी, डीएवी स्कूलों के सहायक क्षेत्रीय अधिकारी, डीएवी के प्रधानाचार्य, डालसा के पीएलवी और छात्र समेत अन्य मौजूद थे।

राजद से 50 हजार लोगों को जोडना लक्ष्य : कैलाश

रांची, (हि.स.)। राजधानी रांची के कोकर स्थित रामलखन सिंह यादव कॉलेज रांची के पास रविवार को झारखंड प्रदेश राजद के नेताओं ने सदस्यता अभियान चलाया। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव मौजूद थे। इस अवसर पर कई लोगों ने राजद की सदस्यता ली। पार्टी में शामिल होनेवाले लोगों को पार्टी के प्रदेश महासचिव कैलाश यादव ने सदस्यता दिलाई। इस मौके पर कैलाश यादव ने कहा कि रांची महानगर में 50 हजार सदस्यों को पार्टी से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। उल्लेखनीय है कि राजद का सदस्यता अभियान राज्य के सभी जिलों में चल रहा है। कार्यक्रम में पार्टी नेता रामकुमार सिंह यादव, सुधीर गोप, अधिवक्ता कृष्ण कुमार, श्याम सुंदर यादव, सुनील टोप्पो, विभाकार कुमार, ललन यादव, कपिलदेव सिंह और अनिल सहित अन्य मौजूद थे।

मैट्रिक परीक्षा पेपर लीक के बाद पुलिस अंधेरे में तीर चला रही है : बाबूलाल

रांची, (हि.स.)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि मैट्रिक परीक्षा पेपर लीक के बाद पुलिस अंधेरे में तीर चला रही है। सरकार या पुलिस प्रशासन अब तक तय नहीं कर पाई है कि मैट्रिक पेपर लीक मामले की जांच सीआईडी करेंगी एसआईटी। मरांडी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि इस बीच सूचना है कि पुलिस ने एक ही नाम के दो युवकों की गिरफ्तारी की है। अब तक कथित रूप से कोडरमा, मधुपुर से प्रिंस नाम के दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है, तीसरे प्रिंस नाम के युवक की भूमिका भी पुलिस मान रही है। यदि इन्हें आरोपी के सहनाम के कारण गिरफ्तार या पूछताछ के लिए थाना लाया गया है, तो पुलिस इनसे संवेदनशीलता के साथ पेश आए। चूंकि जेएसएससी-सीजीएल मामले में झारखंड पुलिस के डीजीपी जांच की अंतिम रिपोर्ट आने से पहले ही बयान जारी कर छात्रों को दोषी ठहरा चुके हैं। इसलिए संभावना है कि मैट्रिक पेपर लीक मामले की लीपापोती कर निर्दोष लोगों के ऊपर आरोप मढ़ दिया जाए। उन्होंने कहा है कि राज्य सरकार, जैक और पुलिस के प्रतिनिधि उन लाखों छात्रों के सामने आकर मैट्रिक परीक्षा के पेपर लीक होने की माफी मांगे। साथ ही, उक्त प्रकरण के जांच की जानकारी सार्वजनिक करें। जांच के नाम पर निर्दोष युवाओं के साथ पुलिस की ज्यादती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सड़क से लेकर सदन तक इसका करारा जवाब दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री का सोमवार को बिहार दौरा, पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त करेंगे जारी

-बिहार के लिए 2,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की भी होगी घोषणा

पटना, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को बिहार के भागलपुर में एक दिवसीय दौरे पर पहुंच रहे हैं। इस दौरान वह आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनाव अभियान की शुरूआत करेंगे। साथ ही पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त जारी किसानों के खातों में भेजने के अलावा प्रधानमंत्री द्वारा करीब 2,000 करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं की घोषाणाएं भी की जाएंगी। इस विशाल रैली में भागलपुर और पड़ोसी जिले बांका, मुंगेर और लखीसराय के करीब पांच लाख किसानों के शामिल होने की संभावना है। प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर भाजपा और राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) के नेता और कार्यकर्ता उत्साहित हैं। भाजपा के तमाम बड़े नेता पहले ही भागलपुर का दौरा कर तैयारियां का जायजा ले चुके हैं। प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल ने लोगों से अपील की है कि वह प्रधानमंत्री की सभा में आएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को भागलपुर के हवाई हड्डा मैदान में किसानों के कल्याण, उनकी खुशहाली और समृद्धि के लिए एक ऐतिहासिक जनसभा को संबोधित करने आ रहे हैं। सभी बिहारवासियों से अनुरोध है कि लाखों की तादाद में पधारकर प्रधानमंत्री के संबोधन को सुनें और किसानों की खुशहाली के बारे में संवाद करें।

सुरक्षा के रहेंगे कड़े इंतजाम - उधर प्रधानमंत्री की जनसभा को लेकर सुरक्षा को लेकर कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। हवाई अड्डा मैदान को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा कर्मी तैनात कर दिये गए हैं। सुरक्षा-व्यवस्था की कमान एसपीजी ने संभाल ली है। प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर ट्रैफिक में बड़ा बदलाव किया गया है। भागलपुर के हवाई अड्डा मैदान स्थित सभा स्थल तक पहुंचने के लिए लोगों को कम से कम एक किलोमीटर सफर करना होगा। तिलका मांझी चौक से हवाई अड्डा तक नो ट्रैफिक जोन रहेगा। लोग सिर्फ पैदल आ-जा सकेंगे।

बड़े वाहनों के शहर में प्रवेश की इजाजत नहीं होगी। हालांकि एंबुलेंस को नहीं रोका जाएगा ,लेकिन एंबुलेंस में अनावश्यक हूटर बजाने पर कार्रवाई होगी। नवगछिया की ओर से आने वालों के लिए पार्किंग की व्यवस्था हाउसिंग बोर्ड परिसर और सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के बगल में की गई है। सभा स्थल के चारों ओर छोटे-बड़े पार्किंग की व्यवस्था की गई है। इसमें 3,500 बस और 8,000 छोटी गाड़ियों का पड़ाव कर सकेंगे। अजगैवीनाथ की ओर से आने वाले वाहनों की टोल प्लाजा के पास पार्किंग होगी। हाउसिंग बोर्ड से 600 मीटर की दूरी पर हवाई अड्डा स्थल है।

कहलगांव की ओर से आने वाले वाहनों का पड़ाव इंजीनियरिंग कालेज, ट्रिपल आईटी में होगा। यहां पेयजल की व्यवस्था होगी। भागलपुर के डीएम डॉ. नवल किशोर चौधरी ने बताया कि 4,000 से अधिक पुलिस बल और दंडाधिकारी को सुपर जोनल और यातायात व्यवस्था को लेकर तैनात किया गया है। उल्लेखनीय है कि भागलपुर, बांका, मुंगेर और लखीसराय राजग के पारंपरिक गढ़ रहे हैं, लेकिन फिर भी राजग अपने निर्वाचन क्षेत्रों को और मजबूत करना चाहती है। 2014 के लोकसभा और 2015 के विधानसभा चुनावों के दौरान ही जब जदयू, राजग का हिस्सा नहीं था, उस समय भाजपा ने भागलपुर और बांका लोकसभा सीटें राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के हाथों खो दी थीं। पार्टी ने 2015 के विधानसभा चुनावों में तत्कालीन नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले महागठबंधन के हाथों सभी नौ विधानसभा सीटें भी खो दीं थीं।

मोतिहारी एसपी ने रिश्वतखोर दारोगा को किया निलंबित

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। एसपी स्वर्ण प्रभात ने पताही थाना में पदस्थापित एक रिश्वतखोर दारोगा को निलंबित कर दिया है। उक्त दारोगा अखिलेश कुमार सिंह का रिश्वत लेते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा था। वायरल वीडियो में दारोगा एक महिला से केस में मदद करने के लिए दस हजार रुपए की मांग रहे हैं, जबकि महिला दारोगा के सामने गिड़गिड़ाते हुए महज पांच हजार रुपये होने की बात कह रही है। वीडियो दारोगा महिला से यह कहते सुने जा रहे है,कि जो तय है,वही देना होगा।इसके बाद दारोगा अखिलेश कुमार सिंह महिला से पांच हजार रुपए ले लेते हैं। बाकी का तय रुपया लेकर आने की बात कहते हैं। इतना ही नहीं दारोगा वायरल वीडियो में यह भी कहते हैं कि तय पैसा में सब मेरा ही थोड़े है, इसमें इंस्पेक्टर साहब की राशि भी तय है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद एसपी ने पकड़ीदयाल डीएसपी को जांच का आदेश दिया।जांच में पूरा वाकया सच पाये जाने के बाद तत्काल प्रभाव से रिश्वतखोर दारोगा को निलंबित कर दिया है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि मामले की जांच डीएसपी पकड़ीदयाल के द्वारा कराई गई है, जिसमें दारोगा अखिलेश सिंह के द्वारा पैसे लेने की पुष्टि हुई है। इसके बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया है। पताही थानाध्यक्ष को दारोगा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया गया है। उन्होने कहा कि भष्ट्र व कत्तर्व्यहीन पुलिस कर्मियो पर कारवाई सुनिश्चित होगी।

मुजफ्फरपुर में मछली व्यवसायी को ओवर टेक कर आंख में मिर्च पाउडर झोक सवार बदमाशों ने छीना 25000 कैश

मुजफ्फरपुर, (हि.स.)। जिले में सरैया थाना क्षेत्र के सूपना में रविवार की सुबह मछली कारोबारी मंटू सहनी से अपाची बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने ओवरटेक कर मिर्ची पाउडर आंख में झोंक 25 हजार रुपये कैश छीन लिया और भाग निकले। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। घटना की जानकारी के बाद खुद सरैया सीडीपीओ कुमार चंदन घटना स्थल पहुंचे। घटना के बारे में आसपास के लोगों से पूरी जानकारी ली व्यवसायी से बातचीत की और आसपास लगे सीसीटीवी एवं गुप्तचर के माध्यम से अब बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए जुट गए हैं। मामले में पूछे जाने पर सीडीपीओ कुमार चंदन ने कहा कि मछली का कारोबार करते हैं मंटू सहनी उन्हीं के साथ अज्ञात अपाचे बाइक सवार बदमाशों ने मिर्ची पाउडर आंख में झोंक कर 25,000 कैश छीन लिया । पुलिस अपना काम शुरू कर दी है बहुत जल्द घटना करने वाले बदमाश सलाखों के पीछे होंगे।

चालू वित्त वर्ष में सिग्नेचर ग्लोबल का परिचालन राजस्व हो सकता है तीन गुना

नई दिल्ली

रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष में उसका परिचालन राजस्व कम से कम 2.5 गुना होकर 3,000 करोड़ रुपये से अधिक रहेगा। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि बिक्री के साथ-साथ परियोजनाएं पूरी होने की वजह से हम अपने राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।

कंपनी चालू वित्त वर्ष में 10,000 करोड़ के पूर्व-बिक्री लक्ष्य को पार कर जाएगी

उन्होंने भरोसा जताया कि कंपनी चालू वित्त वर्ष में 10,000 करोड़ रुपये के पूर्व-बिक्री लक्ष्य और 16,000 करोड़ रुपये की पेशकश के लक्ष्य को पार कर जाएगी। उन्होंने कहा कि इस वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाहियों में कंपनी का प्रदर्शन बिक्री बुकिंग, पेशकश, ग्राहकों से संग्रह और डिलिवरी जैसे सभी प्रमुख मापदंडों पर बहुत मजबूत रहा है। कंपनी वित्त वर्ष 2024-25 को मजबूती के साथ समाप्त करेगी।

राजस्व वृद्धि के बारे में उन्होंने कहा कि हमने चालू वित्त वर्ष के दौरान 3,800 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति का अनुमान लगाया था। इस वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में हमारा परिचालन राजस्व पहले ही 1,900 करोड़ रुपये को पार कर चुका है। हमें चौथी तिमाही में भी अच्छी वृद्धि की उम्मीद है।

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान सिग्नेचर ग्लोबल का परिचालन राजस्व पिछले वर्ष की इसी अवधि के 546.19 करोड़ रुपये से 3.6 गुना होकर 1,977.58 करोड़ रुपये हो गया है। 2023-24 में कंपनी का परिचालन राजस्व 1,240.55 करोड़ रुपये रहा था।

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान सिग्नेचर ग्लोबल ने 8,670 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेची हैं, जो एक साल पहले की समान अवधि में दर्ज 3,120 करोड़ रुपये की बिक्री से कहीं अधिक है। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में 10,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल करने का लक्ष्य रखा है, जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा 7,270 करोड़ रुपये था।

न्यूज ब्रीफ

भारत में डिजिटल नेटिव क्षेत्र में अपना कारोबार बढ़ाएगी चेक पॉइंट सॉफ्टवेयर

बैंकॉक। चेक पॉइंट सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के एक चीफ व्यवसायिक अधिकारी ने इस्राइली कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी के साथ साक्षात्कार में एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने बताया कि भारत एक रणनीतिक बाजार है और उनकी कंपनी भारत में डिजिटल नेटिव क्षेत्र में अपने कारोबार को बढ़ा रही है। एशिया प्रशांत और जापान की अध्यक्ष ने अधिकारियों को साइबर सुरक्षा के महत्व पर ध्यान आकर्षित किया और बताया कि भारत में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा संस्थानों को साइबर हमलों का सामना करना पड़ता है। वे भारत को एक रणनीतिक बाजार बताने के साथ ही दो क्षेत्रों में काम करने के लिए अच्छाई की भविष्यवाणी की। चेक पॉइंट कैसे बढ़ रहा है डिजिटल नेटिव क्षेत्र में, इसकी जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि डिजिटल नेटिव के बढ़ते खतरे के साथ, हमारी कंपनी अपनी साइबर सुरक्षा क्षमता को मजबूत कर रही है। हम भारत में बहुत सक्रिय हैं और आनेवाले समय में यहां और भी बढ़ेगी। चेक पॉइंट के अनुसंधान और विकास के केंद्र की स्थापना बेंगलुरु में होने वाली है और इससे न केवल कंपनी का विस्तार होगा, बल्कि भारत में साइबर सुरक्षा क्षमता को भी मजबूत करेगा। चेक पॉइंट के उत्पाद लाइन्स के विकास के साथ-साथ, वह एंटरप्राइज़-ग्रेड नेटवर्क सुरक्षा और स्क्योर एक्सेस सर्विस एज प्रदान करने में भी नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है।

केरल में यूएई कंपनी करेगी 5,000 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। केरल के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, यूएई स्थित शिपिंग और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी शराफ ग्रुप ने राज्य में 5,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की।

शराफ ग्रुप के वाइस चेयरमैन ने कहा कि केरल को इसलिए चुना गया है क्योंकि राज्य सरकार व्यापार को सरल बनाने के लिए कई पहल कर रही है, जो रोजगार के अवसरों में वृद्धि करेगा। कंपनी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की कि वह दो ड्राई पोर्ट पर निवेश करेगी और राज्य को व्यापार के लिए और भी आकर्षक बनाने के लिए कई पहल करेगी। यह निवेश केरल में न केवल रोजगार के अवसर पर वृद्धि करेगा, बल्कि यह भी अन्य कंपनियों को राज्य में निवेश करने के लिए प्रेरित करेगा। इन्वेस्ट केरल ग्लोबल समिट जो शुक्रवार को शुरू हुआ, इसी उद्देश्य से आयोजित किया गया है, और वहाँ क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है जो राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस समिट के माध्यम से नागरिकों के लिए रोजगार के अवसरों में नई किरणें खिली हैं, जो राज्य की आर्थिक स्थिति में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती हैं।

बर्कशायर हैथवेः वित्तीय सफलता की नई ऊंचाइयों पर

नई दिल्ली। बर्कशायर हैथवे के कैश और ट्रेजरी बिल होल्डिंग्स ने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 300 अरब डॉलर से अधिक कमाए, जो अब तक का सबसे उच्च स्तर है।

भारतीय बाजार को इस बड़े भूतपूर्व नकदी संग्रहण की खबर से प्रेरणा मिली है, जिसने विश्लेषकों के ध्यान को आकर्षित किया है। डाउ जोन्स मार्केट डेटा के अनुसार, कंपनी की संपत्तियों में इस मात्रा का वृद्धि 1998 के बाद सबसे अधिक है। बर्कशायर हैथवे के निवेशक वारेन बफेट के वार्षिक पत्र का बेसब्री से इंतजार है, जिसमें उनकी सोच और संभावित निवेश योजनाओं के संकेत मिल सकते हैं। कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट से 2024 के अंत तक की सटीक नकद स्थिति का भी पता चलेगा।

भारतीय ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री का राजस्व बढ सकता है 8-10 प्रतिशत तक

नई दिल्ली। भारतीय ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री का राजस्व वित्त वर्ष 2025-26 में 8-10 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। आईसीआरए की रिपोर्ट के अनुसार, परिचालन मार्जिन 11-12 प्रतिशत के सीमित दायरे में बना रह सकता है। इस वृद्धि का प्रमुख कारण ऑपरेटिंग लिवरेज, प्रति वाहन बढ़ता कंटेंट और वैल्यू एडिशन होगा। हालांकि, कमोडिटी की कीमतों और विदेशी मुद्रा दरों में उतार-चढ़ाव से उद्योग पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। लाल सागर मार्ग में व्यवधान के कारण समुद्री माल ढुलाई दरों में 2023 की तुलना में 2024 में दो से तीन गुना वृद्धि हुई है। यदि यह बढ़ोतरी जारी रही, तो उन ऑटो कंपोनेंट सप्लायरों पर प्रभाव पड़ेगा, जिनका आयात-निर्यात अधिक है। आईसीआरए का अनुमान है कि ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री 2025-26 में 25-30 हजार करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय करेगी, जिसमें क्षमता विस्तार, स्थानीयकरण और ईवी टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन शामिल हैं।

टाटा स्टील ने की 2603 करोड़ की डील, शेयर खरीदने निवेशक हुए बेताब

नई दिल्ली

टाटा स्टील के शेयर शुक्रवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर 2 फीसदी से बढ़कर 140.40 रुपए के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए। शेयरों में इस उछाल के पीछे टाटा स्टील ने टी स्टील होल्डिंग्स पीटीई लिमिटेड के 191 करोड़ से ज्यादा इक्विटी शेयर 30 करोड़ डॉलर यानी 2,603.16 करोड़ रुपए में खरीदे हैं। टी स्टील होल्डिंग्स पीटीई लिमिटेड (टीएसएचपी) घरेलू इस्पात कंपनी टाटा स्टील की सिंगापुर स्थित इकाई है। टाटा स्टील ने एक नियामकीय सूचना में कहा कि कंपनी ने 20 फरवरी को टी स्टील होल्डिंग्स पीटीई लिमिटेड (टीएसएचपी) में प्रत्येक 0.157 डॉलर फेस वैल्यू वाले 1,91,08,28,025 साधारण इक्विटी शेयरों का अधिग्रहण किया है, जो कुल मिलाकर 30 करोड़ डॉलर का है। इस अधिग्रहण के बाद, टीएसएचपी, कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी कंपनी बनी रहेगी।

टाटा स्टील के शेयरों का 52 वीक हाई प्राइस 184.60 रुपए और 52 वीक लो प्राइस 122.60 रुपए है। इसका मार्केट कैप 1,74,643 रुपए है। कंपनी के शेयर पिछले पांच कारोबारी दिन में 5 फीसदी और महीनेभर में 8 फीसदी चढ़ गए। इस साल अब तक इसमें केवल 1 फीसदी की तेजी आई है। छह महीने में यह शेयर 9 फीसदी और 1 साल में 4 फीसदी तक टूटा है। पांच साल में इसका 200 फीसदी से ज्यादा का है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के दौरान समेकित शुद्ध लाभ में सालाना आधार पर 36.37 फीसदी की गिरावट के साथ 326.64 करोड़ रुपए की गिरावट दर्ज की। एक साल पहले की समान अवधि में इसका शुद्ध लाभ 513.37 करोड़ रुपए रहा था। समेकित आधार पर कुल राजस्व चालू वित्त वर्ष में 3.01 फीसदी कम होकर 53,648.30 करोड़ रुपए रहा है।

भारत में पहले महंगे मॉडल लॉन्च करेगी टेस्ला

नई दिल्ली। अमेरिकी उदयोगपति एलन मस्क की इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी टेस्ला इस साल के अंत तक भारत में अपने परिचालन की शुरुआत करने के लिए तैयार है। कंपनी टॉप-डाउन अप्रोच अपनाते हुए पहले महंगे मॉडल लॉन्च करेगी और बाद में किफायती इलेक्ट्रिक कारें बाजार में उतारेगी। टेस्ला अपनी बर्लिन गीगाफैक्ट्री से पूरी तरह से असेंबल्ड मॉडल वाई को भारत में आयात करने की योजना बना रही है। यह इलेक्ट्रिक एसयूवी यूरोप में राइट-हैंड ड्राइव कॉन्फिगरेशन में निर्मित होती है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा घोषित नई आयात शुल्क संरचना के तहत हाई-एंड कारों पर शुल्क को 110 प्रतिशत से घटाकर 70 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके चलते टेस्ला मॉडल वाई की अनुमानित कीमत 60-70 लाख रुपये होगी। हालांकि, शंघाई में निर्मित राइट-हैंड-ड्राइव मॉडल 3 की भारत में जल्द एंट्री की संभावना कम है, क्योंकि चीनी कार आयात पर कुछ प्रतिबंध लागू हैं। औद्योगिक विशेषज्ञों के मुताबिक, वर्तमान में टेस्ला के वाहनों की भारत में स्थानीय असेंबली की कोई योजना नहीं है। हालांकि, भविष्य में परिस्थितियों के अनुसार इन योजनाओं में बदलाव हो सकता है। टेस्ला ने पहले ही पुणे में अपना कार्यालय स्थापित कर लिया है और अब मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) और दिल्ली की एरोसिटी में अपने पहले शोरूम के लिए उपयुक्त स्थानों की तलाश कर रही है। कंपनी भारत में अपने संचालन को मजबूत करने के लिए विभिन्न पदों पर भर्ती कर रही है। टेस्ला ने बिजनेस ऑपरेशन एनालिस्ट, सर्विस टेक्नीशियन, कस्टमर एंगेजमेंट मैनेजर और ऑर्डर ऑपरेशंस स्पेशलिस्ट सहित कम से कम 13 नई भूमिकाओं के लिए विज्ञापन जारी किया है। ये भर्तियां मुख्य रूप से मुंबई और दिल्ली में की जा रही हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका में टेस्ला के सीईओ एलन मस्क से मुलाकात की थी। इस दौरान स्पेस, मोबिलिटी, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई।

ट्रंप ने रुस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करा दिया, तब कच्चे तेल की कीमतों में आएगी गिरावट

रियाद

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार युद्ध को खत्म करने के लिए रूस और यूक्रेन से बात कर रहे हैं। हालांकि ट्रंप के प्रस्ताव के मुताबिक ही युद्ध खत्म होता है, तब वहां यूक्रेन को अपाहिज बना देगा। युद्ध को खत्म करने के लिए ट्रंप इस माह के अंत तक रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात कर सकते हैं। लेकिन उनकी कोशिशों ने यूरोप को हिलाकर रख दिया है। वहीं खाड़ी देश इस युद्ध के खत्म होने से काफी उदास हो सकते हैं, क्योंकि इसका सीधा असर तेल की कीमतों पर होगा है। जानकारों का मानना है कि जब अमेरिका और यूरोपीय संघ ने रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाया, तब तेल की कीमतों पर सीधा असर पड़ा और खाड़ी देशों को बंपर कमाई हुई। ओपेके प्लस ने तेल का उत्पादन कम कर दिया, ताकि तेल की कीमतों में उछाल आए। बता दें कि ओपेक+ तेल उत्पादन करने वाले देशों का संगठन है, जिसका नेतृत्व एक तरह से सऊदी अरब करता है। रुस के सा यूक्रेन का युद्ध अगर खत्म होता हैं, तब इसका सीधा मतलब तेल से लेकर धातु और उर्वरक जैसी जरूरी चीजों के दाम अचानक कम होने वाले है। इसके अलावा प्राकृतिक गैस की कीमतों में भी भारी कमी आएगी। जानकारों ने एक रिपोर्ट का हवाला देकर बताया कि युद्ध खत्म होने से रूस की स्थिति सामान्य होगी और उससे कमोडिटी बाजार का बड़ा हिस्सा फिर से आसानी से उपलब्ध होगा। जाहिर तौर पर तेल कीमतों में भारी कमी आएगी। हालांकि ये काफी हद तक इस पर निर्भर करता है कि क्या अमेरिका, युद्ध खत्म होने के बाद रूस पर लगे प्रतिबंधों को कम करता है या नहीं ट्रंप प्रशासन ने पिछले हफ्ते सऊदी के रियाद में रूसी अधिकारियों से मुलाकात के बाद कहा है कि युद्ध खत्म होने के बाद समझौते के रूप में रूस पर लगाए गये प्रतिबंधों को खत्म किया जाएगा।

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात के बाद अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि संघर्ष की वजह से प्रतिबंध लगाए गये थे और किसी भी संघर्ष को खत्म करने के लिए सभी पक्षों को रियायतें मिलनी चाहिए। जाहिर तौर पर उनका इशारा प्रतिबंधों को लेकर था। वहीं तेल इंडस्ट्री के हिसाब से प्रतिबंध हटने से वे देश, जिन्हें रूसी तेल खरीदना बंद करना पड़ा था, वे फिर से रूसी तेल खरीदना शुरू करने वाले हैं और इससे मिडिल ईस्ट से तेल निर्यात पर इसका असर पड़ेगा।

एमजी विंडसर ने 15,000 यूनिट्स के उत्पादन का आंकड़ा किया पार

कार निर्माता कंपनी एमजी मोटर इंडिया की नई इलेक्ट्रिक एसयूवी एमजी विंडसर ने बड़ा धमाका किया है। कंपनी के अनुसार, एमजी विंडसर ने लॉन्च के चार महीनों के भीतर ही 15,000 यूनिट्स के उत्पादन का आंकड़ा पार कर लिया है। इसे अक्टूबर 2024 में भारतीय बाजार में पेश किया गया था और तब से यह लगातार चार महीने तक बेस्टसेलिंग इलेक्ट्रिक एसयूवी बनी हुई है। सरकारी वाहन पोर्टल वाहन के आंकड़ों के मुताबिक, एमजी विंडसर की 13,000 से अधिक यूनिट्स अब तक बिक चुकी हैं। इसकी हर महीने औसतन 3,000 यूनिट्स की बिक्री हो रही है।

क्वांटम कंप्यूटर तकनीक के क्षेत्र में अगली बड़ी छलांग : पिचाई

पिचाई बोले, उम्मीद है कि भविष्य इसका है और हम इसे हासिल करेंगे

नई दिल्ली

पिछले हफ्ते दुबई में विश्व सरकार शिखर सम्मेलन के दौरान गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने अपने संबोधन में एक बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले जैसे एआई हमारे लिए जो था, वह के हिसाब से क्वांटम कंप्यूटर है। उन्होंने क्वांटम कंप्यूटर को तकनीक के क्षेत्र में अगली बड़ी छलांग बताई। पिचाई ने कहा कि क्वांटम कंप्यूटर को डेवलप करना आधुनिक विज्ञान की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। लेकिन बड़ी कंपनियां इस पर लगातार काम कर रही हैं। हमें पूरी उम्मीद है कि भविष्य इसका है और हम इसे हासिल करेंगे। पिचाई से पहले इस साल की शुरुआत में एनविडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग भी इसको लेकर भविष्यवाणी कर चुके हैं।

उन्होंने कहा था कि क्वांटम कंप्यूटर भविष्य में बहुत उपयोगी बन जाएंगे, लेकिन इसमें अभी भी दशकों लगेंगे। लेकिन इन बयानों के कुछ दिनों बाद टेक की दुनिया की एक और दिग्गज कंपनी माइक्रोसाफट ने बीते दिनों पहले क्वांटम प्रोसेसर, मेजोराना 1 लॉन्च करने की घोषणा की। कंपनी ने बताया कि किसी दूसरे चिप के मुकाबले मेजोराना 1 को पूरी तरह से नए प्रकार के मैटेरियल और पार्टिकल का उपयोग करके बनाया गया है।

त्योहारी मांग और आयात कम होने से तेल-तिलहन की कीमत में आई तेजी

जनवरी में खाद्य तेलों का आयात 10 लाख सात हजार टन था, फरवरी में घटने की संभावना

नई दिल्ली

अगले माह होली त्योहार को देखते हुए मांग बढ़ने और विदेशी तेलों के महंगा होने से आयात में गिरावट के बीच भारतीय बाजार में तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहनों के दाम मजबूत बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह में आयातित पाम-पामोलीन के दाम में वृद्धि हुई है जिससे पाम-पामोलीन का आयात कम हुआ है। जनवरी में खाद्य तेलों का आयात 10 लाख सात हजार टन का हुआ था, जिसके फरवरी में घटकर 9.5 लाख टन रहने की संभावना है। आयातित तेल की कमी को पूरा करने की स्थिति में न तो सरसों है न ही बिनौला।

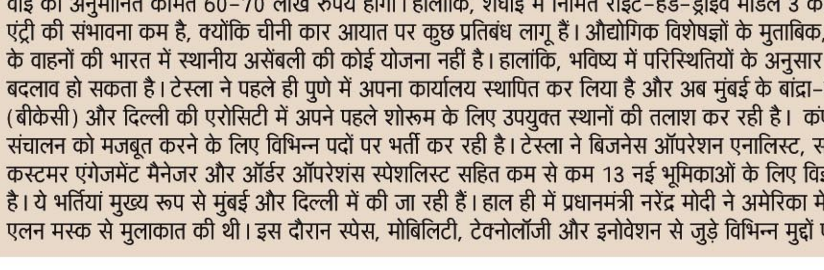

ऐसे में त्योहारों के मद्देनजर सरकार को देखना होगा कि आयात की कमी को कैसे पूरा किया जायेगा। बीते सप्ताह से पहले आयात होने वाले जिस सोयाबीन डीगम तेल का दाम 1,175-1,180 डॉलर प्रति टन था वह बीते सप्ताह बढ़कर 1,195-1,200 डॉलर प्रति टन हो गया। इसी प्रकार पहले जिस सीपीओ का दाम 1,185-1,190 डॉलर प्रति टन था वह बढ़कर बीते सप्ताह 1,200-1,205 डॉलर प्रति टन हो गया। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 5-5 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 4,280-4,330 रुपये और 3,980-4,080 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 350 रुपये, 300 रुपये और 250 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 14,350 रुपये, 13,950 रुपये और 10,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने घोषणा की, भारत-चीन पर लगेंगे जवाबी शुल्क, बाजारों की सुरक्षा और न्याय व्यापारिक प्रवृत्ति को मजबूत करने लिया फैसला

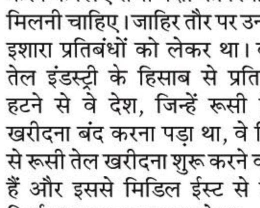

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यहां जानकारी दी कि उनकी सरकार जल्द ही भारत और चीन जैसे देशों पर जवाबी शुल्क लगाएगी। उन्होंने इस निर्णय को प्रमुख बाजारों की सुरक्षा और न्याय व्यापारिक प्रवृत्ति को मजबूत करने के लिए लिया है। ट्रंप ने वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक के शपथ ग्रहण समारोह में कहा कि अगर कोई देश हमसे शुल्क लेता है, तो हम भी उन पर जवाबी शुल्क लगाएंगे। यह बहुत सीधा-साधा नियम है। हम निष्पक्ष होना चाहते हैं, इसलिए जवाबी शुल्क जरूरी है। ट्रंप ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी साफ संदेश भेजकर कहा कि भारत को अमेरिकी जवाबी शुल्क से कोई छूट नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर कोई भी मुझसे बहस नहीं कर सकता। ट्रंप ने यह भी कहा कि कोविड से पहले अमेरिका की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे बेहतरीन थी। लेकिन अब टैरिफिंग बहुत दिलचस्प होने वाली है और इसकी जिम्मेदारी हावर्ड के पास होगी। इस दौरान ट्रंप ने टैरिफ से जुड़ा एक मजेदार किस्सा भी सुनाया। उन्होंने कहा कि पहले 'टैरिफ' मेरा पसंदीदा शब्द था, लेकिन मुझे इसे चौथे नंबर पर रखना पड़ा। मैंने परिवार, प्यार और भगवान को पहले रख दिया। ट्रंप ने मजाकिया लहजे में कहा, भगवान को पहले रखना जरूरी है क्योंकि हम कोई रिस्क नहीं लेना चाहते।

बॉलीवुड के बाद अब हॉलीवुड में दबंगई दिखाएंगे सलमान, शूटिंग सेट का वीडियो लीक

मुंबई,(ईएमएस)। बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान खान का नाम उन चुनिंदा स्टार्स में शामिल है, जिनसे फिल्मी दुनिया से जुड़े लोग सलाह लेते हैं। फिल्मों को लेकर उनकी समझ की हमेशा तारीफ की जाती है। हिंदी फिल्मों में वह एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दे चुके हैं। बॉलीवुड में अपनी धाक जमाने के बाद अब भाईजान हॉलीवुड में सिक्का जमाने चल पड़े हैं। बॉलीवुड के दबंग एक्टर सलमान खान की लोकप्रियता किसी से छिपी नहीं है। उनकी अपकमिंग फिल्मों का फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं। बीते कुछ समय से सलामन के हॉलीवुड में जाने की अटकलें चल रही थीं। अब शूटिंग सेट का एक वीडियो लीक हो गया है, जिसने सलमान के चाहने वालों की एक्साइटमेंट को दोगुना कर दिया है। बॉलीवुड स्टार सलमान खान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें उन्हें फिल्म के सेट पर दबंग अवतार में दिखाया गया है। इस दौरान उनके गंभीर अंदाज ने लोगों को इंप्रेस करने का काम किया है। सलमान खान ने सफेद रंग का कोट-पैंट और नीले रंग की शर्ट पहनी हुई। इस दौरान वह एक सीन शूट करते नजर आ रहे हैं।

फिलहाल वीडियो से सलमान के किरदार से जुड़ा कोई भी बात पता नहीं चल सकी है। एक यूजर ने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, मेगास्टार सलमान खान अपनी हॉलीवुड फिल्म की शूटिंग के लिए सऊदी अरब में हैं। इसके बाद प्रशंसक तो फिल्म का नाम जानने में भी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। सलमान खान और संजय दत्त अच्छे दोस्त हैं। दोनों कई हित फिल्मों में एक साथ काम कर चुके हैं। अब माना जा रहा है कि दोनों हॉलीवुड फिल्म में भी एक साथ नजर आएंगे। बता दें कि इस थ्रिलर फिल्म में सलमान और संजय कैमियो रोल की भूमिका निभाएंगे। फिल्म की शूटिंग सऊदी अरब में चल रही है। वीडियो लीक होने के बाद तो इस अपकमिंग मूवी की चर्चा और ज्यादा होने लगी है। इस साल फैंस को सलमान खान की मच अवेटेड फिल्म सिकंदर का इंतजार है। इसमें उनके साथ अभिनेत्री रश्मिका मंदाना नजर आएंगी। यह फिल्म इसी साल ईद के मौके पर सिनेमाघरों में लग सकती है।

नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने के लिए तैयार नादानियां

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान और बोनी कपूर की लाडली खुशी कपूर स्टारर फिल्म नादानियां 7 मार्च को ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने के लिए तैयार है। इब्राहिम अली खान की नादानियां पहली फिल्म है। नेटफ्लिक्स के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल ने इसकी घोषणा की और लिखा, कुछ कुछ होता है ऐसी नादानियां देखकर, 7 मार्च को सिर्फ नेटफ्लिक्स पर नादानियां रिलीज हो रही है। नादानियां में इब्राहिम अली के किरदार का नाम अर्जुन मेहता है। वहीं, खुशी कपूर के किरदार का नाम पिया जय सिंहह्ल हैं। नादानियां जेन जेड के रोमांस, प्यार और उसमें आने वाले मुश्किलों को पर्दे पर उतारती है। निमार्ताओं ने हाल ही में फिल्म नादानियां के दूसरे ट्रैक गलतफहमी को रिलीज किया है। फिल्म का गाना प्यार के बीच आने वाली मुश्किलों को दिखाता है।

इंस्टाग्राम हैंडल पर गाना शेयर करते हुए निमार्ताओं ने लिखा, ह्लउन लोगों के लिए जिन्होंने प्यार किया, खोया और कभी समझा नहीं पाए! गलतफहमी गाना रिलीज हो चुका है। गलतफहमी गाने को सचिन-जिगर ने कंपोज किया है और गीतकार अमिताभ भट्टाचार्य ने गाने के बोल लिखे हैं। ट्रैक को आवाज तुषार जोशी और मधुबंती बागची ने दी है। इब्राहिम ने कहा, गलतफहमी में कुछ ऐसा है जिससे आप जुड़ सकेंगे। यह वास्तविक है और दिल टूटने के दर्द को दिखाता है। मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि दर्शक इससे कैसे जुड़ते हैं। यह प्यार और नुकसान का एक ऐसा पहलू है जो भरोसेमंद है। खुशी ने कहा, गलतफहमी ने मुझे व्यक्तिगत रूप से प्रभावित किया और यह नादानियां एल्बम के मेरे पसंदीदा ट्रैक में से एक है। मुझे विश्वास है कि दर्शक गलतफहमी के साथ जुड़ाव महसूस करेंगे। मैं लोगों के बीच इसे पेश करके काफी खुश हूं। इस फिल्म इब्राहिम अली खान, खुशी कपूर के साथ अभिनेत्री महिमा चौधरी, सुनील शेट्टी, दीया मिर्जा और जुगल हंसराज भी अहम भूमिकाओं में हैं। शौना गौतम के निर्देशन में बनी नादानियां को धर्मा एंटरटेनमेंट के तहत करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा ने तैयार किया है। यह फिल्म प्यार के कॉन्सेप्ट को एक नए मोड़ के साथ पेश करती है।

सिद्धार्थ, वरुण और आलिया संग नए लोगों जैसा व्यवहार नहीं किया : करण

मुंबई (ईएमएस)। कोमल नाहटा के गेम चेंजर्स शो में शामिल हुए फिल्म निमार्ता करण जौहर ने तीनों के साथ अपने गहरे बंधन के बारे में बात की और बताया कि उन्हें शुरू से ही सितारों पर विश्वास था कि वे बेहतर प्रदर्शन करेंगे। स्टूडेंट ऑफ द ईयर में डेब्यू करने वाले कलाकारों सिद्धार्थ मल्होत्रा, आलिया भट्ट और वरुण धवन के साथ फिल्म मेकर करण जौहर का अनुभव कैसा था इससे उन्होंने हाल ही में पर्दा उठाया! करण ने बताया कि उन्होंने कभी भी उन तीनों के साथ नए लोगों की तरह व्यवहार नहीं किया। इसके बजाय, उन्होंने पहले दिन से ही उनके साथ सितारों की तरह व्यवहार किया। उनकी जन्मजात प्रतिभा और स्टार क्वालिटी को पहचाना। करण के अनुसार इस नजरिए ने तीनों अभिनेताओं की काफी मदद की, जिससे उन्हें न केवल फिल्म में शानदार प्रदर्शन करने में मदद मिली बल्कि वे आज सफल कलाकार बन सके। उन्होंने कहा, मैं सच कह रहा हूं। सिद्धार्थ और वरुण दोनों मेरे सहायक थे और मैं आलिया से पहली बार तब मिला जब वह स्कूल से आई थी। जब मैंने उन्हें लॉन्च किया तो मैंने सेट पर कोरियोग्राफर, प्रोडक्शन, डिजाइनर सभी से कहा कि इन तीनों को स्टार की तरह ट्रीट करना है। निर्देशक ने आगे बताया कि वे तीनों उनके दोस्त की तरह हैं। जब मेरी टीम ने मुझसे इस फैसले पर पूछा कि ऐसा क्यों है? तो मैंने कहा, अगर आप उन्हें आत्मविश्वास देंगे, तो वे सितारों की तरह कैमरे का सामना करेंगे। अगर आप उन्हें नए लोगों की तरह ट्रीट करेंगे, तो वे नए लोगों की तरह काम करेंगे। खास बात है कि उन्होंने सितारों की तरह परफॉरमेंस दी और वे सभी मुझे करण बुलाते हैं। वे मेरे दोस्त की तरह हैं। हमने 12 दिनों तक चलने वाले वर्कशॉप किए, जहां हम चारों ने एक-दूसरे को जाना। साल 2012 में रिलीज हुई स्टूडेंट ऑफ द ईयर एक टीन स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है, जो आलिया भट्ट, वरुण धवन और सिद्धार्थ मल्होत्रा की बॉलीवुड डेब्यू थी।

ऋषभ शेट्टी का हाई-ऑक्टेन एक्शन

ऋषभ शेट्टी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म कंतारा: चैप्टर 1 को लेकर सुर्खियों में हैं। फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है और अब इससे जुड़ी एक बड़ी अपडेट सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में एक भव्य वॉर सीक्वेंस होगा, जिसे कर्नाटक के बीहड़ पहाड़ी इलाकों में 45-50 दिनों तक शूट किया जाएगा। प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों के अनुसार, यह युद्ध दृश्य इतना दमदार होगा कि दर्शक सीट से हिल भी नहीं पाएंगे। फिल्म के लीड एक्टर और निर्देशक ऋषभ शेट्टी इस सीक्वेंस को परफेक्ट बनाने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक रहे हैं। इस ग्रैंड एक्शन सीन में विशालता और बारीक डिटेलिंग देखने को मिलेगी, जो इसे एक बेहतरीन सिनेमैटिक अनुभव बनाएगा। सूत्रों का कहना है कि फिल्म की टीम ने इस सीक्वेंस को दूर-दराज के कठिन इलाके में शूट करने का फैसला किया, जहां बेसिक सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं थीं। इसके बावजूद, क्रू मेंबर्स ने वहां लगभग एक महीने तक रहकर इस वॉर सीन को असली लुक देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इस फिल्म से फैंस को एक ग्रैंड और इमर्सिव विजुअल एक्सपीरियंस मिलने वाला है।

पति जहीर के लिए सोनाक्षी का इमोशनल पोस्ट

मुंबई। बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपने पति जहीर इकबाल से दूर हैं और उन्हें देखने के लिए बेताब हो रही हैं। सोनाक्षी ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर कर बताया कि वह जहीर से मिलने के लिए बेहद एक्साइटेड हैं, क्योंकि उन्हें अपने पति को देखे हुए एक सप्ताह हो चुका है। सोनाक्षी ने अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, मैं आपके पास आ रही हूं जहीर इकबाल, आपको देखे हुए एक सप्ताह हो गया है। आप भी मुझसे मिलने के लिए तैयार हो जाइए। इस पोस्ट के बाद फैंस भी उनकी इस क्यूट लव स्टोरी पर जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। तस्वीर में सोनाक्षी रेड ट्रैकसूट और टोपी में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। अगर वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनाक्षी जल्द ही पति जहीर इकबाल के साथ अपकमिंग फिल्म तू है मेरी किरण में नजर आएंगी, जिसका निर्देशन करण रावल और संजना मल्होत्रा कर रहे हैं।

8 और 9 मार्च को गुलाबी नगरी जयपुर में होगा आईफा अवार्ड

– माधुरी दीक्षित, करीना और कृति सेनन करेगी धमाकेदार परफॉर्मेंस

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े जश्न का समय आ गया है। इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी (आईफा) वीकेंड और अवॉर्ड्स अपने 25वें संस्करण के साथ इतिहास बनने को तैयार है। इस बार आईफा का यह भव्य उत्सव 8 और 9 मार्च, 2025 को राजस्थान की रंगीन और सांस्कृतिक राजधानी जयपुर में होने वाला है। जयपुर की शाही विरासत और ऐतिहासिक भव्यता के बीच, आईफा के सिल्वर जुबली एडिशन का यह आयोजन अब तक का सबसे भव्य समारोह होने वाला है। यह सिर्फ एक अवॉर्ड नाइट नहीं, बल्कि सिनेमा की कला, इनोवेशन और कहानी कहने की ताकत को सलाम करने वाला एक ऐतिहासिक पल होगा। इस खास मौके पर भारतीय सिनेमा की वैश्विक पहचान का जश्न मनाया जाएगा, जहाँ दर्शकों और इंडस्ट्री के दिग्गजों का अनोखा संगम दिखाई देगा। आईफा का सिनेमाई रंग अब डिजिटल और ओटीटी एंटरटेनमेंट तक पहुँचेगा। इस खास मौके को विजय वर्मा, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना होस्ट करने वाले है। जहाँ ओटीटी के शानदार टैलेंट को सम्मान मिलेगा। आईफा डिजिटल अवॉर्ड्स में नोरा फतेही अपनी स्टनिंग परफॉर्मेंस से मंच पर आग लगाएँगी। संगीत की जादूगरनी श्रेया घोषाल अपनी सुरीली आवाज से इस शाम को और भी यादगार बनाएँगी। संगीतकार जोड़ी सचिन-जिगर पहली बार आईफा स्टेज पर अपनी एनर्जेटिक परफॉर्मेंस से धमाल मचाएँगे। मीका सिंह की हाई-वोल्टेज परफॉर्मेंस से सभी को झूमने को मजबूर कर देगा। इस यादगार आयोजन को करण जौहर और कार्तिक आर्यन होस्ट करने वाले है। शाहरुख खान, शाहिद कपूर, माधुरी दीक्षित, करीना कपूर खान, कृति सेनन और कई सितारे अपनी धमाकेदार परफॉर्मेंस से मंच पर धमाल मचाएँगे। करीना कपूर खान राज कपूर को समर्पित एक यादगार प्रस्तुति देंगी। माधुरी दीक्षित अपनी मोहक अदाओं और शानदार डांस से मंच पर चार चांद लगाएंगी। शाहिद कपूर की एनर्जेटिक परफॉर्मेंस आईफा अवॉर्ड्स 2025 को और भी खास बनाएगी। कृति सेनन का शो-स्टॉपर डांस परफॉर्मेंस आईफा के 25वें एडिशन में रोमांच बढ़ाएगा।

दीपिका कक्कड़ ने छोड़ा सेलिब्रिटी मास्टरशेफ

कुकिंग रियलिटी शो सेलिब्रिटी मास्टरशेफ को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। फैंस की पसंदीदा कंटेस्टेंट दीपिका कक्कड़ ने शो को बीच में ही छोड़ दिया है। यह खबर उनके चाहने वालों के लिए किसी झटके से कम नहीं है। दीपिका लंबे समय बाद इस शो के जरिए टीवी पर वापसी कर रही थीं और दर्शकों को उनकी कुकिंग स्किल्स काफी पसंद आ रही थीं। हालांकि, हाल ही में वह होली एपिसोड में नजर नहीं आईं, जिसके बाद से उनके शो छोड़ने की अटकलें तेज हो गई थीं। अब रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीपिका ने हेल्थ इश्यू के कारण शो से अपना नाम वापस ले लिया है। सूत्रों के अनुसार, कुछ समय पहले दीपिका के हाथ में चोट लगी थी, जिसके चलते वह शूटिंग से दूर थीं। हालांकि, अभी तक शो के मेकर्स या दीपिका की ओर से इस खबर की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। दीपिका के बाहर होने के बाद अब शो में टॉप 9 कंटेस्टेंट बचे हैं। इससे पहले कॉमेडियन चंदन प्रभाकर का एलिमिनेशन हो चुका था और उनकी जगह वाइल्ड कार्ड एंट्री के रूप में आयशा जुल्का को शामिल किया गया था।

विक्की कौशल की फिल्म छावा शो के दौरान हुआ हंगामा

विक्की कौशल की फिल्म छावा को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। लेकिन इसी बीच मुंबई के लोअर परेल स्थित पीवीआर सिनेमा में उस समय भारी हंगामा हो गया जब स्क्रीन खराब होने के कारण शो अचानक रुक गया। छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के मौके पर बड़ी संख्या में दर्शक छावा देखने पहुंचे थे। लेकिन बीच शो में तकनीकी खराबी आ जाने से स्क्रीन बंद हो गई। इसके बाद दर्शकों ने थिएटर मैनेजमेंट से अपने पैसे वापस मांगे, लेकिन जब उन्हें पैसे देने से इनकार किया गया तो गुस्साए दर्शकों ने थिएटर में हंगामा शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही शिवसेना यूबीटी के विधायक सुनील शिंदे मौके पर पहुंचे। पार्टी कार्यकताओं के दबाव के बाद थिएटर मैनेजमेंट ने एक हफ्ते के अंदर किसी भी एक शो के लिए मुफ्त टिकट देने और टिकट की चार गुना राशि वापस करने का वादा किया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें दर्शकों की नाराजगी साफ देखी जा सकती है।

अब पारंपरिक शादी करेंगे आदर जैन और अलेखा आडवाणी

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर और करिश्मा कपूर के कजिन आदर जैन और उनकी लॉन्गटाइम गर्लफ्रेंड अलेखा आडवाणी ने पूर्व में गोवा में क्रिश्चियन वेडिंग की थी, लेकिन अब वे एक बार फिर परिवार और परंपराओं के साथ विवाह के बंधन में बंधने की तैयारी में हैं। बताया जा रहा है कि दोनों की शादी की रस्में शुरू हो चुकी हैं, और मेहंदी फंक्शन में कपूर खानदान के कई सदस्य शामिल हुए। करीना कपूर, करिश्मा कपूर, नीतू कपूर और रिद्धिमा कपूर समेत पूरा परिवार इस खास मौके का हिस्सा बना। खास बात यह रही कि शशि कपूर के बेटे कुणाल कपूर और करण कपूर भी फंक्शन में नजर आए, जो आमतौर पर लाइमलाइट से दूर रहते हैं। उनके साथ जहान कपूर भी इस खुशी में शरीक हुए। शशि कपूर के परिवार को एक साथ देखकर फैंस बेहद खुश नजर आए और सोशल मीडिया पर उनके प्रति खास उत्साह देखने को मिला। इससे पहले रणधीर कपूर के बर्थडे पर भी करण कपूर और कुणाल कपूर को नीतू कपूर के साथ स्पॉट किया गया था। दोनों ने पैपराजी को पोज भी दिए थे, जिसके बाद करण कपूर चर्चा में आ गए। एक बार फिर कपूर परिवार के समारोह में उनकी मौजूदगी ने फैंस को शशि कपूर की याद दिला दी। सोशल मीडिया पर लोग करण कपूर की तारीफ कर रहे हैं और उन्हें आज भी उतना ही यंग और चार्मिंग बता रहे हैं, जितने वह पहले थे। करण कपूर को उनके फैंस बॉम्बे डाइंग मैन के नाम से भी जानते हैं। उन्होंने इस कंपनी के एड फिल्म में काम किया था, जिससे वे काफी मशहूर हुए थे। हालांकि, एक्टिंग की दुनिया में शशि कपूर के दोनों बेटे, कुणाल कपूर और करण कपूर, ज्यादा सफल नहीं हो पाए।

कुणाल कपूर ने कुछ फिल्मों में काम किया, लेकिन ज्यादा पहचान नहीं मिली। वहीं, करण कपूर ने भी एक्टिंग में हाथ आजमाया, लेकिन बाद में उन्होंने यूके में जाकर फोटोग्राफी को अपना करियर बना लिया। वह अब लंदन में अपनी खुद की फोटोग्राफी कंपनी चला रहे हैं।

सूडोकु नवताल- 7073

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7072 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7820

शा	स	दौ	जॉ	न	अ	ब्रा	ह	म	ल्ली	क
ग	ह	ह	ग	ला	अ	जै	जी	ग	झ	क
स	क	रु	म	ह	झ	की	ना	ण	घ	को
ल	इ	ल	ख	हैं	प	श्रॉ	ला	र	ला	न
मा	श्क	ल	प	खा	रा	फ	गी	ण	ग	म
न	दा	ल	श	सं	न	ही	रं	व	ला	स
वि	वे	क	ओ	बे	रॉ	य	दे	या	ज	न्नी
अ	मि	ता	भ	ला	गु	य	रा	य	प	दे
ऋ	र	ल	प	व	ज	ना	ल	ओ	के	ओ
क	ति	ल	प	अ	या	दि	व्य	ब	स	ल
ज	जं	क	प	ख	सं	ज	य	द	त्त	म

शब्द जाल में 10 अभिनेताओं के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

शाहरुख खान, सलमान, ऋतिक, विवेक ओबेरॉय, सन्नी देओल, जॉन अब्राहम, अजय देवगन, अमिताभ, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ

शब्दजाल - 7819 का हल

दा	रा	अ	ति	थि	ग	दा	मा	य	क	चि
मा	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	भू
द	आ	ह	झि	दा	चि	सिं	बे	ला	ल	ख
प	जा	खि	च	ल	क	ड़	हा	दा	र	ह
य	द	र	री	हा	मि	री	अ	न	प	ढ़
ह	ह	प	व	झ	ह	ला	प	झ	न	ती
ट	ट	बु	अं	र	कू	ट	ना	ला	ह	क
दो	मु	सा	फि	र	छ	सौ	खू	ट	जू	ट
स	थो	तें	व	ह	ज	दा	न	दा	र	द
अं	खि	यों	के	झ	रो	खे	से	न	रु	थो
त	ड़	पा	ब	द	ल	ते	रि	श्ते	ह	ट

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6773

1	3			5	2	
	32		40		28	7
4		7		6		
	35		37		32	6
7			2	3		1
2	30	1	28	4	29	
6			7		5	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6772 का हल

2	4	7	5	3	6	1
6	38	6	32	1	30	7
7	5	1	3	6	4	2
1	25	2	32	4	34	5
5	1	3	6	7	2	4
3	26	4	38	5	36	6
4	1	5	6	2	7	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

खिलाड़ियों को नियमित खेलने के अधिक अवसर मिले : रूट

नई दिल्ली

वनडे क्रिकेट में इंग्लैंड का पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा, लेकिन टीम लगातार चार वनडे सीरीज हारकर टूर्नामेंट में प्रवेश कर रही है। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले वनडे क्रिकेट में बल्लेबाजी की जटिलताओं पर खुलकर बात की है।

रूट का मानना है कि वनडे क्रिकेट में सफलता पाने के लिए खिलाड़ियों को नियमित रूप से खेलने के अधिक अवसर मिलने चाहिए। रूट ने कहा, मैंने अपने करियर में ऐसी दो पारियों के बारे में नहीं सुना जो बिल्कुल एक जैसी रही हों। बल्लेबाजी की कला परिस्थितियों का आकलन करने, दबाव में सही निर्णय लेने और स्थिति के अनुरूप खेलने में है।

उनका मानना है कि हर मैच नई चुनौती लाता है और बल्लेबाज को खुद को हर बार नए सिरे से ढालना पड़ता है। इंग्लैंड की वनडे टीम की हालिया विफलताओं के बावजूद रूट का मानना है कि वह अब भी इस प्रारूप में अधिक सफलता हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 2023 वनडे विश्व कप में इंग्लैंड का सफर लीग चरण में ही खत्म हो गया था, जिसके बाद उनकी टीम की किस्मत वनडे में गिरावट की ओर गई। इसके बावजूद रूट ने कभी इस प्रारूप को छोड़ने की बात नहीं सोची।

उन्होंने कहा, मैंने कभी संन्यास नहीं लिया और न ही यह कहा कि मैं इस प्रारूप में नहीं खेलना चाहता। मुझे लगता है कि किसी भी खिलाड़ी को टीम में चयन का दैवीय अधिकार नहीं होता।

आपको अपने प्रदर्शन से इसे साबित करना होता है और यह सुनिश्चित करना होता है कि आप टीम को मजबूत बना रहे हैं, न कि उसे पीछे धकेल रहे हैं।रूट ने इंग्लैंड के खिलाड़ियों को 50 ओवर प्रारूप में खेलने और इसमें किस्मत बदलने के लिए अधिक अवसर देने की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, आज के समय में खिलाड़ियों को लगातार वनडे खेलने का मौका नहीं मिलता, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम सफल नहीं हो सकते।

हमें इस प्रक्रिया को गति देने का तरीका खोजना होगा, जिसमें स्मार्ट रणनीति और अनुभवों को साझा करने की भूमिका अहम होगी। जब हम बड़े मैचों में निर्णायक क्षणों तक पहुंचें, तो हमें टीम को जीत दिलाने के लिए तैयार रहना होगा।

रूट को भरोसा है कि इंग्लैंड के पास इस प्रारूप में फिर से मजबूत होने की क्षमता है। उन्होंने कहा, हमारे पास सही खिलाड़ी और भरपूर प्रतिभा है। हमें बस अपने खेल को बेहतर तरीके से लागू करने और एक मजबूत मानसिकता के साथ खेलने की जरूरत है।

न्यूज ब्रीफ

कैरी के कैच का विडियो सोशल मीडिया में छाया , प्रशंसकों ने सुपरमैन करार दिया

लाहौर। ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स कैरी नै चैम्पियंस ट्रॉफी में इंग्लैड के खिलाफ मुकाबले में फिल साल्ट का एक असंभव सा कैच पकड़कर दर्शकों को हैरान कर दिया था। अब कैरी के इस कैच का वीडियो सोशन मीडिया में जमकर वायरन हो रहा है। इस मैच में साल्ट ने मैच के दूसरे ओवर की तीसरी गेंद पर एक जबरदसत शॉट खेला। इसी दौरान कैरी ने छलांग लगाकर गेंद को हवा में ही पकड़ लिया। इस कैच के लिए प्रशंसकों के साथ ही कमेंटेकरों ने भी कैरी की जमकर प्रशंसा की है। कमेंट्री कर रहे इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल एथरटन ने कहा कि क्या कैच है, यह एक अविश्वसनीय कैच है। विकेटकीपर के रुप में उन्होंने जिस प्रकार मिड-ऑन पर जाकर कैच पकड़ा उसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। वहीं सोशल मीडिया पर भी कैरी की जमकर प्रशंसा हुई और उन्हें सुपरमैन बताया गया। वहीं एक प्रशंसक ने इससे सर्वश्रेष्ठ कैच करार दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ 352 रन का रिकॉर्ड बनाया। इंग्लिस ने 86 गेंदों पर 120 रन की आक्रामक पारी खेली। इंग्लैंड ने पहले खेलते हुए 8 विकेट पर 351 रन बनाए थे पर ऑस्ट्रेलिया ने ये कठिन लक्ष्य हासिल कर लिया।

जोश इंग्लिस सभी प्रारुपों में शतक लगाने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर बने

लाहौर। ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिस ने इंग्लैंड के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी में लगाये शतक से अहम रिकार्ड अपने नाम किर लिया है। जोश इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया की ओर से तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले केवल चौथे क्रिकेटर बने हैं। उनसे पहले शेन वॉटसन, ग्लेन मैक्सवेल और डेविड वार्नर ने यक उपलब्धि हासिल की थी। चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे तेज शतक का रिकार्ड भारत के वीरेन्द्र सहवाग के नाम है। सहवाग ने साल 2002 में कोलंबो में ये शतक लगाया था। वहीं अब जोस ने भी 77 गेंदों पर ही शतक लगाकर सहवाग की बराबरी की है। इसके अलावा भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाजी शिखर धवन के नाम 80 गेंदों पर शतक का रिकार्ड है। ये शतक उन्होंने साल 2013 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कार्डिफ में लगाया था। इसके अलावा श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ साल 2009 में सेंचुरियन में 87 गेंदों पर ही शतक लगाया था। इससे जोस उत्साहित हैं पर उनका कहना है कि उनके पैर जमीन पर ही रहेंगे। जोस की इस पारी से ऑस्ट्रेलिया 350 रनों के लक्ष्य का पीछा करने में सफल रही। चैम्पियंस ट्रॉफी में इस बार पहले चार मैचों में ही सात शतक लगे हैं। जिससे न्यूजीलैड के दो खिलाड़ी हैं जबकि बांग्लादेश , ऑस्ट्रेलिया, भारत , इग्लैंड और दक्षि अफ्रीका के एक-एक खिलाड़ी ने शतक लगाया है।

डब्ल्यूपीएल : यूपी वारियर्स ने दिल्ली कैपिटल्स को हराकर दर्ज की अपनी पहली जीत

बेंगलुरु। यूपी वारियर्स ने यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) लीग के एक अहम मुकाबले में दिल्ली कैपिटलस को 33 रन से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए के तहत बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में ऊलटफेर करते हुए मजबूत नजर आ रही दिल्ली कैपिटलस को 33 रन से हरा दिया है। पहले खेलते हुए यूपी वारियर्स ने चिनेले हेनरी की शानदार पारी 32 गेंदों में 62 रनों की सहायता से 177 रन बनाए थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली टीम जेमिमा के 56 रनों की सहायता से 144 रन ही बना पाई। इससे पहले यूपी वारियर्स ने पहले खेलते हुए 20 ओवरों में 177 रन बनाए। दीप्ति के आउट होने के बाद हेनरी ने आगे आकर टीम को संभाला। उन्होंने 23 गेंदों पर 2 चौके और 8 छक्कों की मदद से 62 रन बनाए और टीम को 177 तक पहुंचाया। दिल्ली की ओर से जोनासन ने 31 रन देकर 4 विकेट लीं। वहीं, अरुंधति और मेरिजाना ने 2-2 विकेट लिए इसके बाद पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स बिखर गयी। यूपी वारियर्स के गेंदबाजों खासकर सोफी एक्लेस्टोन और दीप्ति के सामने दिल्ली की बल्लेबाज टिक नहीं पायीं।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग में युवराज ने असंभव सा कैच पकड़कर इंडिया मास्टर्स को जीत दिलायी

श्रीलंकाई मास्टर्स के संगकारा का अर्धशतक गया बेकार

मुम्बई

युवराज सिंह के अच्छे क्षेत्ररक्षण से इंटरनेशनल मास्टर्स लीग टी20 टूर्नामेंट में इंडिया मास्टर्स ने श्रीलंकाई मास्टर्स को 4 रनों से हरा दिया। इस मुकाबले में पहले खेलते हुए इंडिया मास्टर्स ने स्टुअर्ट बिन्नी और यूसुफ पठाने के अर्धशतकों 68 और 56 रनों की सहायता से स्कोर चार विकेट पर 222 रन तक पहुंचाया। इसके जवाब में श्रीलंकाई टीम 219 रनों पर ही आउट हो गयी। कुमार संगाकरा ने 51 रन बनाये पर वह अपनी टीम को लक्ष्य तक नहीं पहुंचा पाये। संगकारा और थिरमाने की सहायता से श्रीलंकाई मास्टर्स ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत की लेकर 8वें ओवर में इंडिया मास्टर्स के युवराज सिंह ने बाऊंड्री पर एक थिरमाने का एक असंभव सा कैच पकड़कर ये साझेदारी तोड़ दी। जिससे मैच इंडिया मास्टर्स के कब्जे में आ गया। थिरमाने ने पठान की गेंद पर सीधा शॉट लगाया जिसे बाऊंड्री पर तैनात युवराज ने छलांग लगाकर पकड़ लिया।

इससे पहले इंडिया मास्टर्स ने खराब शुरुआत के बाद अपने मध्य और निचले क्रम की अच्छी बल्लेबाजी से 20 ओवरों में चार विकेट पर 222 रन बनाये। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने 8 गेंदों पर 10 रन बनाये और वह सुरंगा लकमल की गेंद पर पेवेलियन लौट गये। इसके बाद नमन ओझा भी आउट हो गये। ऐसे में 4 ओवर के बाद भारतीय टीम का स्कोर दो विकेट पर 26 रन हो गया। गुरकीरत सिंह मान और स्टुअर्ट बिन्नी के बीच एक अच्छी साझेदारी हुई। बिन्नी ने 22 गेंदों में ही पचास रन बना दिये। इसके बाद यूसुफ पठान और युवराज सिंह ने जमकर चौके और छक्के लगाये। यूसुफ़ पठान ने 56 जबकि युवराज ने 31 रन बनाये। लक्ष्य का पीछा करते हुए कुमार संगकारा और उपुल थरंगा ने तेज शुरुआत की। थरंगा 10 रन बनाकर पेवेलियन लौट गए पर संगकारा ने 51 रन बनाकर पारी को संभालने का प्रयास किया। लाहिरू थिरिमाने ने 24 रन बनाये। इसके बाद उसके विकेट लगातार गिरे जिससे टीम को हार का सामना करना पड़ा।

चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद रोहित का संन्यास लेना तय : मांजरेकर

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा खेल को अलविदा कह सकते हैं। रोहित ने पहले ही टी20 प्रारुप से संन्यास ले लिया था। पिछले कुछ समय से वह एक भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। ऐसे में उनका लक्ष्य इस टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन कर संन्यास लेना रहेगा। उनकी उम्र भी 37 वर्षीय हो गयी है। ऐसे में वह जानते हैं कि भविष्य की योजनाओं में वह शामिल नहीं रहेंगे। जून में होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से भारतीय टीम पहले ही बाहर हो गयी है। अगला आईसीसी एकदिवसीय टूर्नामेंट साल 2027 में है और उसमें अभी ढाई साल साल का समय है तब तक रोहित 40 के करीब हो जाएंगे और उनके लिए टीम में कोई जगह नहीं होगी। इसी को देखते हुए मांजरेकर ने कहा है कि रोहित के लिए चैंपियंस ट्रॉफी अंतिम टूर्नामेंट हो सकता है। वह पिछले एक दशक से टीम के सलामी बल्लेबाज रहे हैं पर अब अच्छा दौर समाप्त हो गया है। रोहित ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को आगे बढ़ाने के इरादे से इाल में घरेलू क्रिकेट भी खेला था पर इसके बाद भी उन्हें कोई लाभ होता नहीं दिख रहा है। ऐसे में पूर्व दिग्गजों का मानना है कि चैम्पियंस ट्रॉफी उनका अंतिम टूर्नामेंट रहेगा। आगे की राह उनके लिए आसान नहीं है। ये भी कहा जा रहा है कि रोहित ने स्वयं बोर्ड को ये बात बता दी है कि वे चैंपियंस ट्रॉफी के बाद नए कप्तान पर विचार कर करें। मांजरेकर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि साल 2027 एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप तक वह रहेंगे। ऐसी संभावना काफी कम है।

बिहार रूरल लीग में युवा खिलाड़ियों को प्रतिभा दिखाने का मिलेगा मौका

मुंगेर

पंचायत से लेकर प्रखंड स्तर तक के खिलाड़ियों का किया जाएगा चयन

बिहार में क्रिकेट की स्थिति को सुधारने लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। यहां के खिलाड़ियों की पीड़ा है कि उन्हें बिहार में बेहतर अवसर नहीं मिल पाते हैं, जिसे लेकर बिहार क्रिकेट संघ के ने बड़ा फैसला किया है और अब ग्रामीण स्तर पर सभी प्रतिभाओं को मौका दिया जाएगा और उन्हें बिहार के साथ-साथ देश की टीम में खेलने का भी मौका मिल सकेगा।

बिहार क्रिकेट संघ ने बिहार रूरल लीग 2024-25 का आयोजन करने वाला है, जिसमें जिले से लेकर पंचायत स्तर तक के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा देखने का मौका मिलेगा। इसके लिए पंचायत स्तर पर कैंप लगाए जाएंगे।

वहां ग्रामीण खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा और पंचायत स्तर पर टीम बनाई जाएगी। इसमें कोई भी हिस्सा ले सकता है और इसके लिए रजिस्ट्रेशन भी शुरु हो चुके हैं।

बिहार रूरल लीग के कन्वेयर ने बताया कि इस लीग में पंचायत से लेकर प्रखंड स्तर तक और स्कूल से लेकर कॉलेज तक के प्रतिभावान खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। इसमें हिस्सा लेने वाले खिलाड़ी अपनी पंचायत में लगने वाले कैंप में जाकर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। कन्वेयर ने बताया कि बिहार रूरल लीग में सभी जिलों से 16 टीम का गठन किया जाएगा।

इसके लिए टैलेंट हंट आयोजित होगा। अंतर जिला लीग भी इसमें हिस्सा लेगी। सभी सोलह टीमों को चार ग्रुप में विभाजित किया जाएगा और हर जिलों में 15 मुकाबले आयोजित किए जाएंगे।

फाइनल मुकाबले में अच्छे प्रदर्शन पर उन सभी सोलह टीमों में से एक जिला स्तरीय टीम का गठन किया जाएगा। 38 जिलों से अलग-अलग टीम बनाकर उनके बीच सुपर लीग कराया जाएगा। सुपर लीग में अच्छा प्रदर्शन करने वाले सभी टीमों के खिलाड़ियों को मिलाकर एक टीम का गठन किया जाएगा।

एशियन कप टेबल टेनिस

शेनजेन में एशियन कप टेबल टेनिस में जापान की इटो मीमा रिटर्न शॉट लगाती हुई।

बॉर्डरमेन मैराथन 2025 में युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया

अमृतसर

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने युवाओं को जागरुक करने के लिए बॉर्डरमेन मैराथन 2025 का आयोजन किया है। 'बॉर्डरमेन मैराथन 2025' के चौथे संस्करण की दौड़ अमृतसर के गोल्डन गेट से दौड़ शुरू हुई और इसमें 5000 से अधिक लोग शामिल हुए। हैंड इन हैंड विद बॉर्डर पॉपुलेशन थीम पर आधारित इस खेल आयोजन का लक्ष्य सीमावर्ती युवाओं को सशक्त बनाना और स्वस्थ भारत के निर्माण की दिशा में कदम बढ़ाना है। इसमें मुख्य अतिथि बीएसएफ महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी ने कहा कि यह इस आयोजन का मकसद देश के युवाओं को उनके स्वास्थ्य के प्रति सजग करना है।

उन्होंने कहा कि यह मैराथन न केवल एक खेल आयोजन है, बल्कि सीमावर्ती युवाओं को सशक्त बनाने और स्वस्थ भारत के निर्माण की दिशा में एक अहम पहल है। साल 2022 से आरंभ हुई यह वार्षिक मैराथन एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित की जाती है। ऐसे में इस वर्ष भी यह अपनी भव्यता और लोकप्रियता के साथ ही विशाल रूप में आयोजित की गयी है। इस मैराथन में 5,200 से अधिक धावक शामिल रहे हैं, जिनमें भारत के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय पेशेवर एथलीट भी शामिल थे। राज्य के छह सीमावर्ती जिलों के युवाओं ने आगे बढ़कर इसमें भाग लिया। इस वर्ष विशेष रूप से महिलाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए बीएसएफ ने सभी श्रेणियों में महिलाओं के लिए नि:शुल्क पंजीकरण की घोषणा की थी, जिससे उनकी भागीदारी और बढ़ी है। यह मैराथन गोल्डन गेट, अमृतसर से जेसीपी अटारी तक के खूबसूरत और ऐतिहासिक मार्ग पर आयोजित की गई। इसमें विभिन्न आयु वर्गों (पुरुष और महिला, 40 वर्ष से कम व अधिक) के प्रतिभागी शामिल रहे, जिसमें प्रथम आने वाले विजेताओं को 1.5 लाख (फुल मैराथन), 75,000 (हाफ मैराथन) और 40,000 (10 किमी दौड़) की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की गयी।

बास्केटबॉल खिलाड़ी ने रिंग टॉस गेम में जीती स्पोर्ट्स कार, अब मांग रहे नगद इनाम

बीजिंग

चीन के शेडोंग प्रांत में एक व्यक्ति ने महज 23,300 रुपए खर्च कर 1.95 करोड़ रुपए कीमत की मासेराती स्पोर्ट्स कार जीत ली। यह कार एक नाइट मार्केट में आयोजित रिंग टॉस गेम में जीती, जहां कई अन्य पुरस्कारों के साथ यह महंगी कार भी इनाम में रखी गई थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह घटना बिनझोउ शहर की है जहां वांग ने 14 फरवरी को इस गेम में भाग लिया। उन्होंने करीब तीन घंटे तक लगातार 8 हजार रिंग फेंकीं और मासेराती पर रिंग डालने में सफल रहे। वांग पेशे से एक बास्केटबॉल खिलाड़ी हैं और उन्हें तीन-पॉइंटर शूट करने का शौक है, जिससे उनकी निशानेबाजी की क्षमता काफी बेहतर है। उन्होंने बताया कि वे अक्सर नाइट मार्केट में रिंग टॉस गेम खेलते हैं और पहले भी कई छोटे-मोटे इनाम जीत चुके हैं। वांग ने अपनी जीत के बाद कहा कि वह हजारों रिंग फेंकीं और मेरे हाथ अभी भी दर्द कर रहे हैं। मेरी जीत में किस्मत का बड़ा योगदान है। यूनर न्यूईयर के दौरान उन्होंने सिर्फ 1,750 रुपये खर्च कर छह गीज़ भी जीते थे, लेकिन इस बार उनकी किस्मत ने बड़ा खेल दिखा दिया। गेम जीतने के बाद वांग को पता चला कि वह इस कार के स्थायी मालिक नहीं बने हैं। उन्हें केवल एक साल तक इस कार का इस्तेमाल करने का अधिकार मिला है, जिसके बाद इसे वापस करना होगा। इस शर्त को ध्यान में रखते हुए उन्होंने इस कार को शादियों में किराए पर देना शुरू कर दिया, जिससे वे अच्छी कमाई कर रहे हैं। उनके इस फैसले की लोगों ने खूब तारीफ की और सोशल मीडिया पर इसे वायरल किया।

सौरव गांगुली की जिंदगी पर बन रही बायोपिक

मुंबई। पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की जिंदगी पर बायोपिक बनने जा रही है। फिल्म को लेकर खुद सौरव गांगुली ने यह खुलासा किया है कि उनकी भूमिका कौन निभाने वाला है। मीडिया से चर्चा में उन्होंने बताया कि राजकुमार राव उनकी बायोपिक में लीड रोल हालांकि, फिल्म की शूटिंग और डेट्स को लेकर कुछ अड़चनें हैं, जिसके कारण इसे पूरा होने में एक साल से ज्यादा का समय लग सकता है। सौरव गांगुली भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल कप्तानों में से एक रहे हैं। उन्होंने भारत के लिए 113 टेस्ट और 311 वनडे मैच खेले हैं और अपने इंटरनेशनल करियर में 18,575 रन बनाए। दादा के नेतृत्व में भारतीय टीम ने कई यादगार जीत हासिल कीं, जिनमें 2003 का वर्ल्ड कप फाइनल भी शामिल है। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष के रूप में अपनी भूमिका निभाई और बाद में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष बने। इसके अलावा, उन्होंने सचिन तेंदुलकर और वीवीएस लक्ष्मण के साथ बीसीसीआई की तकनीकी समिति में भी काम किया। वहीं, अगर राजकुमार राव की फिल्मों की बात करें तो वह जल्द ही 'भूल चूक माफ' में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ वामिका गब्बी लीड रोल में हैं। हाल ही में इस फिल्म का टीजर रिलीज हुआ, जिसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। यह फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होगी। इसके अलावा, राजकुमार राव 'मालिक' नाम की फिल्म में भी नजर आएंगे, जिसे कुमार तौरानी प्रोड्यूस कर रहे हैं। सौरव गांगुली की बायोपिक की आधिकारिक घोषणा और फिल्म की शूटिंग शुरू होने का इंतजार किया जा रहा है।

प्राकृतिक तरीकों से करें जुकाम का उपचार

सर्दियों में नजला-जुकाम होना आम है, पर इससे निजात पाना कई बार आसान नहीं होता।

कुछ घरेलू उपचार के तरीके

सुहागे को तवे पर फुला कर बारीक पीस कर शीशी में भर लें।

नजला-जुकाम होने पर आधा ग्राम (बच्चों के लिए आधी मात्रा) गरम पानी के साथ दिन में तीन बार लें। पहले दिन से आराम आना शुरु हो जाएगा।

विशेष: सुहागे को फुलाने या खील बनाने के लिए सुहागे को बारीक कूट कर लोहे को स्वच्छ कड़ाही में या तवे पर डालें और तेज आंच में इतना पकाएं कि पिघलने के पश्चात् सूख जाए। यह धीरे-धीरे फूलने लगेगा। फूलने के बीच लोहे की छुरी से इसे उलट-पुलट करते रहें। सारा सुहागा फूलने के बाद पीस लें।

काली मिर्च और बताशा

सात काली मिर्च और सात बताशे पाव भर जल में पकाएं। चौथाई रहने पर इसे गरमागरम पी लें और सारा शरीर ढ़क कर दस मिनट तक लेट जाएं। सुबह खाली पेट और रात सोते समय दो दिन प्रयोग करें। जुकाम के अलावा खांसी, हल्की हरारत और शरीर के दर्द में भी आराम मिलता है। ज्वर सहित जुकाम होने पर सात तुलसी की पत्तियां भी काढ़ा बनाते समय डाल दें और यह काढ़ा दिन में दो बार लें।

तुलसी की चाय

ताजा तुलसी की पत्तियां 7 से 11 तक (अथवा छाया में सुखाई गई तुलसी की पत्तियों का चूर्ण एक ग्राम या चौथाई चम्मच), ताजा अदरक दो ग्राम (या सूखी सौंठ का चूर्ण आधा ग्राम), काली मिर्च (कुटी हुई) सात नग-तीनों वस्तुओं को 200 ग्राम उबलते हुए पानी में दो मिनट उबालें। फिर नीचे उतारकर दो मिनट ढ़क दें। अब छानकर इसमें उबला हुआ दूध 100 ग्राम और मिश्री या चीनी एक-दो चम्मच डालकर गरम-पी लें। पांच-दस मिनट सो जाएं। इससे सर्दी का सिर दर्द, नाक में सर्दी, जुकाम, श्वास नली में सूजन एवं दर्द (ब्रोनकाइटिस), साधारण बुखार, मलेरिया, बदहजमी आदि रोग दूर होते हैं। बच्चों को चाय में आधी मात्रा दें। दिन में दो बार आवश्यकतानुसार दो-तीन दिन लें। गले के रोगों और श्वसन प्रणाली की झिल्ली पर स्वास्थ्यकर प्रभाव डालने की तुलसी में अदभुत क्षमता है। जमा हुआ कफ ढ़ीला होकर निकल जाता है।

जुकाम में नाक बंद होना

10 ग्राम अजवायन को एक साफ कपड़े की पोटली में बांध कर तवे पर गर्म कर लें। फिर इसे बार-बार सूंघने से जुकाम में आराम होता है, बंद नाक खुल जाती है, गंदा पानी निकल जाता है व सिर का भारीपन मिट जाता है।

छाती का दर्द/पसली चलना

अजवायन एक चम्मच को 250 ग्राम पानी में उबालें, चौथाई शेष रहने पर काढ़े को छान कर रात को पीकर सो जाएं। दिन में दो बार नियमित पीने से 5-7 दिन में छाती का दर्द नष्ट होता है। यह काढ़ा दो चम्मच की मात्रा से दिन में दो बार कुछ दिन देने से पसली चलना भी ठीक होता है।

कड़वा करेले के कई फायदे

करेले के कड़वेपन की वजह से भले ही ज्यादा लोग इसे नापसंद करते हों लेकिन इसमें कई एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन होते हैं जो हमें निरोगी बनाए रखने में खासे मददगार साबित हो सकते हैं। इसमें अधिक मात्रा में विटामिन-ए, बी और सी होते हैं। यह कैरोटीन, बीटाकैरोटीन, लूटीन, आयरन, जिंक और मैगनीशियम से भरपूर होता है। इससे चेहरे के दाग-धब्बे, मुंहासे व त्वचा रोगों में लाभ होता है।

क्या है ये हाइलेंडर सिंड्रोम

हाइलेंडर सिंड्रोम सुनने में तो बाकी अजीब बीमारियों की ही तरह लगता है, लेकिन ये सिंड्रोम बड़ा ही अजीब और विरला है। इस सिंड्रोम से पीड़ित किसी व्यक्ति की उम्र बेहद ज्यादा हो जाने के बाद भी वह किसी बच्चे जैसा ही दिखाई पड़ता है। हालांकि हाइलेंडर सिंड्रोम पर अभी भी शोध हो रहे हैं और इसके बारे में अधिक जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। कोरिया के ह्योमिन शिन हाइलेंडर सिंड्रोम से पीड़ित हैं।

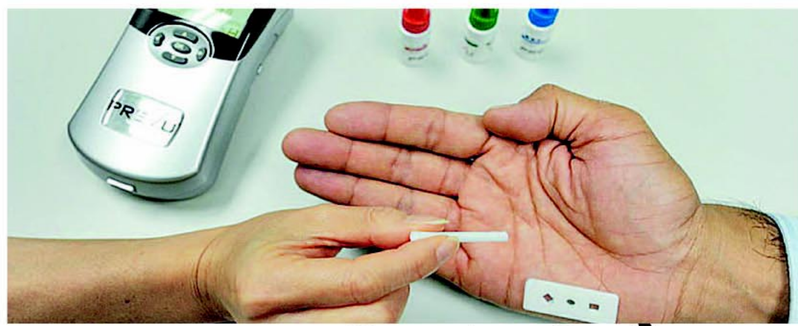

स्वास्थ्य की कुंजी है आपके हाथों में

आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में खुद को स्वस्थ रखना बहुत जरूरी हो गया है। आप कुछ मूलभूत बातें ध्यान में रखें और समय-समय पर डॉक्टर से रूटीन चेकअप कराते रहें तो कई बीमारियों से सुरक्षित रह सकते हैं।

स्वस्थ शरीर के कुछ मूलभूत पैमाने होते हैं, जिन्हें परख कर आप अपने स्वास्थ्य की जांच कर सकते हैं और भविष्य में होने वाली किसी बड़ी बीमारी या उसके खतरे से खुद को बचाए रख सकते हैं।

कितना हो आपका वजन

किसी भी व्यक्ति का आदर्श वजन उसके मसल्स, मोटापे आदि पर निर्भर करता है। आदर्श वजन होने का अर्थ यह नहीं है कि हर स्थिति में व्यक्ति के शरीर का वजन भी एक जैसा रहे, बल्कि समय व परिस्थिति के मुताबिक वजन में परिवर्तन होते रहना स्वाभाविक है। आदर्श वजन में आपकी उम्र और लंबाई के आधार पर आपका कुछ निश्चित वजन होना चाहिए।

शोध के अनुसार

आपके आदर्श वजन के लिए अंतराराष्ट्रीय मानक बीएमआई यानी बॉडी मास इंडेक्स को माना जाता है। इसके अनुसार एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए 23 से 30 बीएमआई तक रखा गया है। 23 से कम अंडरवेट और 30 से अधिक बीएमआई को ओवरवेट की श्रेणी में रखा गया है। अंडरवेट यानी कम वजन होने पर आपके पूरे शरीर की कार्यशैली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। याददाश्त कम होती है। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता क्षीण हो जाती है। ओवरवेट होने की स्थिति में मोटापा, हृदय रोग, कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना, उच्च रक्तचाप, जोड़ों में दर्द और लिवर पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

हीमोग्लोबिन की कमी

हमारे शरीर में हीमोग्लोबिन का सही स्तर होना बहुत जरूरी है। हीमोग्लोबिन की कमी से आप एनीमिया और कुपोषण की चपेट में आ सकते हैं। महिलाओं में हीमोग्लोबिन का स्तर 12 से 16 के बीच होना चाहिए, जबकि पुरुषों में 14 से 18 के बीच। शरीर में हीमोग्लोबिन के निर्माण का कार्य आयरन ही करता है, जो शरीर के अंगों को सुडौल और शरीर को स्वस्थ रखता है। इसलिए शरीर में आयरन संतुलित मात्र में होना चाहिए। आयरन की कमी या अधिकता दोनों ही शरीर के लिए हानिकारक साबित हो सकती हैं। हीमोग्लोबिन की कमी से थकान होना, सांस फूलना, हाथ-पैरों में सूजन आदि की समस्या होती है। इससे रोगप्रतिरोधक क्षमता कम होती है और एनीमिया हो सकता है।

कोलेस्ट्रॉल का नियंत्रण जरूरी

शरीर में अतिरिक्त चर्बी जहां नुकसान देती है, वहीं वसा की कमी के कारण कई सेल्स और हार्मोस बनने बंद भी हो सकते हैं। हमारे शरीर में दो तरह के कोलेस्ट्रॉल होते हैं, जिन्हें गुड कोलेस्ट्रॉल यानी एचडीएल और बैड कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल की श्रेणी में रखा गया है। एक स्वस्थ व्यक्ति के शरीर का एलडीएल 130 से नीचे और एचडीएल महिला में 40 से ज्यादा और पुरुष में 50 से ज्यादा होना चाहिए।

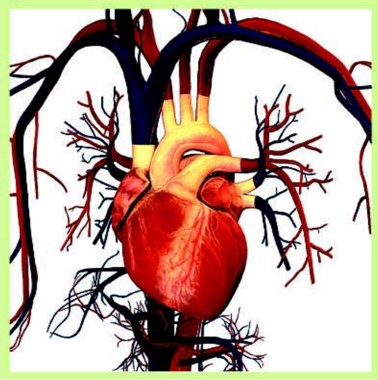

रक्तचाप रहे नियंत्रित

स्वस्थ व्यक्ति का रक्तचाप नियंत्रण में रहना बहुत जरूरी है। स्वस्थ शरीर का ऊपरी रक्तचाप यानी सिस्टोलिक 130 और नीचे का रक्तचाप यानी डाइस्टोलिक 80 होना चाहिए। ये दोनों रक्तचाप कम या ज्यादा हों तो उच्च या निम्न रक्तचाप की स्थिति होती है।

ध्यान दें

उच्च रक्तचाप की स्थिति में व्यक्ति को हाइपरटेंशन, हार्ट प्रॉब्लम, किडनी रोग, नर्व सिस्टम पर बुरा असर, मस्तिष्क पर प्रतिकूल प्रभाव, आई साइट कम होना और सिरदर्द जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। निम्न रक्तचाप में घबराहट, पसीना आना, कमजोरी, सिरदर्द, चक्कर आने जैसी समस्याएं दिखती हैं।

स्टैमिना की स्पेशल डायट

मॉडर्न लाइफस्टाइल में चाहे कामकाजी युवा हो, स्टुडेंट हो या हाउसवाइफ सब शरीर की औसत शक्ति से ज्यादा मेहनत करते हैं। इसीलिए एक्स्ट्रा स्टैमिना की जरूरत होती है। एक्स्ट्रा स्टैमिना तब मिलता है, जब हम उसके लिए स्पेशल डायट लें। जो लोग इस पहलू को नहीं समझते, वे कई तरह की शिकायतों का सामना करते हैं। मसलन छोटे-छोटे काम करके ही थक जाते हैं। सीढ़ियां चढ़ने पर सांस चढ़ने लगती है। कई बार समस्या इतनी बढ़ जाती है कि लोग अचानक से चक्कर खाकर गिर जाते हैं या बेहोश हो जाते हैं। ऐसी कौन -सी चीजें हैं, जिन्हें नियमित रूप से खाने से हमारी स्टैमिना पावर बढ़ जाती है।

विटामिन सी

ऐसे फलों का नियमित सेवन करना चाहिए, जिनमें विटामिन सी पाया जाता हो। एक्सपर्ट मानते हैं कि अंगूर ऐसे फलों में बेस्ट हैं। अंगूर से न सिर्फ शरीर में एनर्जी बनती है, बल्कि दिन भर एनर्जी का संतुलित लेवल शरीर में बना रहता है।

विटामिन बी: अनाज तो हम सब खाते हैं। अगर हम ऐसे अनाज खायें, जिनमें विटामिन बी अच्छी मात्रा में हो तो हमारा स्टैमिना और अच्छा हो सकता है।

गेहूं की घास: दूध में गेहूं की छोटी घास मिला कर खाएं तो यह भी हेल्दी नाश्ता माना जाता है। कहते हैं कि इसमें सब्जियों के मुकाबले 25 गुना अधिक पौष्टिक तत्व होते हैं।

ओट

ओट का सेवन हम सुबह या शाम के नाश्ते में कर सकते हैं। ओट पानी या दूध के साथ मिला कर खाया जाता है।

मूंग की दाल

मूंग की दाल हम उबाल कर या तल कर खा सकते हैं। इसे स्प्राउट के रूप में भी खा सकते हैं। इसका सूप बना कर पी सकते हैं।

स्क्वैश

फलों से बने स्क्वैश पीने से भी शरीर में हारमोंस और ब्लड शुगर का लेवल ठीक रहता है। स्क्वैश और जूस में यह अंतर होता है कि जूस केवल रस होता है, जबकि स्क्वैश में फलों का पल्प भी होता है, जिससे ये ज्यादा पौष्टिक होते हैं।

सही पॉश्चर दूर कर सकता है आपके दर्द

जो लोग कम्प्यूटर पर लगातार काम करते हैं, उन्हें अमूमन बैक पेन, कलाई या कमर के दर्द की शिकायत हो जाती है। ऐसा न हो, इसके लिए जरूरी है कि कुछ सावधानियां बरती जाएं।

कुर्सी से चिपकी रहे पीठ

कम्प्यूटर के सामने बैठते वक्त हमारी पीठ एकदम सीधी हो। खासतौर से हमारी रीढ़ की हड्डी। वह कुर्सी से पूरी तरह से चिपकी हुई हो। कुर्सी पर इस तरह से बैठें कि रीढ़ की हड्डी और कुर्सी के बीच जगह न बचे। कोशिश करें कि हिप्स तक का हिस्सा कुर्सी से चिपका हुआ हो।

स्ट्रेट गर्दन, स्ट्रेट चेहरा

हमारी गर्दन भी स्ट्रेट होनी चाहिए। कई लोग गर्दन को आगे की ओर निकाल लेते हैं, यह गलत है। गर्दन कंधों से ऊपर होनी चाहिए। कई लोग गर्दन को कंधे के बीच में धंसा लेते हैं। यह भी गलत है, इससे भी समस्या हो सकती है। इसी तरह से यह भी ध्यान रखें कि चेहरा बाहर की ओर निकला हुआ न हो। चेहरा सामान्य अवस्था में होना चाहिए। अगर चेहरा कंधों से बाहर निकला है तो गर्दन पर दबाव पड़ेगा, जो अच्छा नहीं है।

सीधी रखें अपनी कलाई

अगर आप कलाई के दर्द से बचना चाहते हैं तो कोशिश करें कि हाथ माउस या कीबोर्ड की दिशा में एकदम सीधा हो। अगर आप उसे कोहनी से मोड़कर रखेंगे तो आपकी कलाई में दर्द होने की पूरी संभावना है।

फुटरेस्ट पर रखें पैर

ये भी कोशिश करें कि आपकी कुर्सी के आगे फुट सपोर्ट या सपोर्टिंग स्टूल हो, जिस पर आप पैरों को फैला कर रख सकें। पैरों को 90 डिग्री के कोण पर रखते हुए काम करने से पैरों में दर्द हो सकता है।

शरीर के पास रखें हाथ

हाथ और कोहनी को शरीर के पास रखें, ताकि शरीर को पूरा सपोर्ट मिल सके। शरीर और हाथ के बीच दूरी होगी तो मांसपेशियों में दर्द हो सकता है

बेहद खतरनाक है फोबिया

यदि आपका डर आपके लिए सजा बन जाए तो यह आपके लिए खतरे की बात है, क्योंकि आपको मात्र डर नहीं है बल्कि आप फोबिया से ग्रस्त हैं। फोबिया केवल डर ही नहीं, एक गंभीर बीमारी है, जो आपके पूरे जीवन को प्रभावित कर सकती है।

क्या है फोबिया?

फोबिया एक प्रकार का रोग है, जिसमें इंसान को किसी खास वस्तु, कार्य एवं परिस्थिति के प्रति भय उत्पन्न हो जाता है। इसमें व्यक्ति उन चीजों से बचने की कोशिश करता है। फोबिया में अपने डर की सोच भी व्यक्ति को इतना डरा देती है कि उसकी मानसिक व शारीरिक क्षमताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसमें इंसान का डर वास्तविक या काल्पनिक दोनों हो सकते हैं। आमतौर पर किसी भी तरह के फोबिया से ग्रस्त रोगी अपने डर पर पर्दा डाले रहते हैं। उन्हें लगता है कि अपना डर दूसरों को बताने से लोग उन पर हंसेंगे। इसलिए वे अपने डर व उस परिस्थिति से सामना करने की बजाय बचने की हर संभव कोशिश करते हैं।

कैसे-कैसे फोबिया

चाइल्डहुड फोबिया

यह फोबिया बचपन से होने वाला फोबिया है। इसमें बचपन में ही किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति के प्रति डर बैठ जाता है, जो वक्त के साथ खत्म न होने पर फोबिया बन जाता है। यह डर या तो बच्चों में खुद होता है या कई बार अभिभावक ही बच्चों को अनुशासन में रखने के लिए किसी चीज से डरा देते हैं। वैसे तो यह डर उम्र के साथ खत्म हो जाता है, लेकिन कई बार जब यह डर बड़े होने पर भी नहीं जाता तो फोबिया का रूप धारण कर लेता है। इसलिए बच्चों को डराने की बजाय प्यार से समझाने की कोशिश करें।

एडल्टहुड फोबिया

कुछ डर वयस्क होने के बाद पैदा होते हैं। इनका प्रभाव सबसे ज्यादा यंग जनरेशन पर पड़ता है। एडल्टहुड फोबिया में कई तरह के फोबिया शामिल होते हैं।

एग्रोफोबिया

एग्रोफोबिया एक तरह का फोबिक डिसऑर्डर है, जो यह अपने साथ कई अन्य परेशानियां भी लाता है। इनमें डिप्रेशन, हर तरह की बेचैनी आदि प्रमुख हैं। एग्रोफोबिया में व्यक्ति को बिना किसी कारण के ही डर लगता है। यह डर किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति से जुड़ा हुआ न होकर खुद के प्रति ही होता है। एग्रोफोबिया का मरीज अकेलेपन से डरता है। वह भीड़ में खड़ा होकर भी खुद को अकेला ही महसूस करता है। वह कहीं अकेले जा नहीं सकता, अकेले रह नहीं सकता। उसे लगता है कि वह किसी भी परिस्थिति का सामना नहीं कर सकता। ऐसे लोगों का आत्मविश्वास न के बराबर होता है। ऐसे लोग अकेले बाहर न जा सकने के कारण खुद को घर में ही कैद कर लेते हैं।

फोबिया के लक्षण

फोबिया के रोगी आम लोगों की तरह ही दिखाई देते हैं। वैसे तो इस रोग का पता नहीं चल पाता है, लेकिन फोबिया के रोगियों का अपने डर से सामना होने और अपने डर के बारे में बात करने पर इसके लक्षण सामने आते हैं। आमतौर पर फोबिया के रोगी अपने डर से दूर ही रहते हैं, लेकिन अनजाने में अपने डर को अपने सामने देखकर उन्हें फोबिया का दौरा पड़ता है। ऐसे में उनमें तनाव, बेचैनी, पसीने आना, परिस्थिति या लोगों से दूर भागना, सिर में भारीपन, कानों में अलग-अलग आवाजें सुनाई देना, दिल की धड़कन बढ़ जाना, सांस तेज होना, डायरिया, चक्कर आना, शरीर में कहीं भी दर्द को महसूस करना, पेट खराब हो जाना, ब्लड प्रेशर बढ़ना या कम हो जाना जैसी दिक्कतें दिखाई देती हैं। फोबिया का दौरा पड़ने पर रोगी में इस तरह के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। ऐसे में रोगी बहुत ज्यादा पेनिक हो जाता है। ऐसी स्थिति में रोगी के साथ किसी भी तरह की जबरदस्ती उसके लिए खतरनाक हो सकती है। जबरदस्ती करने से रोगी और भी ज्यादा पेनिक हो जाता है और उसका डर कोई भी भयंकर रूप ले सकता है।

उपचार

फोबिया के इलाज के लिए कोई एक खास ट्रीटमेंट नहीं होता है। हर मरीज का फोबिया और उसकी परिस्थिति अलग-अलग होती है, इसलिए फोबिया का इलाज भी मरीज और उसके डर के अनुरूप ही किया जाता है। डॉक्टर बताते हैं कि फोबिया के इलाज के लिए दवाएं, काउंसिलिंग, मनोवैज्ञानिक थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। फोबिया के ट्रीटमेंट के लिए रोगी के थायरॉयड, ब्लड शुगर, डायबिटीज आदि की जांच करना भी जरूरी होता है।

कुछ आम फोबिक डर

- बंद जगह में डर लगना
- अंधेरे में डर लगना
- ज्यादा ऊंचाई वाली जगह में डर लगना
- भीड़भाड़ वाली जगह में डर लगना
- कहीं बाहर जाने का डर
- चूहा, छिपकली, मकड़ी जैसे छोटे-छोटे जीवों का डर
- मरने का डर
- बिजली की चमक, गड़गड़ाहट और तेज बारिश से डर
- पानी से डर

बड़े डर की आशंका खतरे को बढ़ा देती है

ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने चिंता और डर के रहस्य को खोलने की कोशिश में कई महत्वपूर्ण बातों का पता लगाया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, किसी भी तरह के खतरे पर दिमाग की प्रतिक्रिया खतरे की दूरी, दिशा और खतरे के अनुमान पर निर्भर होती है। रिसर्च में पता चला है कि दिमाग के भय नेटवर्क के विभिन्न हिस्से अलग-अलग खतरे पर अलग-अलग प्रतिक्रिया के लिए जिम्मेदार होते हैं। शोध टीम का नेतृत्व करने वाले डीन मोब्स का कहना है कि दिमाग में सिर्फ एक ढ़ांचा नहीं होता, बल्कि भय नेटवर्क के अलग-अलग अंग होते हैं और वे डर पर होने वाली प्रतिक्रिया को दिखाने के लिए मिलकर काम करते हैं। खतरे का गलत अंदाजा लगाने की भूल ही लोगों में फोबिया के बढ़ने का कारण होती है। किसी चीज, लोग, जानवर और परिस्थितियों से बेतुका, गहन और लगातार भय ही फोबिया कहलाता है। मोब्स का कहना है कि बड़े डर की आशंका ही दिमाग में खतरे के आकार को बढ़ा देती है।

सोशलफोबिया

युवाओं में पाया जाने वाला सबसे आम फोबिया है। इस फोबिया के शिकार आमतौर पर स्कूल और कॉलेज जाने वाले युवा होते हैं। सोशल फोबिया के शिकार लोग किसी भी सार्वजनिक स्थान पर जाने से, वहां बोलने से, वहां खाने से भी डरते हैं। इस फोबिया में सबसे ज्यादा स्पीचिंग कम्यूनिकेशन की समस्या होती है।

मोनो जाइगोटिक ट्वीन्स फोबिया

यह एक तरह का जेनेटिक फोबिया होता है, जो जुड़वा बच्चों को ही होता है। इसमें अगर एक बच्चा किसी फोबिया का शिकार है तो दूसरा बच्चा भी उसी फोबिया से ग्रस्त होगा। सभी ट्वीन्स के साथ ये समस्या नहीं होती है, लेकिन फिर भी आमतौर पर ट्वीन्स के साथ इस तरह की शिकायत देखी गई है।

रेसिपी

कोकोनट पछड़ी

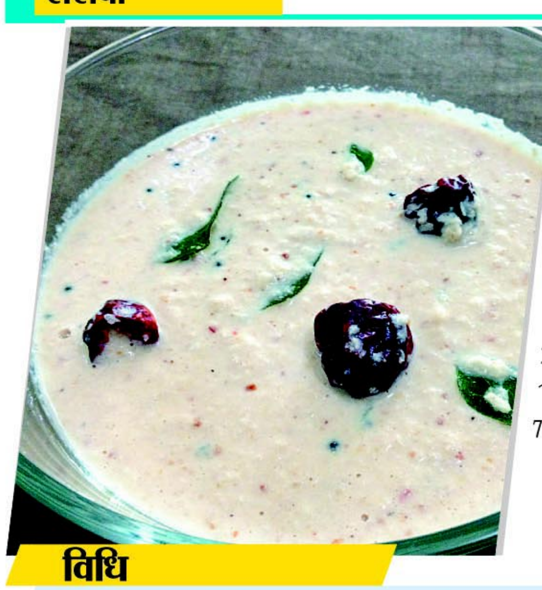

सामग्री

3/4 कप ताजा दही, फेंटा हुआ
1/3 कप ताजा कसा हुआ नारियल
2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च
1/2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ अदरक
नमक स्वादअनुसार
2 टी-स्पून नारियल का तेल/ अन्य तेल
1/4 टी-स्पून सरसों
7 से 8 कड़ी पत्ते

विधि

दही, नारियल, हरी मिर्च, अदरक और नमक को साथ में परोसने के बाउल में अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। तड़के के लिए, एक छोटे पॅन में तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, कड़ी पत्ते डालकर, मध्यम आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। तड़के को दही-नारियल के मिश्रण के उपर डालकर अच्छी तरह मिला लें। तुरंत परोसें।

गौंद के लड्डू

सामग्री

3 टेबल-स्पून गौंद
4 1/2 टेबल-स्पून घी
1 1/4 कप गेहूं का आटा
1/2 कप पीसी हुई शक्कर
1/2 टी-स्पून इलायची पाउडर
घी, तलने के लिए

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन में 31/2 टेबल-स्पून घी गरम करें, गेहूं का आटा डालकर, मध्यम आंच पर, लगातार हिलाते हुए 6 मिनट तक भुन लें। पुरी तरह ठंडा करने के लिए रख दें। एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में तलने के लिए घी गरम करें और गौंद के फूलने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज पर निकाल लें। पीसी हुई शक्कर, तले हुए गौंद, इलायची पाउडर, बचा हुआ 1 टेबल-स्पून घी और भूने हुए आटे को एक गहरे बाउल मे अच्छी तरह मिला ले। मिश्रण को 15 भाग में बांटकर गोले बना लें। परोसें या हवा बद डब्बे में रखकर संग्रह करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)